{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शनिवार 08 नवम्बर 2025
मार्गशीर्ष कृष्ण 03 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 17, अंक 46
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

संसेक्स	~	83,216.28
निफ्टी	~	25,492.30
सोना	~	1,22,020
चांदी	~	1,52,500
डॉलर	~	88.69

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

शमी को सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस भेजा

कोलकत्ता । भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस भेजा है। शमी को यह नोटिस उनकी पत्नी हसीन जहां की गुजारा भत्ता बढ़ाने की मांग वाली याचिका पर भेजा गया है। अदालत ने इस पर चार हफ्ते के भीतर जवाब मांगा है। वहीं, मामले की अगली सुनवाई चार हफ्ते बाद होगी।

हसीन जहां ने कोलकत्ता हाईकोर्ट के उस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें उन्हें हर महीने डेढ़ लाख रुपए और उनकी बेटी के लिए ढाई लाख रुपए गुजारा भत्ता दिए जाने का आदेश दिया गया था। उनके अनुसार यह रकम पर्याप्त नहीं है और वे मिलने वाले गुजारा भत्ते में बढ़ोतरी की मांग कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर पश्चिम बंगाल सरकार और क्रिकेटर मोहम्मद शमी को नोटिस जारी किया है।

ऐश्वर्या बच्चन को आयकर से मिली राहत

मुंबई। अभिनेत्री ऐश्वर्या बच्चन को आयकर विभाग से 4 करोड रुपए टैक्स की राहत मिली है। आयकर अपीली न्यायाधिकरण से ऐश्वर्या बच्चन ने मुकदमा जीत लिया है। आयकर विभाग के अधिकारियों ने उनके द्वारा कर मुक्त निवेश और कुछ खर्चों को अश्वीकृत कर दिया था। उनके ऊपर 4 करोड रुपए की पेनल्टी लगाई थी। जिसकी अपील उन्होंने की थी। जिसमे ऐश्वर्या बच्चन को अब राहत मिल गई है।

मीडियम ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट की खरीद शुरू करेगा रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना की ताकत में इजाफा करने के लिए रक्षा मंत्रालय जल्द ही मीडियम ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट की खरीद शुरू करेगा। इसके लिए वैश्विक स्तर पर तीन देशों की बड़ी विमान निर्माता कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा देखने को मिल सकती है। दिसंबर 2025 के अंत तक रक्षा अधिग्रहण परिषद की ओर से 80 मीडियम परिवहन विमानों की खरीद के लिए मंजूरी मिल सकती है। इसके साथ ही अगले साल जनवरी में इस खरीद की प्रक्रिया को शुरू कर टेंडर जारी कर सकते है। वायुसेना को अपने विमान बेचने के लिए अमेरिकी कंपनी लॉकहीड मार्टिन अपने सी-130जे सुपर हरक्यूलिस, ब्राजील की कंपनी एम्ब्रेयर अपने केसी-390 मिलेनियम विमान और यूरोपीय कंपनी एयरबस डिफेंस एंड स्पेस अपने ए-400एम विमान का प्रस्ताव रखेगी।

कुछ ना कहना

दिल्ली एयरपोर्ट का एटीसी सिस्टम खराब : 100 से ज्यादा फ्लाइट अटकी

न टेकऑफ न लैंड, लेट लतीफी के चलते सैकड़ों यात्री फंसे

नई दिल्ली। दिल्ली एयरपोर्ट पर उस वक्त अफरा तफरी मच गई जब यहां का एटीसी सिस्टम खराब हो गया। एयरपोर्ट पर न तो कोई फ्लाइट टेकऑफ कर पा रही है और न ही लैंड हो पा रही है। इसके चलते सौ से ज्यादा फ्लाइट लेट हो गई। सैकड़ों यात्री एयरपोर्ट पर फंसे हैं उनकी यात्रा कब होगी किसी को नहीं मालूम। हालांकि विमान कंपनियों ने भरोसा दिलाया है कि वे अपनी फ्लाइट पर नजर रखें और व्यवस्थाओं को सुचारु किया जा रहा है।

देश के सबसे व्यस्त हवाई अड्डे, आईजीआईए, पर हर दिन 1,500 से अधिक उड़ानों का संचालन होता है। सूत्रों के अनुसार, गुरुवार शाम से शुरू हुई तकनीकी समस्याओं ने एटीसी को स्वचालित उड़ान योजनाएं प्राप्त करने में असमर्थ कर दिया। 'ऑटोमैटिक मैसेज स्विचिंग सिस्टम' (एएमएसएस) में खराबी के कारण यातायात नियंत्रक मैन्युअल रूप से उड़ान योजनाएं तैयार कर रहे हैं, जिससे प्रक्रिया में देरी हो रही है। इसके अलावा, बढ़ता हवाई यातायात और हवाई अड्डे पर चल रहा निर्माण कार्य भी इस व्यवधान का कारण बन रहा है। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआईए) पर शुक्रवार सुबह से अफरा-तफरी का माहौल है। हवाई यातायात नियंत्रण (एटीसी) सिस्टम में तकनीकी खराबी के कारण 100 से अधिक उड़ानों में देरी हुई, जिससे हजारों यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। न तो विमान उड़ान भर पा रहे हैं और न ही उतर पा रहे हैं, जिसके चलते यात्री घंटों इंतजार करने को मजबूर हैं।

विमानों की जानकारी देने वाली वेबसाइटों के अनुसार, उड़ानों के प्रस्थान में औसतन 50 मिनट की देरी हो रही है। कुछ उड़ानों को डायवर्ट भी किया गया है, जिससे यात्रियों की परेशानी और बढ़ गई है। एयरलाइंस कंपनियां लगातार अपडेट दे रही हैं, लेकिन स्थिति सामान्य होने में समय लग सकता है। स्पाइसजेट ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'एटीसी सिस्टम में तकनीकी खराबी के कारण दिल्ली और उत्तरी क्षेत्रों की उड़ानों पर असर पड़ा है। हमारी टीमें यात्रियों की सहायता के लिए अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रही हैं।' वहीं, इंडिगो ने भी यात्रियों से धैर्य रखने की अपील करते हुए कहा, 'हमारी क्रू और ग्राउंड टीमें यात्रियों की सहायता कर रही हैं।

यात्रियों का कहना है कि लंबी प्रतीक्षा और अपडेट की कमी से उनकी यात्रा योजनाएं प्रभावित हो रही हैं। अधिकारियों ने बताया कि तकनीकी खामी को ठीक करने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन अभी स्थिति पूरी तरह सामान्य होने की समयसीमा स्पष्ट नहीं है। यह घटना हवाई यातायात प्रबंधन की तकनीकी निर्भरता और इसके जोखिमों को उजागर करती है।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने की थी बैठक

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने एक्स पर दिल्ली एयरपोर्ट पर तकनीकी खराबी पर जानकारी दी थी। प्राधिकरण ने बताया था कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सचिव ने तुरंत एएआई के अध्यक्ष, एएनएस के सदस्य और अन्य अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक निर्देश दिए थे। ईसीआईएल के अधिकारियों और एएआई कर्मियों की एक टीम अभी भी घटनास्थल पर मौजूद थे।

दिल्ली ही नहीं मुंबई तक यात्री हुए थे परेशान

शुरुआत में दिल्ली हवाई अड्डे पर शुक्रवार को हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली में तकनीकी खामी के कारण लगभग 300 घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का संचालन प्रभावित हुआ। सैकड़ों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इसका असर मुंबई के हवाई अड्डे पर भी देखा गया है। मुंबई में भी यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा रहा है।

आवारा कुत्तों के मामले पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला-

स्कूलों, बस अड्डों आदि सार्वजनिक जगहों से हटाएं और भेजें शेल्टर होम

नई दिल्ली। देशभर में बढ़ती आवारा कुत्तों की समस्या पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए शुक्रवार को बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने निर्देश दिया, कि स्कूलों, बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों, अस्पतालों और अन्य सार्वजनिक स्थलों के पास घूम रहे आवारा कुत्तों को तुरंत हटाकर शेल्टर होम में शिफ्ट किया जाए। कोर्ट ने यह भी कहा कि इन स्थानों को पूरी तरह 'स्ट्रे डॉग फ्री' जोन बनाया जाए, ताकि आम नागरिकों, खासकर बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। यह कार्यवाही सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लेते हुए शुरू की। अदालत ने 28 जुलाई को दिल्ली में कुत्तों के हमले से एक बच्चे की मौत और रेबीज के मामलों पर आई मीडिया रिपोर्ट्स को आधार बना कर मामले की सुनवाई की थी। जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की तीन सदस्यीय पीठ ने कहा, कि कुत्तों के काटने की

घटनाओं में लगातार वृद्धि बेहद चिंताजनक है और इसे रोकने के लिए तत्काल ठोस कदम उठाने होंगे। शीर्ष अदालत ने सभी राज्य सरकारों और स्थानीय निकायों को निर्देश दिया कि वे एक संयुक्त अभियान चलाकर सड़कों और सार्वजनिक परिसरों से आवारा कुत्तों को पकड़ें और उन्हें सुरक्षित रूप से शेल्टर होम में रखें। साथ ही, वहां उनकी नियमित देखभाल और टीकाकरण की उचित व्यवस्था की जाए। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि किसी भी तरह की क्रूरता या अव्यवस्था बर्दाश्त नहीं की जाएगी और इसका पालन न करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होगी। अदालत ने इस दौरान राज्य सरकारों की लापरवाही पर भी नाराजगी जताई। दरअसल, 27 अक्टूबर को शीर्ष अदालत ने पाया था कि पूर्व में दिए गए आदेशों के बावजूद अधिकांश राज्यों ने अनुपालन हलफनामा दाखिल नहीं किया था। केवल पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने ही रिपोर्ट प्रस्तुत की थी। अदालत ने कहा, कि इस मसले पर सभी राज्यों को गंभीरता दिखानी होगी, क्योंकि यह सीधे तौर पर नागरिकों की जान की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से देशभर में सड़कों और सार्वजनिक स्थलों पर बढ़ती आवारा कुत्तों की समस्या को नियंत्रित करने की दिशा में एक ठोस कदम माना जा रहा है।

पूर्व डीजीपी मुस्तफा के खिलाफ सीबीआई जांच होगी

चंडीगढ़। यूपी के रहने वाले पंजाब के पूर्व पुलिस महानिदेशक मोहम्मद , मलेरकोटला से तीन बार की विधायक व पूर्व मंत्री रही उनकी पत्नी रजिया सुल्ताना, उनकी बेटी एवं पुत्रवधु के खिलाफ अब सीबीआई जांच करेगी। इनके खिलाफ सीबीआई ने हत्या एवं आपराधिक साजिश रचने की धारा के तहत एफआईआर दर्ज की है। इन चारों पर अकील अख्तर की हत्या का आरोप है।

बता दें कि अकील की 16 अक्टूबर की देर रात पंचकुला में मौत हो गई थी। परिवार ने बताया था कि दवाइयों की ओवरडोज की वजह से मौत हुई। सहारनपुर में अंतिम संस्कार किया

गया था। अंतिम संस्कार के बाद एक वीडियो सामने आया था। यह वीडियो 27 अगस्त का बताया गया था।

एसआईटी कर रही जांच

वीडियो में अकील यह कहते दिखाई दिए कि परिवार के लोग उसे मारने के लिए साजिशें रच रहे हैं। पत्नी की शादी मेरे साथ नहीं, डैड के साथ हुई है। इसी को आधार बनाते हुए पूर्व डीजीपी के पड़ोसी शमशुद्दीन ने मनसा देवी थाने में मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। अब तक पंचकूला पुलिस द्वारा गठित एसआईटी इस मामले की जांच कर रही थी। एसआईटी इस मामले में अभी तक मृतक के दो मोबाइल फोन उसका लैपटॉप और उसकी डायरी रिकवर कर चुकी है। इन्हें जांच के लिए आगे भेजा गया है। वहीं अकील पटियाला में जिस नशा मुक्ति केंद्र में दो बार भर्ती रहा था, वहां जाकर भी एसआईटी पूछताछ कर चुकी है। इस मामले में मैनेजर को समन किया था। एसआईटी अभी तक क्राइम सीन की फोरेंसिक जांच भी करवा चुकी है। मोहम्मद मुस्तफा की कोठी में तैनात पंजाब पुलिसकर्मियों सहित अन्य स्टाफ कर्मियों के भी बयान दर्ज कर चुकी है।

साइबर ठगी का शिकार हुए टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी

जालसाजों ने खाते से उड़ाए 55 लाख रुपये

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के नेता और चार बार के लोकसभा सांसद कल्याण बनर्जी के साथ एक बड़ी साइबर धोखाधड़ी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, उनके निष्क्रिय पड़े भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) खाते को फर्जी दस्तावेजों के जरिए फिर से सक्रिय किया गया और इससे 55 लाख रुपये से अधिक की रकम निकाल ली गई। कोलकाता में एसबीआई की हाईकोर्ट शाखा ने इस मामले में साइबर अपराध थाने में शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद जांच शुरू कर दी गई है। बैंक की शिकायत के मुताबिक, साइबर अपराधियों ने जाली पैन और

आधार कार्ड तैयार किए, जिन पर कल्याण बनर्जी की तस्वीर लगाई गई थी। इन जाली दस्तावेजों की मदद से अपराधियों ने उनके पुराने खाते की केवाईसी अपडेट कर दी। इसके बाद 28 अक्तूबर को खाते में दर्ज मोबाइल नंबर भी बदल दिया गया, जिससे उन्हें खाते पर पूरा नियंत्रण मिल गया।

शिकायत के मुताबिक, खाते की जानकारी मिलने के बाद ठगों ने कई ऑनलाइन लेनदेन किए और करीब 56 लाख 39 हजार 767 रुपये इंटरनेट बैंकिंग के जरिए निकाल लिए। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, निकाली गई रकम को कई अलग-अलग खातों में ट्रांसफर किया गया, एटीएम से निकाला गया और यहां तक कि गहने खरीदने में भी इस्तेमाल किया गया। कोलकाता पुलिस के साइबर क्राइम विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, पूरे मामले की गहराई से जांच की जा रही है।

गिरफ्तारी से पहले लिखित कारण बताना अनिवार्य

सभी हाईकोर्ट और राज्य सरकारों को सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति एजी मसीह की खंडपीठ ने नागरिकों की स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण आदेश दिया है। देश के सभी हाईकोर्ट और राज्य सरकारों को निर्देश भेजने के आदेश सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए हैं। खंडपीठ ने अपने आदेश में कहा है संविधान के अनुच्छेद 22(1) के अंतर्गत आईपीसी अथवा बीएनएस मे गिरफ्तार करने के पूर्व, जांच अधिकारी को उसका कारण बताना अनिवार्य है। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश में कहा है, यह अनिवार्य और बाध्यकारी संवैधानिक सुरक्षा है। इसे औपचारिक नहीं बनाया जा सकता है। यह नागरिकों के मौलिक अधिकारों में शामिल है। खंडपीठ के आदेश का पालन सभी हाईकोर्ट और सभी राज्य सरकारों को करने के लिए आदेशित किया गया है। नागरिकों के मौलिक अधिकारों

को सुरक्षित रखने गिरफ्तारी के पूर्व व्यक्ति को लिखित में जानकारी देना अनिवार्य है। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश में कहा है, गिरफ्तारी के कारण को लिखित रूप से, समझ में आने वाली भाषा में बताना अनिवार्य है। किसी कारणवश लिखित में देना उस समय संभव ना हो। ऐसी स्थिति में उसे मौखिक रूप से बताना आवश्यक है। ताकि आरोपी को जब मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाए, तो वह अपना पक्ष रख सके। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश का पालन नहीं करने पर गिरफ्तारी और रिमांड पूरी तरह से अवैध होगा। न्यायाधीश गिरफ्तार व्यक्ति को तत्काल छोड़ने का आदेश देने के लिए बाध्य है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट रूप से कहा है। पुलिस अधिकारी को पुस्तिका में गिरफ्तारी के कारण को स्पष्ट रूप से लिखना होगा। उसे यह भी लिखना होगा, गिरफ्तारी की सूचना उसके परिवार के किस व्यक्ति को दी गई है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश में यह भी कहा गया है, मजिस्ट्रेट सुनिश्चित करेंगे, गिरफ्तार अथवा रिमांड के लिए जिस व्यक्ति को पेश किया गया है। उसे गिरफ्तारी का कारण पता है, या नहीं। इस आधार पर मजिस्ट्रेट फैसला करेंगे।

बालाघाट : एक शब्द चित्र

'द जंगल बुक' के मोगली की धरती हैं बालाघाट के जंगल!!

यहीं के जंगलों में रची गयी थी- 'जंगल-जंगल बात चली है, पता चला है...!' यानि जंगल बुक्स की अनकही,अद्भुत, अनसुनी, महान दास्तान !!

पदमेश विशेष । बालाघाट

ब्रिटिश उपनिवेशी शासन के दौर में सन 1895 ईस्वी में सतपुड़ा मैकल के दक्षिण भूभाग की इन्ही पर्वत मेखलाओं में रची गयी थी विश्वविख्यात कृति 'जंगल बुक्स'। विख्यात स्काऊट ऑफिसर और लेखक जोसेफ रूडयार्ड किपलिंग ने घुम्मक्कड़ी यात्राओं के दौरान बालाघाट और सिवनी के जंगलों में कुछ वक्त बिताया था । जैवविविधता से परिपूर्ण इन्हीं जंगलों में उन्हें मिले थे महान पात्र 'मोगली' ! बधीरा !! शेरखान !! आदि आदि!!

इस तरह अपनी प्रखर प्राकृतिक सम्पदा से भरपूर क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार विजेता रूडयार्ड किपलिंग की विश्व विख्यात कृति 'जंगल बुक' की सृजनशीलता का हिस्सा था बालाघाट जिले के वन प्रांतर के विशाल परिधि में विस्तारित जंगल!

जंगल बुक ! विश्व साहित्य की अमूल्य और समृद्ध धरोहर है। यह हमारे लिये भी गर्वोक्ति अनुभव करने का क्षण है कि विख्यात नोबल विजेता ब्रिटिश साहित्यकार रूडयार्ड किपलिंग स्काऊटिंग डिपार्टमेंट अपनी में पदस्थापना के दौरान बालाघाट- सिवनी जिलों के घने जंगलों में फैले प्राकृतिक स्वच्छंदता और विविधता की खाक

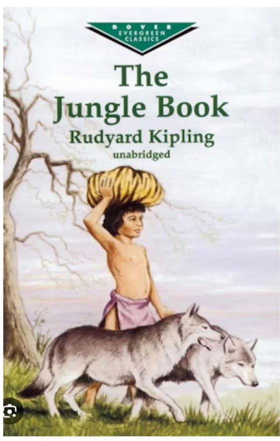

छानते रहे थे । तब उन्हें वहां मिला उनकी कृति का आदमी शावक卐 मोगली 卐 जो जंगलों की प्रकृति से तो वाकिफ था ही जंगली जानवरों की भाषा से भी वाकिफ था। वह इतना वाचाल था कि उनसे दोस्ती कर बैठता और उनसे संवाद भी बना बैठता।चाहे वह भालू हो या जंगल का सबसे खतरनाक प्राणी बाघ !!

'जंगल बुक' में विस्तार से लिखे गये तमाम पात्र और घटनाक्रम इन्हीं जंगलों की स्मृति को फिर-फिर ताजा करते हैं। सतपुड़ा मैकल अंचल के इन जंगलों की यह विश्वप्रसिद्ध कृति 1895 के आसपास के दौर में नैतिक शिक्षा देने के लिये मानवतावादी ढंग से जानवरों का उपयोग कर दंत कथाएँ, किवंदन्तियां रची गयीं है।जो अपनी लेखन शैली और जंगली पात्रों की वज़ह से अद्भुत है।

जंगल बुक में जंगल के कानून के छंद, भारतीय जंगलों की दशा और उसमें व्याप्त जीवन की व्याख्या की गयी है। यह राजनीति और समाज के रूपक के रूप में व्याख्या भी हैं। मूलत: यह भारतीय जंगल में भेड़ियों द्वारा उठाया जाता है जो एक परित्यक्त 'आदमी शावक' मोगली के रोमांच के आसपास घूमने, बालु, बधीरा, अजगर, बंदरों, शेरखान के किस्से हैं।

अस्तु, आदिकालीन पाषाण सभ्यता के पूर्व से विकसित यह इलाका आश्चर्यो की खदान है। मोगली पात्र वाले जंगल बुक में रूडयार्ड किपलिंग ने इन्हीं जंगलों से उठाये चरित्र मोगली, अकेला, बधीरा, भालू, बन्दर, छछून्दर, हाथी, साही, जहरीला सांप, चमगादड़, भारतीय मोर, नाग, नागिन, माँ भेड़िया, नेवला, सियार का चरित्र सम्मिलित हैं।

सिवनी जिला तो अपना बाकायदा मोगलीलैंड पार्क भी बना चुका है। लेकिन बालाघाट के बहुत कम लोगों को इस तथ्य की जानकारी है कि नोबल पुरस्कार विजेता रूडयार्ड किपलिंग का भारत में इस इलाके में घूमना और इन पर्वत श्रंखलाओं के बीच अबाध गति से विचरण कर रहे वन्य जीवों के बीच एक कालजयी कृति की रचना करना हमारे सभ्य समाज को रुडयार्ड किपलिंग की सबसे बड़ी देन है !!

उन्होंने जंगल बुक्स के सृजन के साथ इस समूचे इलाके को भी नया पहचान दिया है!!

8 वर्षों से बेरोजगारी का दंश झेल रहे प्रेरक शिक्षक

कलेक्ट्रेट में सौंपा ज्ञापन, हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देकर मांगी नौकरी, मांग पूरी न होने पर आंदोलन कर,पुन: हाईकोर्ट जाने की भी दी चेतावनी

पद्मेश न्यूज़ ।बालाघाट।

भारत सरकार की साक्षर भारत योजना के तहत वर्ष 2012 -13 में प्रेरक शिक्षकों की भर्ती की गई थी। बालाघाट जिले के 1200 प्रेरक शिक्षकों को मिलाकर उस समय प्रदेश के 42 जिलों में करीब 23000 प्रेरक शिक्षकों की भर्ती कर निक्षर को साक्षर बनाने का काम सरकार द्वारा किया गया था। इसके लिए मध्य प्रदेश सरकार के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को भारत सरकार द्वारा एक बार नहीं बल्कि तीन-तीन बार अवार्ड देकर सम्मानित भी किया गया है। लेकिन निक्षर को साक्षर बनाने का काम करने वाले प्रेरक शिक्षको से काम निकालने के बाद ,सरकार ने उन्हें नौकरी से निकाल दिया। जिसके चलते करीब 8 वर्षों से प्रेरक शिक्षक बेरोजगारी का दंश झेल रहे हैं और अपनी पुन: बहाली के लिए दर-दर की ठोकरे खाने के लिए मजबूर है। जिन्होंने पुन: नौकरी बहाल किए जाने की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट कार्यालय में एक ज्ञापन सौंपते हुए उनकी इस मांग को जल्द से जल्द पूरा किए जाने की गुहार लगाई है। जिन्होंने न सिर्फ उनके द्वारा पूर्व में किए गए पूरे कार्यों को ध्यान में नौकरी बहाल किए जाने की मांग की ,बल्कि उन्होंने प्रदेश सरकार के खिलाफ हाई कोर्ट में लगाई गई याचिका पर आए आदेशों का हवाला देते हुए उनकी नौकरी पुन: बहाल किए जाने की मांग की है। प्रेरक शिक्षकों ने स्पष्ट कर दिया कि हाई कोर्ट ने प्रदेश सरकार को 90 दिनों के भीतर निकाले गए सभी प्रेरकों को वापस काम पर लिए जाने आदेश दिए हैं। हाई कोर्ट के इन आदेशों के तहत उन्हें जल्द से जल्द नौकरी दी जानी चाहिए।

70 वर्ष तक निक्षर लीगो को साक्षर बनाने का कार्य करते थे प्रेरक शिक्षक

बताया गया कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप 15 से 70 वर्ष तक की आयु सीमा के लोगों में शिक्षा की अलख जगाने और उन्हें पढ़ा लिखा कर शिक्षित बनाने का कार्य प्रेक्षक शिक्षको को दिया गया था।अब वही प्रेरक शिक्षक पिछले 8 वर्षों से बेरोजगारी की जिंदगी गुजारने के लिए मजबूर हैं। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2012-13 में इस कार्य के लिए भर्ती किए गए सभी शिक्षकों को बिना कोई पूर्व सूचना दिए ही 31 मार्च वर्ष 2018 में निष्कासित कर बेरोजगार कर दिया गया है।जिसके चलते निष्कासित संविदा प्रेरक शिक्षक पुन: रोजगार दिए जाने की मांग कर रहे हैं।

हाईकोर्ट से मिले आदेशो के तहत दी जाए नौकरी

प्रेरक शिक्षको ने बताया कि वर्ष 2018 से की जा रही यह मांग लगभग 8 वर्ष बाद भी पूरी नहीं हो पाई है जिसको लेकर निष्कासित संविदा शिक्षक प्रदेश सरकार से खासा नाराज है। जिन्होंने प्रदेश सरकार पर रोजगार देने के बाद, रोजगार छीनकर उन्हें बेरोजगार करने का आरोप लगाते हुए सरकार की वादा खिलाफी के खिलाफ कई बार आवेदन निवेदन करने, और धरना प्रदर्शन करने के बाद भी मांग पूरी ना होने पर जबलपुर हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी, जिसका फैसला उनके पक्ष में आया है।जिसमे न्यायालय ने सरकार को 90 दिनों के भीतर प्रेरक शिक्षको की पुन: बहाली के आदेश दिए है।जिसके आधार पर प्रेरक शिक्षको नौकरी बहाल किए जाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौपा है।

तो आंदोलन कर, अवमानना दायर करेंगे-सम्पत खरे

प्रेरक शिक्षक संघ लांजी अध्यक्ष सम्पत खरे ने बताया कि वर्ष 2012 में भारत सरकार की साक्षर भारत योजना के तहत सविंदा आधार पर प्रेरक शिक्षकों की भर्ती की गई थी, 15 से 70 वर्ष आयु वर्ष के निरक्षर लोगो को साक्षर बनाने का हमें काम दिया गया था, जो हमने पूरी लगन व मेहनत के साथ किया। इसके अलावा शासन के स्कूल चले अभियान, शौचालय निर्माण और जनधन बीमा योजना सहित अन्य कार्य 2012 से लगातार 5 -6 वर्षों तक किए। हमें महज 2000 रु मानदेय दिया जा रहा था,लेकिन 31 मार्च 2018 को बिना पूर्व सूचना के ही हम सभी को निष्कासित कर दिया गया, तब से लेकर आज तक हम पुन: बहाली की मांग कर रहे हैं, इसको लेकर हाईकोर्ट जबलपुर में याचिका लगाई गई थी, जिसकी सुनवाई पूर्ण कर माननीय न्यायालय ने 90 दिनों के भीतर हम सब की सेवा बहाल करने के आदेश दिए हैं। जिले में करीब 1200 प्रेरक शिक्षक हैं जबकि संपूर्ण मध्य प्रदेश में 23000 प्रेरक शिक्षकों की भर्ती की गई थी वर्तमान में सभी प्रेरक शिक्षक बेरोजगार इसीलिए आज हम हाईकोर्ट के आदेश लेकर जिला प्रशासन के पास आए हैं ,ताकि आदेशों के मुताबिक जल्द से जल्द हमें सेवा में बहाल किया जाए। यदि ऐसा नहीं किया जाता तो प्रदेश सरकार के खिलाफ आंदोलन कर हाई कोर्ट में पुन: अवमानना याचिका दायर की जाएगी।

खैरलांजी में राजीनामा करवाने को लेकर दो पक्ष के बीच हुई मारपीट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी में दो पक्ष आपस में भिड़ गए और कोई मारपीट में दोनों पक्ष के चार लोग घायल घायल हो गए 2 दिन पहले रात 9:00 बजे यह घटना आपसी रंजिश के चलते हुई।खैरलांजी पुलिस ने अभय पिता देवेंद्र सुलकिया 18 वर्ष ग्राम खेरी थाना खैरलांजी निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर हर्ष पिता सहसराम बहटवार वार्ड नंबर 7 खैरलांजी निवासी और हर्ष पिता सहसराम बहेटवार 22 वर्ष वार्ड नंबर 7 खैरलांजी निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर भवानी रनगढ़े, अभय सुलकिया,राजू सुलकिया के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार खैरलांजी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम खैरी निवासी अभय सुलकिया की खैरलांजी में चाय की दुकान है। और हर्ष बहेटवार की अवंती बाई खैरलांजी में किराना दुकान हैऔर दोनों के बीच विवाद विवाद चल रहा है।घटना दिनांक की रात 9:00 बजे अभय सुलकिया अपने दोस्त राज सुलकिया के साथ अपनी दुकान बंद करके मोटरसाइकिल से घर जा रहा था। तभी वे हर्ष बहेटवार के घर के सामने रोड पर पहुंचे ही थे। कि हर्ष बहेटवार ने अभय सुलकिया की मोटरसाइकिल रोकी और पुराने विवाद में आपसी राजीनाम नहीं करने की बात को लेकर अश्लील देने लगा। अभय सुलकिया ने उसे गालियां देने से मना किया तभी हर्ष बहेटवार ने अभय सुलकिया ओर उसके दोस्त राज सुलकिया को हाथ बुक्के और लकड़ी से मारपीट करने लगा। झगड़ा देखकर पास में खड़े भवानी रनगढ़े बीच बचाव करने आया तो हर्ष बहेटवार ने उसे भी हाथ बुक्के से मारपीट करने लगा। इसी दौरान अभय सुलकिया, राज सुलकिया और भवानी रनगढ़े ने मिलकर हर्ष बहेटवार को भी हाथ बुक्के और लाठी से मारपीट करने लगे, आवाज सुनकर हर्ष बहेटवार के पिता सहसराम मां उमाबाई और नानी ढेकल बाई ने आकर बीच बचाव किये। बीच बचाव के दौरान हर्ष बहेटवार की नानी ढेकल बाई को भी चोट आई। दोनों पक्ष के बीच हुई मारपीट में तीन लोग घायल हो गए मारपीट के दौरान दोनों पक्ष ने एक दूसरे को जान से मार डालने की धमकी दे दी। इसके बाद दोनों पक्ष रिपोर्ट करने के लिए खैरलांजी पुलिस थाना पहुंचे। खैरलांजी पुलिस ने मारपीट में चोटिल हुए हुए लोगों का इलाज और मुलाहिजा खैरलांजी के अस्पताल में करवाये। खैरलांजी पुलिस ने अभय सुलकिया 18 साल ग्राम खैरी निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर हर्ष पिता सहसराम बहेटवार ग्राम खैरलांजी निवासी के विरुद्ध और हर्ष बहेटवार 22 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर भवानी रनगढ़े अभय सुलकिया और राज् सुलकिया के विरुद्ध रास्ता रोककर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

भगवान बिरसा मुंडा जयंती पर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जनजातीय नायक एवं स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) द्वारा विद्यार्थियों के लिए एक विशेष सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता आगामी 22 नवंबर 2025 को स्थानीय मुलना स्टेडियम, बालाघाट में आयोजित की जाएगी। एबीवीपी के पदाधिकारी आदित्य

अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि भगवान बिरसा मुंडा जी ने अपने जीवन से समाज को एकता, संघर्ष और स्वाभिमान का संदेश दिया। उनकी जयंती के अवसर पर परिषद द्वारा हर वर्ष विभिन्न सामाजिक और शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में इस वर्ष विद्यार्थियों में जागरूकता, ज्ञानवृद्धि और प्रतिस्पर्धात्मक भावना विकसित करने के उद्देश्य से यह सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता रखी गई है। यह प्रतियोगिता कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए खुली रहेगी। आयोजन समिति के अनुसार प्रतियोगिता का पंजीकरण प्रारंभ कर दिया गया है, और विद्यार्थियों से आग्रह किया गया है कि वे समय पर आवेदन कर प्रतियोगिता में शामिल हों। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को विशेष पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा प्रथम पुरस्कार एंड्रॉइड मोबाइल फोन, द्वितीय पुरस्कार साइकिल, तृतीय पुरस्कार सूटकेस हैं , इसके अलावा संतोना पुरस्कार के रूप में अन्य प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र भी प्रदान किए जाएंगे। कार्यक्रम के संयोजक आदित्य अग्रवाल ने बताया कि प्रतियोगिता के प्रश्न भारतीय इतिहास, सामान्य विज्ञान, वर्तमान घटनाक्रम, भारतीय संविधान, खेल, संस्कृति और भगवान बिरसा मुंडा जी के जीवन से संबंधित विषयों पर आधारित होंगे। उन्होंने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को ज्ञान के साथ-साथ अपने इतिहास और स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान से भी परिचित कराना है। उन्होंने आगे बताया कि यह प्रतियोगिता केवल एक परीक्षा नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, तर्कशक्ति और देशभक्ति की भावना को मजबूत करने का प्रयास है। हम चाहते हैं कि अधिक से अधिक विद्यार्थी इसमें भाग लेकर अपने ज्ञान का प्रदर्शन करें।

समाधान योजना का उपभोक्ताओं को लाभ दिलाने के दिये गये निर्देश

वितरण केन्द्रों पर बिजली कर्मचारियों की ली गई बैठक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अधीक्षण अभियंता(संसं) वृत्ता म.प्र.पू.क्षे.वि.वि.क.लि. बालाघाट अतंर्गत दिनांक 07 नवंबर 2025 को वितरण केन्द्रो दमोह, किरनापुर, कटंगी, सावंगी, बालाघाट (शहर), भरवेली, बैहर बोनकट्टा, उमरी, रजेगांव में सहायक अभियंता/कनिष्ठख अभियंताओं द्वारा समस्तप कर्मचारियों की बैठक आयोजित की गई। जिसमें उपभोक्ताओं से शत प्रतिशत वसूली कर एरियस को शून्य करने, पी.एम.सूर्य.घर.योजना अंतर्गत सोलर कनेक्शरन की प्रगति बढाने हेतु उपभोक्ताकओं जागरूक करने, इनपुट को नियंत्रित कर सोल्डी यूनिट बढाने, स्था.यी विच्छेलदित बकाया राशि वसूली, व्ही मित्र एप का प्रचार प्रसार करने, मुख्यातलयों में दुघर्टना संभावित स्थिलों को चिन्हित कर सुधार कार्य करवाने एवं विभाग द्वारा प्रचलित समाधान योजना का प्रचार-प्रसार करने हेतु निर्देशित किया गया।

अधीक्षण अभियता अमित कुमार ने बताया कि म.प्र.सरकार द्वारा बिजली बिल में भुगतान पर उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करने हेतु 01 नवम्बर 2025 से 28 फरवरी 2026 तक समाधान योजना लागू की गई है । जिसमें ऐसे उपभोक्ता जिन्होने 03 माह या उससे अधिक अवधि से बिल भुगतान नही किया जिसमें समस्त घरेलु (स्थाई-अस्थाई) कनेक्शन, गैर-घरेलु कनेक्शन, औद्योगिक एवं कृषि श्रेणी के उपभोक्ताओं(शासकीय कनेक्शनों को छोड़कर) के लिए विलंबित भुगतान अधिभार(संचयी) सरचार्ज में छूट प्रदान की जायेगी।

अमित कुमार ने बताया कि प्रथम चरण 01 नवंबर 2025 से 31 दिसम्बर 2025 तक लागू रहेगा। जिसमें घरेलु (स्थाई-अस्थाई) कनेक्शन एवं कृषि श्रेणी के उपभोक्ताओं को एकमुश्त भुगतान पर 100 प्रतिशत की छूट तथा किश्तो में भुगतान करने पर 70 प्रतिशत की छूट प्रदान की जावेगी। रजिस्ट्रेशन के समय कम से कम 10 प्रतिशत राशि पंजीकरण राशि का भुगतान करना होगा उसी तरह घरेलू एवं आद्योगिक उपभोक्ताओं का एकमुश्त भुगतान करने पर 80 प्रतिशत सरचार्ज एवं किश्तो में भुगतान करने पर 60 प्रतिशत का सरचार्ज में छुट प्रदान की जावेगी। जिसमें रजिस्ट्रेशन करते समय कम से कम 25 प्रतिशत या जो भी लागू हो का भुगतान करना होगा।

द्वितीय चरण 01 जनवरी 2026 से 28 मार्च 2026 तक लागू रहेगी घरेलू (स्थाई-अस्थाई) कनेक्शन एवं कृषि श्रेणी के उपभोक्ता ओंको एकमुश्त भुगतान पर 90 प्रतिशत की छूट तथा किश्तो में भुगतान करने पर 60 प्रतिशत की छूट प्रदान की जावेगी। उसी तरह गैरघरेलु एवं आद्योगिक उपभोक्ताओं का एकमुश्त भुगतान करने पर 70 प्रतिशत सरचार्ज एवं किश्तो में भुगतान करने पर 50 प्रतिशत का सरचार्ज में छूट प्रदान की जावेगी। उपभोक्ता- समाधान योजना का लाभ लेने के लिए विभिन्न तरीको से अपने बिजली बिल में छूट की जानकारी प्राप्त कर सकते है। बारकोड का उपयोग करके उपभोक्ता अपना सर्विस क्रमांक प्रविष्टि कर मिलने वाली छूट की जानकारी प्राप्त कर सकता है। उपभोक्ता विद्युत विभाग की वेबसाईड MPEZ.CO.IN जाकर समाधान योजना में क्लिक कर सर्विस क्रमांक डालकर मिलने वाली छूट की जानकारी प्राप्त कर सकता है। उपभोक्ता. https://rooftop.mpez.co.in:}yyx/ots/samadhan/inde&.php का उपयोग कर सर्विस क्रमांक प्रविष्टि कर मिलने वाली छूट की जानकारी प्राप्त कर सकता है।

इसके अतिरिक्त उपभोक्ता को अधिक परेशानी होने पर अपने गांव/शहर के नजदीकी विद्युत कार्यालय में जाकर या अधिकारियों से संपर्क कर इस योजना के बारे में जानकर अपने बिजली बिल में छूट की जानकारी प्राप्त कर सकते है। कार्यपालन अभियंता बालाघाट संभाग रवि कुमार कुम्होरे 9425806283, बालाघाट (शहर) वितरण केन्द्रो अंकित मार्को 9425806285, कार्यपालन अभियंता बैहर संभाग लक्ष्मण सिंह वल्के 9425806305, बैहर वितरण केन्द्र ए.के. पटले 9425806308, कार्यपालन अभियंता वारासिवनी संभाग बाबूलाल भैना 9425806294, वारासिवनी (शहर) वितरण केन्द्रे राहुल तुरकर 9425806299, कटंगी वितरण केन्द्र राजीव रंजन 9425807990 से सम्पर्क किया जा सकता है। यह योजना ''जल्दी आयें' एकमुश्त भुगतान कर ज्यादा लाभ पाये'' के सिद्धांत पर आधारित है।

मुस्कान का संभाग स्तरीय महिला बास्केटबॉल प्रतियोगिता में हुआ चयन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के द्वारा राज्य स्तरीय महिला बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय ग्वालियर के द्वारा ६ नवबंर २०२५ से किया जा रहा है। जिसे हेतु

शासकीय एसएसपी महाविद्यालय वारासिवनी की १ छात्रा कुं. मुस्कान गोखले एम.ए. प्रथम वर्ष का चयन हुआ है। ज्ञात हो की मुस्कान का चयन संभाग स्तरीय महिला बास्केटबॉल प्रतियोगिता आयोजक शासकीय राजमाता सिंधिया कन्या महाविद्यालय छिंदवाड़ा में उच्च

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं राजेश कुमार साखरे पिता तुलसीराम साखरे ग्राम मानेगांव पोष्ट धनसुआ तह. जिला बालाघाट म.प्र. का निवासी हुं।

मेरे परिवार में एक मात्र पुत्र है जिसकी उम्र करीब 03 वर्ष 03 माह है, जिसके जन्म प्रमाण पत्र में ऋटिवश मेरे पुत्र का नाम राकी साखरे पिता राजेश कुमार साखरे दर्ज हो गया है जिसका आधार क्रमांक 7605-0253-5631 जारी हुआ है। मेरे पुत्र का संशोधित सही नाम कृशिव साखरे(KRISHIV SAKHRE) पिता राजेश कुमार साखरे है। मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र क्रमांक B-2022-23/90320/003657 है अत: मेरे पुत्र के जन्मप्रमाण पत्र में संशोधित नाम कृशिव साखरे पिता राजेश कुमार साखरे दर्ज किया जावें एवं इसी नाम से मेरे पुत्र को जाना व पहचाना जावें।

राजेश कुमार साखरे
ग्राम मानेगांव बालाघाट

एसआईआर की प्रक्रिया में नागरिकों से सहयोग के लिए कलेक्टर ने की अपील

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बालाघाट जिले में 04 नवम्बर से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। इस प्रक्रिया के दौरान जिले के 1675 बीएलओ 13 लाख 70 हजार 312 मतदाताओं के घर-घर जाकर सम्प र्क करने लगे हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मृणाल मीना ने जिले के सभी नागरिकों से इस प्रक्रिया में सहयोग करने तथा मतदाताओं का सत्यापन करने उनके घर पहुँचने पर बीएलओ को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने की अपील की है।

कलेक्टर श्री मीना ने अपनी अपील में कहा है कि मतदाता सूची की अधिकतम शुद्धता सुनिश्चित करने प्रारंभ की गई एसआईआर की प्रक्रिया के तहत बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना पत्रक दिये जा रहे हैं। मतदाताओं को इन गणना पत्रक में वांछित जानकारी भरनी होगी तथा भरे हुये गणना प्रपत्र 04 दिसम्बर तक अनिवार्य रूप से बीएलओ को वापस करना होगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मीना ने मतदाताओं से अपने दो नवीनतम रंगीन पासपोर्ट साइज की फोटो तथा 2003 की मतदाता सूची में स्वयं अथवा अपने पिता, दादा अथवा रिश्तेदार का नाम होने के संबंध में जानकारी फिर चाहे वे देश में कहीं के भी मतदाता हों राज्य, विधानसभा क्षेत्र, मतदान केंद्र संख्या, भाग संख्या, सरल क्रमांक आदि और यदि वोटर आईडी कार्ड नंबर यदि उपलब्ध हो तो उसकी जानकारी रखने का आग्रह भी किया है।

कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि एसआईआर की प्रक्रिया के तहत उपलब्ध कराए गये गणना फॉर्म भरकर 04 दिसम्बर तक बीएलओ को वापस नहीं करने की स्थिति में सबंधित मतदाता का नाम 9 दिसम्बर को होने वाले मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन में शामिल नहीं हो सकेगा और बाद में ऐसे मतदाताओं को दावा-आपत्ति की प्रक्रिया में दस्तावेज देने होंगे।

कलेक्टर श्री मीना ने जिले के नागरिकों से अपने परिवार एवं आसपास के लोगों तक एसआईआर के बारे में जानकारी पहुंचाने एवं उन्हें जागरूक करने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि जिम्मेदार नागरिक होने के नाते अन्य मतदाताओं को भी दस्तावेज तैयार करने के लिए प्रेरित करें ताकि पूरी पारदर्शिता से जिले की त्रुटिरहित मतदाता सूचियां तैयार की जा सके। नागरिक एसआइआर के बारे में अधिक जानकारी के लिए अपने क्षेत्र के बीएलओ, संबंधित एस डी एम कार्यालय अथवा तहसील

110 वर्षीय हाजी जुबेदा बेगम सुपुर्द-ए-ख़ाक

पद्मेश न्यूज़ ।बालाघाट। शहर के फ्रेंड्स कॉलोनी वार्ड नंबर 4 निवासी इकबाल खान की वालेदा का दीर्घ आयु 110 वर्ष की उम्र में अस्वस्थता की वजह से 6 नवम्बर की रात्रि 8 बजे इंतेकाल हो गया। 7 नवम्बर को दोपहर 2 बजे निज निवास से जनाजा निकाला गया। स्थानीय कब्रिस्तान बैहर रोड में जनाजे की नमाज के बाद सुपुर्दे खाक किया गया। बताया गया कि हाजी जुबेदा बेगम ने असहयोग आंदोलन और नमक सत्याग्रह को देखा, भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रियता दिखाई उम्र भर खादी के कपड़े ही पहने।उनके आकस्मिक निधन की खबर से परिचितों एवं रिश्तेदारों ने पहुंचकर दुआएं मगफिरत की है।वे अपने पीछे 01 पुत्र, 6 विवाहित पुत्रियां, नाती, पोते सहित भरपूरा परिवार छोड़ गई है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

ठंड का अहसास लेकर आया शुक्रवार, हल्की शीत लहर-सा दिखा असर

पहली बार पारा न्यूनतम 16 डिग्री सेल्सियस पर पहुंचा, ठंड से ठिठुरे राहगीर

पद्मेश न्यूज़ ।बालाघाट।

देश भर मे सक्रिय पश्चिमी विक्षोंभ के प्रभाव ,पहाड़ी राज्यों के क्षेत्रों में लगातार हो रही बर्फबारी और उत्तर भारत से आ रही सर्द हवाओं ने जिले में ठंड बढ़ा दी है ।मौसम में आए अचानक बदलाव के चलते, जिले में ढिढुरन बढ़ गई है ।इसी बीच शुक्रवार का दिन सीजन का पहला ठंडा दिन रहा ।वही तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई। जिले भर में गुलाबी ठंड के साथ ही सुबह से शीतलहर चलती रही, जो अब भी जारी है। मौसम में आए अचानक बदलाव के बीच मौसम विभाग ने शुक्रवार को नगर का अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया तो वहीं नगर का न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा ।ज्ञात हो कि वर्ष 2025 के इस पहले सीजन में शुक्रवार का दिन पहला सबसे ठंडा दिन रहा ।वहीं पहली बार न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस तक गिरा रहा ।उधर मौसम विभाग ने आगामी 30 नवम्बर तक मौसम के कुछ इसी तरह बने रहने और जिले भर में कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना जताई है।

ग्रामीण क्षेत्रों में सितम ढा रही ठंड,शीत लहर से कांप उठे ग्रामीण

मौसम में आए अचानक बदलाव के चलते पूरा जिला शीतलहर की चपेट में है। पिछले 2 दिनों से ठंड काफी बढ़ गई है ।ग्रामीण क्षेत्रों के साथ साथ शहरी क्षेत्रों में चल रही शीत हवाए सितम ढा रही है। जिसका सबसे ज्यादा असर वनांचलों में देखा जा रहा है ।जानकारी के अनुसार जिले के बैहर, उकवा, मलाजखंड, बिरसा क्षेत्र में बुधवार से अचानक ठंड ने जोर पकड़ा है। इसके अलावा बालाघाट, वारासिवनी, खैरलांजी, लामता, परसवाड़ा के क्षेत्रों में गुरुवार से ठंड देखी जा रही है ।वही शुक्रवार को मौसम में अचानक बदलाव देखा गया ।जिससे उठी शीत लहर से पूरे जिले में ढिढुरन बढ़ गई है।

ठंड में ठिठुर रहे राहगीर, नपा ने नहीं किया अलाव जलाने का इंतजाम

मौसम के बदले मिजाज के साथ ही ठंड अपना असर दिखा रही है। ठंड बढ़ने के साथ ही सर्द हवाएं चलने से दिन भर लोग ठिठुरते रहे।,बताया जा रहा है कि पिछले 2 दिनों से मौसम में ठंडक देखी जा रही है। लेकिन नपा

ने अब तक अलाव जलाने का इंतजाम नहीं किया है। शहर के विभिन्न मार्गों, चौक चौराहों पर पूरी रात गश्त करने वाले पुलिसकर्मियों, बस स्टैंड में पहुचने वाले यात्रियों ,के साथ आम लोगों को ठंड से राहत नही मिल पा रही है और वे दिन रात में कड़कती ठंड में ठिठुरने को मजबूर है।

पहले इन जगहों पर की जाती थी अलाव की व्यवस्था

ज्ञात हो कि नगर पालिका परिषद बालाघाट द्वारा शहर के सार्वजनिक चौकों पर अलाव की व्यवस्था के लिए बस स्टैंड ,शासकीय चिकित्सालय, महावीर चौक ,सुभाष चौक, हनुमान चौक, दुर्गा मंदिर, रेलवे स्टेशन सहित अन्य जगहों पर लकड़ियों का वितरण कर जगह जगह अलाव जलाने के लिए लकड़ियां उपलब्ध कराई जाती थी। जिसपर शहर में करीब दर्जन भर स्थानों पर रात दिन अलाव जलता था ।लेकिन इस बार नवंबर माह शुरू होने के बाद भी नपा ने नगर में अलाव जलाना शुरू नहीं किया है ।वही नपा ने अभी तक अलाव जलाना तो दूर लकड़ियों तक के इंतेजाम नही किए है ।जिसपर लोगो ने नपा से अलाव के इंतेजाम किए जाने की मांग की है।

राहगीरों के साथ साथ बस कर्मी/ पुलिसकर्मी भी परेशान

मौसम में आए अचानक बदलाव और जिले भर में चल रही शीत लहर ने लोगो को ठिठुरने पर मजबूर कर दिया हैं सबसे ज्यादा परेशानी शहर में नाइट गश्त करने वाले पुलिसकर्मियों को होती है ।जो कढ़ाके की ठंड में शहर में गश्त करते हैं। इस दौरान उन्होंने आग की जरूरत पढ़ती हैं, लेकिन लकड़ियां न होने के कारण पुलिसकर्मी अपने हाथ भी नहीं सेक पा रहे हैं ।वही देर रात दूर दराज से बस स्टैंड आने वाले यात्री,व बस चालक परिचालकों को भी इस ठंड से राहत नही मिल पा रही है ।नपा ने हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी अलाव के इंतेजाम करना चाहिए ताकि लोगों को ठंड से राहत मिल सके।

बदलते मौसम का सेहत पर भी असर

अचानक ही ठंड के बढने् से लोगों की सेहत पर भी असर पड़ रहा है ।अस्पताल में सर्दी-जुकाम और बुखार के मरीज बढ़े हैं ।वर्तमान में ओपीडी में ज्यादातर बुखार, सर्दी और गले में खराश की शिकायत वाले मरीज पहुंचे रहे हैं ।अभी रोजाना जिला अस्पताल और निजी क्लिनिको में मरीज सर्दी-जुकाम, बुखार, सिर दर्द जैसी की शिकायतों के साथ आ रहे हैं।

अलाव की व्यवस्था करनी चाहिए- रूपेश लिल्हारे

नगर के वार्ड नं. 11 निवासी नागरिक रूपेश लिल्हारे ने बताया कि पिछले दो दिनों से ठंड काफी बढ़ गई है और आज अचानक मौसम में बदलाव हो गया है ।आज ठंड बहुत ज्यादा है शीतलहर चल रही है ।लेकिन बस स्टैंड में अलाव तक की व्यवस्था नहीं की गई है ।हमारी मांग कि हर साल की तरह इस साल भी नपा ने अलाव की व्यवस्था करनी चाहिए।

लघु वेतनमान कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

55 जिलों में एक साथ शुरू हुआ आंदोलन, कहा अब संघर्ष होगा निर्णायक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लघु वेतनमान कर्मचारी संघ ने प्रदेश स्तरीय आवाहन पर शुक्रवार को अपनी 15 सूत्रीय मांगों को लेकर जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।इस दौरान बड़ी संख्या में संगठन के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि उनकी प्रमुख मांगों में नियमितीकरण, वेतनमान में सुधार, पदोन्नति, सेवा शर्तों में

समानता, सेवानिवृत्ति लाभ और भत्तों में बढ़ोतरी जैसी मांगें शामिल हैं। लंबे समय से सरकार द्वारा इन मांगों पर सकारात्मक पहल न होने के कारण अब संगठन ने आंदोलन का रास्ता चुना है। प्रदेश स्तर से लेकर जिला स्तर तक आंदोलन को चरणबद्ध रूप से चलाने का निर्णय लिया गया है। इसके प्रथम चरण के रूप में प्रदेश के 55 जिलों में एक साथ ज्ञापन सौंपे गए।

प्रदेशभर के लघु वेतनमान कर्मचारी अब अपनी लंबित मांगों को लेकर आरपार की लड़ाई के मूड में नजर आ रहे हैं। शुक्रवार को प्रदेश स्तरीय आवाहन पर जिलेभर के कर्मचारियों ने एकजुट होकर जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम 15 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपते समय कर्मचारियों ने नारेबाजी करते हुए सरकार से अपनी मांगों के शीघ्र समाधान की मांग की। लघु वेतनमान कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष संतोष प्रधान ने बताया कि संगठन लंबे समय से सरकार से अपनी मांगों को लेकर संवाद कर रहा है, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। उन्होंने कहा कि लघु वेतनमान कर्मचारी वर्षों से सेवा दे रहे हैं, परंतु उन्हें न तो सम्मानजनक वेतन मिल रहा है और न ही उनके भविष्य की कोई गारंटी है। उन्हें नियमितीकरण, वेतनमान सुधार, पदोन्नति, सेवा शर्तों में समानता, महंगाई भत्ता, चिकित्सा सुविधा, सेवानिवृत्ति लाभ और पेंशन जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखा जा रहा है। संतोष प्रधान ने कहा कि प्रदेश सरकार ने कई बार आश्वासन दिए, लेकिन वे केवल कागजों तक सीमित रह गए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार अब भी उनकी समस्याओं पर ध्यान नहीं देती, तो यह आंदोलन और उग्र रूप लेगा। उन्होंने कहा कि अब यह आंदोलन केवल मांग पत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि तब तक जारी रहेगा जब तक सभी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाता। उन्होंने बताया कि इस आंदोलन की रूपरेखा प्रदेश स्तर पर तैयार की गई है। प्रथम चरण के तहत शुक्रवार को प्रदेश के सभी 55 जिलों में एक साथ ज्ञापन सौंपे गए हैं। ज्ञापन कार्यक्रम के दौरान कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हजारों लघु वेतनमान कर्मचारी वर्षों से अपनी सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन आज भी उन्हें स्थायी कर्मियों के समान अधिकार नहीं मिल रहे। कर्मचारियों ने कहा कि वे अब अपने अधिकारों के लिए संघर्ष से पीछे नहीं हटेंगे और तब तक आंदोलन जारी रहेगा जब तक सरकार उनकी मांगों को स्वीकार नहीं करती। ज्ञापन सौंपने के इस कार्यक्रम में संघ के पदाधिकारी, विभिन्न विभागों के कर्मचारी और बड़ी संख्या में महिला सदस्य भी उपस्थित रहीं।

24 घंटे के भीतर दोहरे हत्याकांड का हुआ खुलासा

भतीजे और नाती ने मिलकर की हांके दंपति की हत्या

पद्मेश न्यूज। कटंगी।

बालाघाट जिले के कटंगी शहर के अर्जुननाला में नट्टी टोला रोड़ में बुधवार-गुरूवार की दरमियानी रात्रि में हुए डबल मर्डर का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। हांके दंपत्ति की गला रेतकर निर्मम हत्या को किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं बल्कि घर-परिवार से जुड़े दो सदस्यों ने मिलकर की। शुक्रवार की शाम साढ़े 04 बजे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय, एसडीओपी विवेक शर्मा, सीएसपी वैशाली कराहलिया ने कटंगी थाने में प्रेसवार्ता कर पूरे घटनाक्रम का खुलासा किया। पुलिस ने बताया कि रमेश हांके और उनकी धर्मपत्नी पुस्पकला हांके का मर्डर भतीजे दुलीचंद हांके और नाती सचिन हांके दोनों निवासी सुकली थाना तिरोड़ी ने मिलकर किया। पुलिस ने आरोपियों के पास चुराए गए सोने-चांदी के जेवरात जब्त किए है। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 103 (1), 332 (बी) की कार्रवाई कर न्यायालय के समक्ष पेश कर पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया गया है।

कर्ज चुकाने की हत्या

पुलिस ने बताया कि दोनों ही आरोपियों पर करीब 04 लाख रुपए का कर्ज था और कर्ज की राशि चुकाने के लिए हत्या और चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार आरोपियों को पूर्व से ही पता था

कि मृतक के पास काफी मात्रा में नकदी रकम और सोने-चांदी के जेवरात है। आरोपी यह भी जानते थे कि रमेश हांके शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त होने के बाद ब्याज में पैसे देने का व्यापार करते है।इसके अलावा सुकली में पोल्ट्री फार्म भी है। जिसकी देखरेख आरोपी सचिन हांके के द्वारा ही की जाती थी। पुलिस ने यह भी बताया कि सचिन हांके मृतक के घर में करीब 04 वर्षों तक रहकर पढ़ाई कर चुका था इसलिए घर परिवार की वास्तविकता से वह पूरी तरह से अवगत था। आरोपी इस बात से भी वाकिफ थे कि घर में केवल हांके दंपत्ति ही निवास करते है उनके दोनों बेटे नागपुर में जॉब करते है। ऐसे में दोनों आरोपियों ने चोरी और हत्या की प्लानिंग की फिर बेहद आसानी से घर में प्रवेश किया और हत्या करने के बाद आलमारी से सोने-चांदी के जेवर 15 हजार रुपए नकदी सहित 10 लाख रुपए का मशरूका चोरी कर फरार हो गए। पुलिस ने तकनीकि साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों को जल्द ही पकड़ लिया। पुलिस ने इस पूरी वारदात के बाद करीब 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरे खंगाले, एफएसएल और डॉग स्क्वायड की मदद ली। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदेह होने पर आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। उन्होंने जुर्म करना कबूल कर लिया है।

गाड़ी पंचर होने का बनाया बहाना

पुलिस ने बताया कि आरोपी सचिन ने 05 नवंबर की रात्रि साढ़े 11 बजे रमेश हांके को फोन लगाया और गाड़ी पंचर होने की बात कहीं। रमेश जब घर से बाहर निकले तब दोनों ही आरोपी सुनियोजित तरीके से घर में घुसे जहां उन्होंने सबसे पहले पुष्पकला हांके का चाकू से गला काट दिया और इसके बाद जब रमेश घर लौटे तो उनकी भी गला काटकर हत्या कर दी। दरअसल, पुलिस जांच में यह सामने आया था कि आरोपियों ने घर में प्रवेश करने के लिए किसी भी प्रकार की तोड़फोड़ नहीं थी। यहीं से पुलिस को संदेह हुआ कि वारदात को किसी करीबी ने ही अंजाम दिया है और पुलिस इसी आधार पर जांच कर रही थी। 24 घंटों के भीतर पुलिस को इसमें सफलता भी मिल गई।

इनका रहा योगदान

इस हत्याकांड का खुलासा करने के लिए 12 टीमें बनाई गई थी जिसमें एफएसएल अधिकारी गौतमा मेश्राम, थाना प्रभारी कटंगी धमेन्द्र कुशराम, उपनिरीक्षक कमलेश यादव, छत्रपाल सिंह, दीपक गौतम, तरुण चौहान, पवन यादव, सहायक उप निरीक्षक सतीश गेडाम, दादूराम पटले, प्रधान आरक्षक प्रशांत चौधरी, आरक्षक आलोक बिसेन, नीरज सनोडिया, विमलेश सिसोदिया, सुमित यादव, हेमंत बघेल, लक्ष्मी प्रसाद बघेल, विकास तोमर, गौतम बघेल, थानसिंह पटले का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

स्व. रमणीकलाल त्रिवेदी दर्शक दीर्घा का हुआ लोकार्पण

100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर, नेहरू स्पोर्टिंग क्लब ने किया खिलाड़ियों का सम्मान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हॉकी इंडिया के स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर नेहरू स्पोर्टिंग क्लब बालाघाट द्वारा शहीद चंद्रशेखर एस्ट्रोटर्फ हॉकी ग्राउंड में भव्य समारोह का आयोजन किया गया।इस अवसर पर लगभग 30 लाख रुपये की लागत से निर्मित स्व. रमणीकलाल त्रिवेदी दर्शक दीर्घा का लोकार्पण कलेक्टर मृणाल मीणा, पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा एवं अन्य मुख्य अथितियों के आथित्य में किया गया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने जिले के वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ियों का शॉल और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया। साथ ही महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों के बीच एक रोमांचक हॉकी शो मैच भी आयोजित किया गया, जिसमें दर्शकों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

नेहरू स्पोर्टिंग क्लब के अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी ने बताया कि आज का दिन हॉकी के इतिहास में ऐतिहासिक है। हॉकी इंडिया के सौ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिले के उन वरिष्ठ खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपने प्रदर्शन से बालाघाट का नाम प्रदेश और देश में गौरवान्वित किया है। उन्होंने बताया कि उनके पिता स्वर्गीय रमणीकलाल त्रिवेदी की स्मृति में स्टेडियम में दर्शक दीर्घा निर्मित की गई है, जिसे युवा कल्याण एवं खेल विभाग को समर्पित किया गया है। कलेक्टर मृणाल मीणा ने कहा कि बालाघाट जैसे छोटे जिले में खेलों के प्रति रुचि और सक्रियता सराहनीय है। यहां का टर्फ ग्राउंड राष्टीय स्तर का है, जिसकी देखरेख और संरक्षण खिलाड़ियों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि दिसंबर माह में जिले में एक बड़े हॉकी टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा, जिससे खिलाड़ियों को और अधिक अवसर प्राप्त होंगे। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने कहा कि बालाघाट के खिलाड़ी भाग्यशाली हैं कि उन्हें नेशनल लेवल के टर्फ मैदान की सुविधा प्राप्त है। उन्होंने कहा कि समर्पण और अनुशासन से ही सफलता हासिल की जा सकती है। उन्होंने युवा खिलाड़ियों से आग्रह किया कि वे अपने वरिष्ठों से सीखें और मैदान को अपनी कर्मभूमि मानते हुए उसकी देखभाल करें। कार्यक्रम में हॉकी खेल के वरिष्ठ खिलाड़ियों ऋषभदास वैद्य, टीकाराम सौलखे, प्रमोद तिवारी, मोती कोचर, रमेश दीक्षित, विजय वर्मा, पूरन सिंह भाटिया, प्रतिपाल सिंह सौंधी, अजय वर्मा, राजकुमार शांडिल्य, अंसार खान, राजेश सेवईवार, रमेश उके, फिरोज खान, गोपाल धुर्वे सहित अन्य खिलाड़ियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर विजय वर्मा, विशाल बिसेन, प्रमोद नेमा, हीरासिंह भाटिया, गोपाल वर्मा, संदीप नेमा, ब्रजेश मिश्रा, केदार ठाकरे, इंदू कावरे, संजय शुक्ला, सत्यम वर्मा, दिलीप राजपूत सहित बड़ी संख्या में खेलप्रेमी एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सुशील वर्मा ने किया ।

वेस्ट जोन कराते प्रतियोगिता के लिए कराते टीम नासिक रवाना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले का गौरव बढ़ाने के उद्देश्य से बालाघाट कराते एवं फिटनेस एकेडमी टीम के खिलाड़ी 7 नवंबर को नासिक के लिए रवाना हुई। यह टीम आगामी 5वीं वेस्ट जोन कराते प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेगी और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेगी। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 8 से 9 नवंबर तक नासिक संभागीय खेल परिसर, नासिक (महाराष्ट्र) में आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता में देश के पश्चिमी क्षेत्र के विभिन्न राज्यों की टीमें भाग लेंगी। एकेडमी के मुख्य प्रशिक्षक राकेश वरकड़े ने बताया कि बालाघाट जिले से कुल तीन खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए चयनित हुए हैं। इन खिलाडि़यों में गर्व बनवाले, हर्षिल वर्मा और लक्की चौरागड़े शामिल हैं। टीम का नेतृत्व कोच सेन्साई राकेश वरकड़े स्वयं कर रहे हैं। प्रशिक्षक वरकड़े ने बताया कि खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता की तैयारी के लिए कड़ी मेहनत और निरंतर अभ्यास किया है। उन्होंने विश्वास जताया कि बालाघाट के ये खिलाड़ी अपने दमदार प्रदर्शन से न केवल जिले, बल्कि पूरे मध्यप्रदेश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए गर्व का क्षण है कि बालाघाट के युवा खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर अपना हुनर दिखाने जा रहे हैं। कराते जैसे खेल से युवाओं में आत्मविश्वास, अनुशासन और समर्पण की भावना का विकास होता है। प्रतियोगिता में जिले के खिलाड़ियों के चयन को लेकर खेल प्रेमियों और अभिभावकों में उत्साह का माहौल है। सभी ने टीम को शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन कर जिले का गौरव बढ़ाएंगे।

पंजीयन की तिथि समाप्त, सैकड़ों किसान हुए मायूस

लालबर्रा-खमरिया जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के 17 समितियों के छूटे किसानों ने पंजीयन की तिथि पुनः बढ़ाने की मांग की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

मध्यप्रदेश में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य में धान खरीदी के लिए पूर्व में पंजीयन की अंतिम तिथि 10 अक्टूबर थी, जो समाप्त हो चुकी थी। वहीं पंजीयन की तिथि बहुत कम समय के लिए निर्धारित होने, सेवा सहकारी समितियों के कर्मचारियों के हड़ताल पर चले जाने एवं प्रसार-प्रसार नही होने के कारण सैकड़ों किसान पंजीयन करवाने से छुट गये थे। जिसके बाद किसान सेवा सहकारी समितियों में पहुंचकर पंजीयन करवाने की मांग शासन-प्रशासन से कर रहे थे ताकि वे समर्थन मूल्य में अपनी उपज बेच सके। पंजीयन से वंचित किसानों की समस्या को लेकर विभिन्न किसान संगठन एवं अखबारों के माध्यम से समाचार प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद शासन के द्वारा पंजीयन की तिथि 1 नवंबर से 6 नवंबर तक बढ़ाई गई थी और इन छः दिनों में उन्ही किसानों का पंजीयन किया गया है। जिनकी सूची सेवा सहकारी समिति के माध्यम से प्रशासन को भेजी गई थी। लेकिन बहुत से किसान जानकारी के अभाव में पंजीयन से वंचित हो चुके है। इस तरह से बढ़ाये गये पंजीयन की अंतिम तारीख 6 नवंबर थी और कम समय होने एवं जिनकी सूची भेजी गई थी ऐसे ही किसानों का पंजीयन हुआ है। जिनकी जानकारी नही भेजी गई थी उनका पंजीयन नही हुआ है। जिसके कारण लालबर्रा एवं खमरिया जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अंतर्गत आने वाली 17 सेवा सहकारी समितियों के सैकड़ों किसान पंजीयन से अब भी छुट गये है और पंजीयन नही होने से परेशान है। जिनके द्वारा सेवा सहकारी समितियों में पहुंचकर पंजीयन हेतु गुहार लगा रहे है किन्तु उनकी कोई सुनवाई नही रही है। वहीं जिन किसानों ने पंजीयन के लिए दस्तावेज जमा किये है उनकी जानकारी समिति प्रबंधकों के द्वारा प्रशासन को भेज दी गई है। जिसमें लालबर्रा जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अंतर्गत आने वाले 9 समितियों के 307 किसान एवं खमरिया समिति के अंतर्गत आने वाले 8 समितियों के करीब आधा सैकड़ा किसान शामिल है। अगर शासन के द्वारा पुनः पोर्टल शुरू किया जाता है तो पंजीयन होगा नही तो वे पंजीयन से वंचित हो सकते है जिससे वे समर्थन मूल्य का लाभ भी नही ले पायेगें। वहीं किसानों का कहना है कि सेवा सहकारी समितियों के कर्मचारियों के हड़ताल पर चले जाने, पंजीयन का समय निर्धारित होने एवं प्रचार-प्रसार के अभाव में किसानों का पंजीयन नही हुआ है। इसलिए शासन-प्रशासन को पुनः पंजीयन की तिथि बढ़ाना चाहिए ताकि अधिक किसान पंजीयन करवाकर समर्थन मूल्य का लाभ ले सके।

17 समितियों मे 15759 किसानों ने करवाया पंजीयन

आपकों बता दे कि लालबर्रा क्षेत्र के किसान खरीफ सीजन में धान की फसल लगाते है और प्रतिवर्ष सरकार किसानों की उपज को समर्थन मूल्य में खरीदी करती है। लेकिन इस वर्ष पंजीयन हेतु प्रचार-प्रसार नही किया गया एवं कम समय के लिए पंजीयन की तिथि निर्धारित की गई थी और पंजीयन की पुर्व में अंतिम तारीख 10 अक्टूबर था। जिसके बाद पुनः 6 दिन के लिए पंजीयन की तिथि बढ़ाई गई थी। लेकिन इस तिथि में उन्ही किसानों का पंजीयन किया गया है जिसकी जानकारी समिति के माध्यम से प्रशासन को भेजी गई थी लेकिन इनमें से भी कही किसानों ने पंजीयन नही करवा पाये है जिससे वे परेशान है। वहीं जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली 9 सेवा सहकारी समितियों के 9193 एवं खमरिया जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अंतर्गत आने वाले 8 समितियों के 6566 किसान यानि 17 सेवा सहकारी समितियों के 15759 किसानों ने ही पंजीयन करवाये है और सैकड़ो किसान अब भी पंजीयन नही करवा पाये है। जिनके द्वारा शासन-प्रशासन से पंजीयन की तिथि पुनः बढ़ाकर छुटे सभी किसानों का पंजीयन करवाकर समर्थन मूल्य का लाभ दिलवाने की मांग की जा रही है। अब देखना है कि सरकार छुटे किसानों का पंजीयन के लिए पोर्टल शुरू करती है या नही। अगर छुटे किसानों का पंजीयन नही हुआ तो वे समर्थन मूल्य के लाभ से वंचित हो सकते है।

दस्तावेज जमा करने के बाद भी नहीं हो पाया पंजीयन - जितेंद्र

जितेंद्र पंचेश्वर ने बताया कि समर्थन मूल्य में धान उपज विक्रय करने के लिए पंजीयन की तिथि 1 से 6 नवंबर तक बढ़ाई गई थी और जो किसान पंजीयन से छुट गये थे। ऐसे किसानों से दस्तावेज समिति के द्वारा जमा करने कहा गया था और हमने जमा भी कर दिये लेकिन पंजीयन की तिथि समाप्त हो जाने के बाद भी हमारा पंजीयन नही हो पाया है। ऐसी स्थिति में हम लोग समर्थन मूल्य के लाभ से वंचित हो जायेगे। श्री पंचेश्वर ने बताया कि लालबर्रा बहुउद्देशीय सहकारी समिति के अंतर्गत आने वाले ग्राम के बहुत से किसानों का पंजीयन नही हो पाया है, शासन से मांग है कि पंजीयन की तिथि पुनः बढ़ाकर सभी किसानों का पंजीयन करें ताकि किसान अपनी उपज समर्थन मूल्य में विक्रय कर सके।

आधे किसानों का नही हुआ है पंजीयन - यशवंत

यशवंत पंचेश्वर ने बताया कि समर्थन मूल्य में धान खरीदी करने के लिए शासन के द्वारा किसानों का पंजीयन किया गया है, अक्टूबर माह में पंजीयन करने समिति पहुंचे तो कहा गया कि तिथि समाप्त हो गई है, पंजीयन की तिथि बढ़ने पर जानकारी दे दी जायेगी। पंजीयन की तिथि बढ़ने पर 1 नवंबर को जब समिति पहुंचे तो आवश्यक दस्तावेज जमा करने कहा गया, लेकिन पंजीयन नही हो पाया है। समिति के जिम्मेदारों का कहना है कि आप लोगों की जानकारी शासन को भेज दी गई है, लेकिन पंजीयन होगा या नही इसकी स्पष्ट जानकारी नही दे रहे है। श्री पंचेश्वर ने बताया कि सेवा सहकारी कर्मचारियों के हड़ताल पर चले जाने, पंजीयन की तिथि कम समय में समाप्त हो जाने एवं प्रसार-प्रचार के अभाव के कारण 50 प्रतिशत (आधे) किसानों का पंजीयन नही हो पाया है, किसान परेशान है।

307 किसानों की जानकारी भेज दी गई है - लिल्हारे

जिला सह. केन्द्रीय बैक लालबर्रा पर्यवेक्षक डीके लिल्हारे ने बताया कि 8 सेवा सहकारी समिति को पंजीयन केन्द्र बनाया गया था जिसमें 10 अक्टूबर तक 9005 किसानों ने पंजीयन करवाये थे एवं तिथि बढ़ने पर 188 किसानों का पंजीयन हुआ है। इस तरह से 9193 किसानों ने समर्थन मूल्य में उपज विक्रय करने के पंजीयन करवाये है। श्री लिल्हारे ने बताया कि 1 से 6 नवंबर तक जिन किसानों की सूची प्रशासन को भेजी गई थी उन्ही का पंजीयन हुआ है, उसके अलावा अन्य किसानों का नही हुआ है। 9 सेवा सहकारी समिति क्षेत्र के 307 किसान पंजीयन करने से छुट गये है जिनकी जानकारी उच्चाधिकारियों को दे दी गई है।

एनईपी 2020 पाठ्यक्रम और विषय चयन के लिए कार्यशाला का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार गत 27 अक्टूबर से 8 नवंबर तक प्रतिदिन सभी महाविद्यालयों में एनईपी प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। इसी कार्यक्रम के तहत लालबर्रा स्थित शासकीय महाविद्यालय में 7 नवंबर को प्रभारी प्राचार्य डॉ. संगीता मेश्राम की अध्यक्षता में वर्चुअल कक्ष क्रमांक 2 में कक्षा बी.ए/बी.एस.सी एवं एम.ए प्रथम वर्ष के नवप्रवेशित विद्यार्थियों हेतु एनईपी 2020 के पाठ्यक्रम तथा एमडीसी विषय के चयन हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। वहीं कार्यक्रम की ऑनलाइन निगरानी आयुक्त उ'च शिक्षा द्वारा आदेशित थी। जिसका प्रसारण कर ऑनलाइल गूगल मीट द्वारा सभी महाविद्यालयों द्वारा 'वाईन किया गया। जिसका प्रसारण व कार्यक्रम का आयोजन लालबर्रा महाविद्यालय में प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक किया गया। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम सहायक प्राध्यापक समाजशास्त्र के द्वारा एनईपी 2020 पाठयक्रम के उद्देश्य व विशेषताओं के बारे में समझाया गया तथा विद्यार्थियों को क्रेडिट सिस्टम में हुए बदलाव व एमडीसी विषय के चुनाव के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया। वहीं डॉ. देवराज चौरे सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र के द्वारा विद्यार्थियों को विषय चुनाव की गंभीरता और उसके जीवन पर दीर्घकालीक प्रभावों को समझाया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों का

कलेक्ट्रेट में किया गया राष्ट्रगीत वंदे मातरम का गायन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राष्ट्रगीत वंदे मातरम की 150 वीं वर्षगांठ पर शुक्रवार 07 नवंबर सुबह 9-30 बजे कलेक्ट्रेट कार्यालय बालाघाट में राष्ट्रगीत ' 'वंदे मातरम का गायन किया गया। इसमें कलेक्टर मृणाल मीना, सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल, अपर कलेक्टर जी एस धुर्वे, श्री डी पी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव, श्रीश प्यासी एवं अन्य विभागों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। इसके पश्चात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

अस्पताल में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' का हुआ सामूहिक गायन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में 7 नवंबर को वंदे मातरम् गीत का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मियों के द्वारा राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम् का सामूहिक गायन किया। जिसके बाद चिकित्सकों के द्वारा वंदे मातरम् गीत के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह भारत का राष्ट्रीय गीत है, जिसे बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने 7 नवंबर 1875 को अपने प्रसिध्द उपन्यास 'आनंद मठ' में लिखा था। जिसके बाद गुरूदेव रविन्द्रनाथ टैगोर ने 1896 के कोलकाता अधिवेशन में पहली बार इसे सार्वजनिक रूप से गाया था। साथ ही यह भी कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय एकता, त्याग व मातृभूमि के प्रति आभार की भावना को मजबूत करना था और वंदे मातरम् गीत देशवासियों के हृदय में राष्ट्र प्रेम की भावना जागृत करता है। यह केवल गीत नहीं, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वीरों की प्रेरणा का भी स्त्रोत है जिसका सभी को सम्मान करना चाहिए। इस अवसर पर डॉ. वैद्य, डॉ. धर्मेन्द्र गोहिया, जेके पंचेश्वर, रीतु उरकुड़े, अहिल्या मेश्राम, अनुराग चित्रीव, अनिता ब्रम्हे, यज्ञेश मिश्रा सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित

वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर विभिन्न कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार 7 नवंबर को राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर सामूहिक राष्ट्रीय गीत ' वंदे मातरम' गीत का सामूहिक गायन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय प्रभारी प्राचार्य डॉ. संगीता मेश्राम की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर प्रातः 9.30 बजे महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों के द्वारा सामूहिक वंदे मातरम गीत का गायन किया गया। जिसके बाद प्रातः 10 बजे से नई दिल्ली से माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को बताया गया कि इस राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित वंदे मातरम गीत स्वतंत्रता संग्राम के दौरान देशवासियों को एकता के सूत्र में बांधने में इस गीत की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वहीं वंदेमातरम बंकिमचंद्र चटर्जी द्वारा संस्कृत एवं बांगला मिश्रित भाषा में रचित एक गीत है। इस का प्रकाशन 1882 में उनकी उपन्यास आनंद मठ में अन्तर्निहीत गीत के रूप में हुआ। इस गीत के गायन से आम जनमानस में ऊर्जा का संचार होता है तथा राष्ट्रीय भाव जाग्रत होती है। यह गीत पूनरूत्थान की भावना का प्रतीक है जिसमें भारत को स्वतंत्रता के राह पर अग्रसर किया है। वहीं विद्यार्थियों के द्वारा गीत की भूमिका, सांस्कृतिक विरासत की तथ्यपरख एवं महत्वपूर्ण जानकारी से अवगत हुए विद्यार्थियों ो स्वदेशी अपनाने का संकल्प दिलवाया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रभारी प्राचार्य डॉ. संगीता मेश्राम, कार्यक्रम संयोजक डॉ. प्रदीप कुमार भिमटे, डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, डॉ. देवराज चौरे, श्रीमती संध्या भलावे, डॉ. ऋ षिकेश पटेल, नरेश सौलखे, मनीष शिवहरे, डॉ. आशीष बागडे., डॉ. कामाक्षा बिसेन, डॉ. आशा कारे, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, व्यंकटरमन नगपुरे, श्रीमती सरिता ऐड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, प्रशिक हुमनेकर, कु. सोनम हरिनखेड़े,

जाम के गरदेव चौक में छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम 10 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी दूर ग्राम पंचायत जाम स्थित गरदेव चौक में 10 नवंबर को दिन-रात के मेले का आयोजन किया गया है। चर्चा में मेला उत्सव समिति अध्यक्ष राजेश सराटे ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी कार्तिक पूर्णिमा के छटवें दिन मेले का आयोजन किया गया है और ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए 10 नवंबर को रात 9 बजे से छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें गायक-गायिका के द्वारा सुमधुर स्वरों में छत्तीसगढ़ी गीतों की प्रस्तुती दी जायेगी। इस अवसर पर मेला उत्सव समिति के अध्यक्ष राजेश सराटे, उपाध्यक्ष विनोद नगपुरे, सचिव उमेन्द्र नगपुरे, सहसचिव शिवकिशोर लिल्हारे, कोषाध्यक्ष मनोहर धामड़े, सहकोषाध्यक्ष चुन्नीलाल बागड़े, देवराम बनोटे, सदन धामड़े, अयफाज खान, नंदा लिल्हारे, दशाराम बनोटे, कृष्णा, सुरेश शाकुरे, भजन, तुलसीराम बनोटे, राजन धामड़े, नान्हु लिल्हारे, पीतम मुंजारे, दुलीचंद बनोटे, दिनेश शाकुरे, लिखीराम धामड़े, बसंत शाकुरे, अशोक कावड़े, प्रताप ठाकरे, अंजीलाल नगपुरे, भजन नगपुरे, राजकुमार हिरापुरे, धर्मराज, धामड़े, ग'जू सराटे, महेश बनोटे, पंकज यादव, केडी लिल्हारे, रमेश बनोटे, जितेन्द्र धामड़े, विकास ठाकरे, रवि बसेने, पंकज पटले, सागर लिल्हारे, अमित लिल्हारे, दीपक बागड़े, राजू बागड़े, राहुल शाकुरे, मोहित शाकुरे, अजय नगपुरे, शीतल नगपुरे, गणेश धामड़े, रवि धामड़े, राकेश लिल्हारे, रविन्द्र कावड़े, दीपक तिवड़े, सचिन लिल्हारे, अभिशेष नगपुरे, सज्जू खान, बाहुबली मनीष कारे, राहुल नांदने, अभिषेक सहारे, मनिराम बागड़े, भोलाराम बागड़े, सावन बागड़े, विशाल चांदेकर, कोमल नगपुरे, सुनिल लिल्हारे, सुरेश बनोटे, दिनेश बनोटे सहित ग्रामीणजनों ने की है।

टोंडिया नाले पर उच्चस्तरीय पुल निर्माण की मांग

लालबर्रा रोड़ पुलियां हर बारिश में डूबने से हो रही समस्या से लोग आक्रोशित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

नगर के वारासिवनी लालबर्रा मार्ग के अंतिम छोर पर पढ़ने वाले टोंडियां नाला के पुलियां के स्थान पर उच्च स्तरीय पुल निर्माण करने के लिए लंबे समय से क्षेत्र वासियों के द्वारा गुहार लगाई जा रही है। किंतु वर्तमान तक किसी भी जिम्मेदार अधिकारी के द्वारा उक्त विषय पर ध्यान नहीं दिया गया है। जिसका परिणाम है कि उक्त पुलियां हर बारिश में डूबने से राहगीरों सहित क्षेत्रवासियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। यह स्थिति पिछले कई वर्षों से बनी हुई है जबकि लोगों के द्वारा सड़क निर्माण के दौरान उक्त पुलियां को ऊंचा बनाए जाने की मांग की गई थी। किंतु तत्कालीन समय में इस पर किसी ने गंभीरता नहीं दिखाई और ना ही इसके बाद कोई प्रयास किया गया। जिसके कारण स्थिति यथावत बनी हुई है ऐसे में क्षेत्र के लोगों के साथ किसानों को इस पुलियां के कारण जल भराव जैसी स्थिति का सामना प्रतिवर्ष करना पड़ रहा है। जिसको लेकर लोगों में काफी आक्रोश व्याप्त है उनके द्वारा उच्च स्तरीय पुल निर्माण करने की मांग शासन प्रशासन से की है।

महानगरों को जाने वाले मुख्य मार्ग पर स्थित है पुलियां

नगरीय क्षेत्र से इकलौता मार्ग लालबर्रा का है जो नगर को जबलपुर, भोपाल, इंदौर जैसे महानगरों से सीधा जोड़ता है। जहां से प्रतिदिन पब्लिक ट्रांसपोर्ट की सेवाएं संचालित होती है। ऐसे में नगर के अंतिम छोर पर ग्राम पंचायत मुरझड़ के प्रारंभ में यह पुलियां बना हुआ है। जहां हर बारिश में सभी जगह का पानी नाले के माध्यम से उतरकर सीधा चंदन नदी में मिलता है। ऐसे में बारिश में कई बार पानी पुलियां पर चढ़ जाता है और २ दिन तक बाढ़ की स्थिति बनी रहती है। ऐसे में आवागमन का यह मार्ग पूरी तरह बंद हो जाता है तो वहीं लोगों को कई परेशानियों का सामना भी करना पड़ता है। इस दौरान बड़े पब्लिक ट्रांसपोर्ट यात्री वाहन स्वयं के वाहन दूसरे मार्गो से आना जाना प्रारंभ कर देते हैं। किंतु उक्त मार्ग पर स्थित क्षेत्रवासी किसान एवं मजदूरों को बड़ी समस्या हो जाती है कि वह आना जाना नहीं कर पाते हैं। तो वहीं कई बार लोगों को जान जोखिम में डालकर पुलियां पार करना पड़ता है। हालांकि इस दौरान पुलिस व्यवस्था लगा दी जाती है फिर भी यह स्थिति कई बार देखने को मिलती है। उक्त मार्ग का निर्माण बीते कुछ वर्षों पूर्व किया गया था उस समय भी ग्रामीणों के द्वारा पुलियां की ऊंचाई बढ़ाने की मांग की गई थी किंतु उस समय लोगों की मांग अनसुनी कर दी गई थी। इसके बाद से लगातार जलभराव की स्थिति उक्त पुलियां पर होती है जिससे लोगों को परेशान होना पड़ता है। इस जल भराव में सबसे ज्यादा नाले किनारे स्थित किसानों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। क्योंकि उनके खेतों में पानी भर जाता है जो कई दिनों तक जमा रहने से फसल को भी नुकसान पहुंचता है। कई बार लोगों की लगाई हुई फसल बह या गल गयी है जिसका उन्हें मुआवजा भी प्राप्त नहीं हो पता है। ऐसी कई प्रकार की समस्या विभिन्न लोगों के साथ बनती है जिनके द्वारा शासन प्रशासन से पुलियां की ऊंचाई बढ़ाने या उच्च स्तरीय पुल का निर्माण करने की मांग की जा रही है। ताकि आवागमन निरंतर चलता रहे वहीं पानी निकासी भी बेहतर तरीके से हो सके और बाढ़ जैसे हालात निर्मित ना हो।

महानगरों में जाने का एक मात्र रास्ता है जो प्रशासन को ध्यान देना चाहियें- मुकुंद

मुकुंद दुबे ने बताया कि यह मार्ग बहुत महत्वपूर्ण है यहां से भोपाल ,जबलपुर के लिए सीधा रास्ता जाता है। नगरीय क्षेत्र का यह एकमात्र रास्ता है जिसमें बारिश के समय कई बार दिक्कत उत्पन्न होती है। पुलियां पूरा पानी से भर जाता है ऊपर से पानी जाता है तो रास्ता बंद हो जाता है आने जाने वालों को बहुत तकलीफ होती है। कई मर्तबा शासन को इस तरफ ध्यान आकर्षण करवाया गया है किंतु प्रशासन के द्वारा आज तक कोई व्यवस्था बनाने का कार्य यहां पर नहीं किया गया है। ऐसे में सबसे बड़ी दिक्कत आपातकाल वालों के साथ होती है कि वह जरूरत पर शासकीय कार्यालय जैसे अस्पताल तक नहीं आ पाते हैं भगवान भरोसे उन्हें रहना होता है। इसके अलावा कोई रास्ता भी नहीं है यहां पर हमेशा कोई ना कोई दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। शासन को इस पर गंभीरता से ध्यान देते हुए व्यवस्था बनानी चाहिए ताकि लोगों के साथ होने वाली जनहानि की संभावनाओं को खत्म किया जा सके।

पुलियां उंचा नही होने से बारिश में आवागमन होता होता बाधित- सुरेश

सुरेश बिसेन ने बताया कि यह जो पुलियां है इस पर सबसे बड़ी समस्या बारिश के समय होती है कि पानी भरने से आना जाना बंद हो जाता है। थोड़ा सा भी पानी आता है तो यह पुलियां के ऊपर से पानी जाने लगता है आना जाना बंद होने में कई दिक्कत उत्पन्न होती है। सबसे बड़ी समस्या ग्रामीण क्षेत्र के मजदूरों को होती है जो प्रतिदिन शहरी क्षेत्र में स्थित विभिन्न उपक्रम या संयंत्रों में कार्य करने के लिए जाते हैं। जहां से वापस आते समय नाला पैक हो जाता है या काम पर जाते समय नाला पैक मिलता है। आपातकाल में लोग तुमाड़ी ,सरंडी बंद हो जाते हैं क्योंकि यह प्रमुख पुलियां है यह लालबर्रा रोड है। इसमें आधा दर्जन से अधिक ग्राम के लोग खमरिया तक के मजदूरी करने या खरीदी करने के लिए वारासिवनी आना जाना करते हैं। ऐसे में यह जो पुलियां है इसकी जगह ऊंचा पुल बनना चाहिए।

केशव विद्यालय में मनाई गई गुरूनानक जयंती

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। केशव इग्लिंश उ. मा. वि. में गुरूनानक देव जी की जयंती धूमधाम से मनाई गई। सर्वप्रथम अधीक्षक जितेन्द्र टेंभरे के द्वारा कार्यक्रम का प्रारंभ गुरूनानक देव जी के छायचित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रवज्जलन के साथ हुआ। विद्यालय की शिक्षिका सुश्री अंजली चौरागड़े के द्वारा गुरूनानक देव जी के जीवन पर प्रकाश डाला गया और कई उदाहरणों के माध्यम से उनकी शिक्षा व उपदेश को बताया गया। विद्यालय के प्राचार्य प्रदीप शर्मा ने बताया कि गुरू परम्परा और गुरूनानक देव जी के बताये मार्ग पर चलने का आव्हान किया गया। बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। इस कार्यक्रम को सफ ल बनाने में रविशंकर पटले, वंदना वराड़े, सत्यम् सोनी, रश्मी भारती, स्वांगी कोटागलें, तृप्ती बिसेन, आदर्श वासनिक सहित सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का विशेष योगदान रहा।

भारत स्काउट गाइड के ७५ वें स्थापना दिवस का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नेवरगांव वॉ के तत्वाधान में ७ नवम्बर को भारत स्काउट गाइड के ७५ वें स्थापना दिवस का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम शिक्षकों सहित विद्यार्थियों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें सभी शासकीय माध्यमिक शाला परिसर में एकत्रित हुए जहां पर नियम अनुसार भारत स्काउट गाइड की कार्यवाही करते हुए सर्वधर्म प्रार्थना का आयोजन किया गया। वहीं इस दौरान वंदे मातरम गीत की १५० वीं वर्षगांठ की जानकारी देकर शपथ ग्रहण करवा कर सामूहिक वंदे मातरम गीत का गायन किया गया। इस दौरान उपस्थित छात्र छात्राओं को भारत स्काउट गाइड स्थापना दिवस के बारे में बताया गया कि किन उद्देश्यों को लेकर किनके द्वारा इसकी स्थापना की गई थी। किस प्रकार यह लोगों के जीवन में सहायक होता है वहीं वंदे मातरम जो हमारा राष्ट्रीय गीत है वह किसके द्वारा लिखा गया । कब लिखा गया किस प्रकार यह हमारा राष्ट्रीय गीत बना इसके बारे में भी विस्तार पूर्वक उपस्थित जनों को बताया गया । इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य श्रीमती ऊषा देशमुख ,प्रभारी प्रधानपाठक गाइड कैप्टन श्रीमती नीता बोपचे ,गाइड कैप्टन श्रीमती लक्ष्मी विष्णु पटले ,स्काउट आरिफखान, श्रीमती माणिक देशपांडे ,श्रीमती वंदना डोंगरे सहित अन्य शिक्षक शिक्षिकाएं एवं छात्र.छात्राएं उपस्थित रहे।

भाजपा सरकार किसानों के साथ कर ही छल कपट-विवेक

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी खैरलांजी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम धानीटोला,खरडडी में मंडई का आयोजन किया गया। इस दौरान विधायक पटेल ने कहा की जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी तब डीजल पेट्रोल का रेट पचास रूपये लीटर था। महिलाओं को गैस सिलेंडर पांच सौ रूपये में मिलता था मगर अब महगाई चरम पर पहुँच चुकी है। अब भाजपा का कोई नेता महगांई को लेकर सड़क पर नहीं उतरता है,उन्हें महगांई नहीं दिखाई दे रही है। चुनाव के पूर्व भाजपा के जनप्रतिनिधियों ने घर घर जाकर किसानो से वादा किया था की हमारी सरकार बनते ही हम किसानो की धान को इकत्तीस सौ रूपये में खरीदेंगे। अब वे अपना वादा भूल गए है,इस वर्ष फसल अच्छी हुई थी मगर फसल में करपा और किटनाशक बीमारियां लग गई। वहीं अचानक हुई बारिश ने भी फसल को पूरी तरह नस्ट कर दिया है। सरकार को किसानो की कोई चिंता नहीं हैं अभी तक सर्वे शुरू नहीं हुआ। हमारे किसानो कर्ज लेकर खेती करता है और वही मुनाफे से अपने परिवार का जीवन यापन और बच्चों को पढ़ाता है। सरकार से यहीं मांग करते हैँ अपने वादो को पूरा करें और किसानो की नष्ट हुई फसलों का सर्वे करवाकर उन्हें जल्द मुआवजा राशि प्रदान करें। इस दौरान पीतांबर नागेश्वर, महेंद्र राणा, अशोक मरार, राजकुमार चौधरी,मोतीराम पंचेश्वर सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

वंदे मातरम के १५० वर्ष राष्ट्रीय जागरण के अमर गान के संबंध में कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के निर्देशानुसार शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्यालय में ७ नवबंर को महाविद्यालय के प्राचार्य एस एस गेड़ाम के मार्गदर्शन एवं कृष्णा पराते कार्यक्रम अधिकारी के नेतृत्व में वंदे मातरम के १५० वर्ष राष्ट्रीय जागरण के अमर गान के संबंध में कार्यक्रम वंदे मातरम गीत के साथ प्रारंभ किया गया। विकास साहू क्रीडा अधिकारी के द्वारा वंदे मातरम के १५० वर्ष राष्ट्रीय जागरण के अमर गान के अन्तर्गत राष्ट्र गीत और स्वतंत्रता संग्राम के एतिहासिक वर्णन एवं देश भक्ति की भावना के साथ प्रत्येक युवा को भारत की स्वतंत्रता की राह पर अग्रसर हेतु प्रेरित किया गया। महाविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि वन्दे मातरम् मात्र एक गीत ही नही बल्की भारत के आत्मसम्मान, स्वाधीनता और मातृभूमि के प्रति असीम भक्ति का घोष है और इस गीत ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को दिशा दी तथा देश वासियों को एक सूत्र में बांधा। इसी गीत ने विदेशी शासन के विरूद्ध संर्घष हेतु भारतीय जनमानस को जागृत करने का कार्य किया। कार्यक्रम में दिपेश उंदिरवाड़े, निकिता मेश्राम, राजकुमार शेण्डे, प्रिति लांजेवार, गौरव टेंभरे, डाली ठाकरे सहित अन्य संकायो के छात्र छात्राएँ उपस्थित रहे।

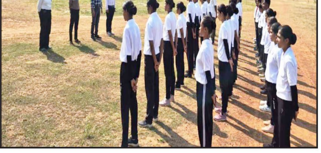

क्षेत्र का विकास ही हमारी पहली प्राथमिकता रही है-प्रदीप

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम बुदबुदा के धानीटोला, घोटी व किन्ही में मंडई के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान पूर्व मंत्री प्रदीपव जायसवाल ने कहा की गाँव के निवासियों के बीच भाईचारे, आपसी सहयोग और सद्भाव की भावना ही सांकृतिक कार्यक्रमों का उद्देश्य रहता है । यह एकता सामुदायिक जीवन, त्योहारों और धार्मिक आयोजनों में प्रकट होती है, जहाँ लोग एक दूसरे का समर्थन करते हैं और समस्याओं का मिलकर समाधान करते हैं। श्री जायसवाल ने कहा कि अब तो हमारा आठवां पूल बुदबुदा नदीटोला का निर्माण कार्य पूर्ण होते भी आ गया है। सबसे अधिक धार्मिक कार्यक्रम यंहा आयोजित होने के कारण हमारी घोटी संस्कारो की पाठशाला है। जिले का सबसे बड़ा पुल घोटी धापेवाड़ा और हाइवे समान सड़क जब यंहा बनकर तैयार हो जाएगी तब सभी की आंखे चौधियाने सी लगेगी। हमने ड्राइंग के माध्यम से इस क्षेत्र का विकास सोच समझकर किया है। इस दौरान हंसराज कावरे ,मनोज दांदरे , मोतीराम पंचेश्वर, पीताम्बर नागेश्वर, सिरसाथे,नन्दू आचरे,संजय फुलबान्धे,अनीश मिश्रा ,प्रकाश उइके , राजेश शिवहरे ,नकुल लिल्हारे , आलोक पशीने, हेमंत पशीने ,सुभाष पटले ,नरेंद्र ठकरेले , तिवारीलाल लिल्हारे,अनिल बनोटे,विजय खजरे,युवराज कावरे,दुर्गाप्रसाद लिल्हारे,देवाजी पंचेश्वर, कृष्ण लिल्हारे, अजबलाल लिल्हारे, नन्दकिशोर कावरे, दिनाजी बाहेश्वर, रामविलास खरे,रमेश डोंगरवार,सुनील बांगरे मौजूद रहे।

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

संपादकीय

होड़ का हासिल

इससे ससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि माता-पिता यह चाहते हैं कि उनका बच्चा पढ़ाई-लिखाई पूरी कर जिंदगी में ऊंचा मुकाम हासिल करे, लेकिन इसके लिए जो दबाव की स्थितियां पैदा की जाती हैं, उसमें कई बच्चों की जिंदगी तक छिन जाती है। पिछले कुछ सालों से यह हकीकत लगातार सामने आ रही है कि इंजीनियरिंग या चिकित्सा की पढ़ाई करने के लिए बच्चों का दाखिला राजस्थान के कोटा जैसे कुछ खास शहरों में कराया जाता है, मगर वहां उपजे दबाव को नहीं सह पाने की वजह से कई बच्चे आत्महत्या तक कर ले रहे हैं। ऐसी घटनाओं में इजाफे ने हर तरफ चिंता पैदा की है, मगर आज भी बहुत सारे अभिभावक यह समझ पाने में नाकाम हैं कि अपना सपना पूरा करने निकले बच्चे आखिर क्यों मौत को चुन लेते हैं। इस मसले पर अब सुप्रीम कोर्ट ने भी चिंता जताई है कि वक्त के साथ ज्यादा सख्त होते प्रतिस्पर्धा के मानदंड के समांतर अभिभावकों की ओर से पैदा किए गए अत्यधिक दबाव को कई बच्चे नहीं झेल पाते हैं और आत्महत्या का रास्ता अख्तियार कर लेते हैं।

> हालांकि कोचिंग संस्थानों की हकीकत किसी से छिपी नहीं है और आए दिन वहां से बच्चों की आत्महत्या की घटनाएं सामने आती रहती हैं। इसके बावजूद ऐसे तमाम अभिभावक हैं, जो अपने बच्चों को चिकित्सक या इंजीनियर बनाने के लिए वहां पढ़ाई करने भेजते हैं।

अदालत की टिप्पणी एक याचिका पर सुनवाई के दौरान सामने आई, जिसमें तेजी से बढ़ते कोचिंग संस्थानों के विनियमन का अनुरोध किया गया है और विद्यार्थियों की आत्महत्या के आंकड़ों का हवाला दिया गया है। इसमें कोई संदेह नहीं कि मेडिकल या इंजीनियरिंग की शिक्षा के लिए उच्च शिक्षण संस्थानों में दाखिले के लिए जो पाठ्यक्रम तैयार किया गया है, उसकी जटिलता के मद्देनजर बच्चों को सामान्य से ज्यादा पढ़ाई करने की जरूरत पड़ती है। इसके लिए उनके अभिभावक वैसे कोचिंग संस्थानों में बच्चों का दाखिला कराते हैं, जिनके बारे में आम धारणा होती है कि वहां से पढ़ाई करने वाले विद्यार्थी आसानी से परीक्षा पास कर जाते हैं। मगर इसके बरक्स हाल के वर्षों में यह हकीकत भी सामने आई है कि इस क्षेत्र में बढ़ती भीड़ की वजह से कड़ी प्रतिस्पर्धा खड़ी हुई है, पैमाने ज्यादा सख्त हुए हैं। कोचिंग संस्थान अपनी छवि चमकाने की मंशा से विद्यार्थियों पर परीक्षा में खुद को सबसे बेहतर साबित करने के लिए जरूरत से ज्यादा दबाव डालते हैं। इसी दबाव से उपजे तनाव को कई बार कुछ बच्चे नहीं झेल पाते हैं और जिंदगी से हार जाते हैं।

हालांकि कोचिंग संस्थानों की हकीकत किसी से छिपी नहीं है और आए दिन वहां से बच्चों की आत्महत्या की घटनाएं सामने आती रहती हैं। इसके बावजूद ऐसे तमाम अभिभावक हैं, जो अपने बच्चों को चिकित्सक या इंजीनियर बनाने के लिए वहां पढ़ाई करने भेजते हैं। कई बार ऐसा भी होता है कि जिन बच्चों की रुचि किसी अन्य विषय में पढ़ाई करने की होती है, उन्हें भी उनके अभिभावक मेडिकल या इंजीनियरिंग की तैयारी करने भेज देते हैं। इस होड़ में शामिल अभिभावकों की ओर से उपजे दबाव और तनाव का सामना बच्चों को करना पड़ता है। कोचिंग संस्थानों की अव्यवस्था से लेकर उनके पढ़ाई के स्वरूप निश्चित रूप से कठघरे में हैं और उन्हें जिम्मेदारी से मुक्त नहीं किया जा सकता। मगर अपनी महत्त्वाकांक्षा का बोझ बच्चों से पूरा कराने की होड़ में शामिल अभिभावकों को क्या यह सोचने की जरूरत नहीं है कि इस होड़ का हासिल क्या है? किसी भी समस्या का हल निकालना तभी संभव हो पाता है, जब उसके मुख्य कारणों की पहचान कर ली जाती है। कोटा या कहीं भी पढ़ाई के क्रम में उपजे तनाव का बोझ अगर बच्चों की जिंदगी पर ही भारी पड़ रहा है तो अभिभावकों को यह सोचने की जरूरत है कि आखिर उनका चुनाव क्या है- बच्चों की जिंदगी या फिर ऐसी पढ़ाई, जो उन्हें जानलेवा तनाव के संजाल में झोंक दे!

नियमों से परे इंसानियत की सीख

जब मैं मध्यप्रदेश में राज्य सूचना आयुक्त था, तब एक बार मैंने एक अपर कलेक्टर स्तर के अधिकारी पर रू. 25,000 का दंड लगाया था। कई बार समन भेजे गए, लेकिन वह सुनवाई में उपस्थित नहीं हुए, और उन पर यह भी आरोप था कि उन्होंने आरटीआई आवेदक को जानकारी नहीं दी। एक दिन, अपीलों की सुनवाई चल रही थी। तभी अदालत कक्ष के दरवाज़े से एक दुबला-पतला, थका हुआ-सा व्यक्ति झाँकता दिखाई दिया। मैंने स्टाफ से कहा कि उन्हें अंदर भेजें।

वह धीरे-धीरे चलता हुआ आया और काँपते हाथों से एक आवेदन मेरे सामने रख दिया। उसमे जुर्माना माफ करने का अनुरोध लिखा था। मैंने उन्हें बैठने के लिए कहा। टूटते स्वर में उन्होंने बताया कि वह पार्किंसन बीमारी से जूझ रहा है और इलाज के कारण उन दिनों वह न सुनवाई में आ पाया, न ही ठीक से किसी कामकाज को संभाल पाया। मैंने पूछा, लेकिन आपको आरटीआई आवेदन मिला और अपने जानकारी नहीं दी तो आप पर पेनल्टी तो लगनी ही थी?

उसने कहा 'सर, मुझे तो ऐसा कोई आवेदन मिला ही नहीं।'

मैंने कहा, 'तो इसे साबित कैसे करेंगे?'

तो वह असमंजस में पड़ गया।

मैंने सुझाव दिया कि वह अपने कार्यालय से उस अवधि की इनवर्ड रजिस्टर की प्रतियां व्हाट्सएप पर मँगवा ले ताकि सच साफ हो जाए।

इसी बीच मेरे कोर्टरूम में बैठे एक वरिष्ठ लिपिक धीरे से बोले, 'सर, आरटीआई अधिनियम में अपने ही दंड आदेश पर दोबारा विचार करने का कोई प्रावधान नहीं है। आदेश तो विभागों में क्रियान्वयन के लिए भेजा भी जा चुका है।

मैं मुस्कुराया और कहा, 'सही है, समीक्षा का प्रावधान नहीं है। लेकिन क्या ऋ्रझ्ढ्र ष्ह्ल में कहीं लिखा है कि अगर गलती का पता चल जाए तो उसे सुधारा नहीं जा सकता? क्या इस आदमी को अब केवल इस तकनीकी वजह से हाई कोर्ट के चक्कर लगाने चाहिए? न्यायशास्त्र कहता है कि जहाँ न्याय की आवश्यकता हो, वहाँ उसे करने की शक्ति स्वत: निहित होती है।'

थोड़ी देर बाद इनवर्ड रजिस्टर की प्रतियां व्हाट्सएप पर आ गईं। साफ दिख रहा था आरटीआई आवेदन उसके कार्यालय तक पहुँचा ही नहीं था।

मैंने तुरंत आदेश लिखा पहले लगाया गया दंड निरस्त किया जाता है। हस्ताक्षर किए, और उसकी एक प्रति उसी समय उस व्यक्ति को दे दी।

वह उठकर खड़ा हुआ। उनके चेहरे पर एक हल्की सी मुस्कानज् और आँखों में आँसू की चमक।

उस पल एक बात बहुत गहराई से महसूस हुई कि कानून नियम बता सकता है,

पर न्याय दिल से लिया गया निर्णय होता है।

- राहुल सिंह, पूर्व सूचना आयुक्त,
मध्यप्रदेश सूचना आयोग, भोपाल

राष्ट्र-मंत्र वन्दे मातरम् के 150 साल

राष्ट्र-मंत्र वंदे मातरम् की प्रेरक जागरण यात्रा के 150 साल आज पूरे हो गए। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में इस प्रयाण गीत की अनन्य भूमिका है। चाहे उग्र क्रान्तिकारी हों अथवा गांधी मार्ग के अनुयायी आंदोलनकारी, सभी के लिए बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय का 7 नवंबर, 1875 को रचित वंदे मातरम् मातृभूमि के लिए बलिदान की अजस्र प्रेरणा रहा है। जन-जन में गहरी पैठ रखने वाले ऐसे समर-गीत की दूसरी मिसाल नहीं मिलती। इसमें अंतर्निहित तेज और ओज ही इसकी कालजयिता का आधार है। इसीलिए ब्रिटिश शासन काल में प्रतिबंध लगाने के बावजूद वंदे मातरम् गाया जाता रहा और इसके लिए आंदोलनकारी पुलिस के डंडे खाने से लेकर जेल जाने तक के लिए तत्पर रहते थे।

यशस्वी बांग्ला उपन्यासकार बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय का बहुचर्चित उपन्यास 'आनंदमठ' सन 1882 में प्रकाशित हुआ। आनंदमठ उपन्यास में वंदे मातरम् गीत का समावेश है। इसका कथानक बंगाल के सन्यासी विद्रोह पर बुना गया है। बंगाल का भीषण दुर्भिक्ष और उसके परिणामों की कथा आनंदमठ का प्रतिपाद है। उपन्यास का एक पात्र है भवानंद जो महेन्द्र के साथ निर्जन वन में चला जा रहा था। अचानक मौन भंग करने के लिए भवानंद गीत गाने लगे-

वन्दे मातरम्
सुजलाम् सुफलाम् मलयज शीतलाम्
शस्य श्यामलाम् मातरम् ।

महेन्द्र का मौन टूटा- माता कौन
भवानंद ने कोई उत्तर नहीं दिया, गाते रहे-
शुभ्र ज्योत्सनाम् पुलकित यामिनीम्
फुल्ल कुसमित द्रुमदल शोभिनीम्
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्
सुखदाम् वरदाम् मातरम्।
महेन्द्र बोले- यह तो देश है, माँ नहीं।

भवानंद कहते हैं- हम लोग दूसरी किसी माँ को नहीं मानते। जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी। हम कहते हैं जन्मभूमि ही माता है। हमारी दूसरी न कोई माँ है, न बाप, न भाई, न बंधु, न पत्नी, न पुत्र, न घर, न द्वार...।

बात महेन्द्र की समझ में आई, बोला- तो फिर गाओ।

वंदे मातरम् गीत मातृभूमि के प्रति समर्पण का उद्घोष है। मातृभूमि के लिए सब कुछ बलिदान कर देने का जीवट उपजाने वाला उद्घोष। इसका किसी धर्म अथवा देवी-देवता से कोई नाता नहीं। मातृभूमि से बड़ा कोई होता भी नहीं। इसीलिए तो यह आजादी का तराना बन गया। बंग-भंग आंदोलन के समय यही गीत सबसे बड़ी हुंकार बना था।

सन 1885 में रवीन्द्रनाथ टैगोर के परिवार की पत्रिका 'बालक' में

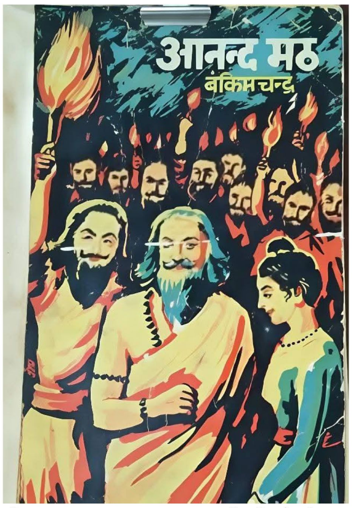

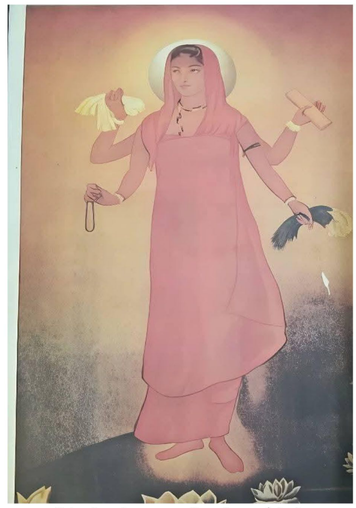

वंदे मातरम् का प्रकाशन हुआ। सन 1896 में कांग्रेस के कोलकाता अधिवेशन में पहली बार रवीन्द्रनाथ टैगोर ने वंदे मातरम् गाया था। उसके बाद के हर एक अधिवेशन की शुरुआत वंदे मातरम् गायन के साथ होने लगी। देखते ही देखते बंग भूमि में जन्मा वंदे मातरम् पूरे भारत का तराना बन गया। कांग्रेस के उग्रपंथी नेता विपिनचन्द्र पाल ने 'वंदे मातरम्' नाम का समाचारपत्र प्रकाशित किया। अरविंद घोष भी इससे जुड़े थे। इसी नाम का उर्दू अखबार लाहौर से प्रकाशित हुआ।

भाव-बोध की अधिष्ठात्री भारतमाता

स्वतंत्रता संग्राम के बीज मंत्र वंदे मातरम् से ही प्रेरणा मिली कि इस राष्ट्रगीत से भारत माता का जो शब्दचित्र उभरता है, उसे कैनवास पर उतारा जाए। उसमें रंग भरे जाएं। सन 1905 में अवनीन्द्रनाथ टैगोर ने भारतमाता की तस्वीर पहले-पहल उकेरी। अवनीन्द्रनाथ ने भगवा वस्त्र धारणी साधवी के रूप में भारतमाता को चित्रित किया। चार हाथों वाली माता जिनके एक हाथ में पुस्तक, दूसरे हाथ में धान की बाली, तीसरे हाथ में सफेद वस्त्र और चौथे हाथ में रूद्राक्ष की माला है। देवी स्वरूप में भारतमाता का यह चित्रण स्वतंत्रता सेनानियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया। तभी तो कवि ने गाया है- ' 'हे मातृभूमि तेरी जय हो ! सदा विजय हो !

- विजयदत्त श्रीधर,
वरिष्ठ पत्रकार, भोपाल

महज सूचना नहीं, संवेदना के सिरे से गायब

मानवीय संवेदना को महसूस करने की भाषा का यूँ मरना

बहुत सारे मसअलों पर हम फौरी तौर पर इसलिए नहीं लिखते कि हम उन मामलों के विशेषज्ञ होते हैं, हमारा उन पर गहन अध्ययन होता है, हम उन हालातों के बीच से गुज़रकर आए हैं या फिर सचमुच उन मामलों से सीधे तौर पर, भावनात्मक रूप से हमारा जुड़ाव होता है..हम इन मामलों पर यहां सोशल मीडिया पर इसलिए फौरी तौर पर अपनी प्रतिक्रिया जाहिर करते हैं क्योंकि हम खुद को एक सुरक्षित कोने में पाते हैं. हम रोज़ कुआं खोदने और रोज़ पानी पीने की मजबूरी से बाहर निकल आए हैं, हम दाल-रोटी की चिंता से मुक्त हो गए लोग हैं.

मेरी यह बात किसी पर आरोप नहीं बल्कि अपनी बनती, बदलती बल्कि मैं कहूंगा कि बिगड़ती मनोदशा पर नए सिरे से विचार करने के लिए है. नहीं तो क्या कारण है कि दिनभर में एक स्टोरी, राइट-अप पर आधा-आधा दिन खपाकर आए लोग दनादन लिखते चले जाते हैं ? हमारे भीतर वो कौन सी बेचैनी और दिमाग़ी स्तर की असुरक्षा घुस गयी है कि हम लगातार लिखते-बोलते जाते हैं और हमारी हर लिखावट में जाने-अनजाने, घोषित-अघोषित तरीक़े से एक खलनायक की तलाश जारी रहती है ? हम बिना इसकी तलाश में अब कुछ भी लिखने की स्थिति में बचे ही नहीं हैं. हमारे बीच से एक ज़मीन तेजी से खिसकती जा रही है और हमें लग रहा है कि अपनी प्रोफाईल मजबूत हो रही है, हमारी पहुंच बढ़ रही है और हमें पढ़ने-सुननेवालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है. हमारे दिमाग़ में यदि यह सब आ चुका है तो फिर हम समाचार चैनलों से किस स्तर पर गए बीते हो गए हैं ?

आतंक,हिंसा, मारकाट से जुड़ी ख़बरें, फ़िल्में और दूसरे कार्यक्रम जब हम टीवी या मोबाईल स्क्रीन पर अपने सुरक्षित कोने में बैठकर देखते हैं तो हमारे भीतर एक ख़ास तरह की संतुष्टि और सुख की अनुभूति होती है. यह बात भी मैं नहीं, सूसैन सोटेंग से लेकर कॉन जैसे मीडिया अध्येताओं ने विस्तार से की है. सुरक्षित कोने से बैठकर आंतक, हिंसा और असुरक्षा से जुड़ी सामग्री देखते हुए कई बार हम उस छोर पर खड़े होकर देखने और महसूस करने की स्थिति में शामिल नहीं होते जो उस हालात के भुक्तभोगी होते हैं. महज पहलगाम में हुए आतंकी हमले के शिकार, अपने परिजन को खो चुके लोग क्या इस बात पर बहस करने की स्थिति में होंगे कि किसने कब-कब किस पर क्या बोला, कब चुप मार गए ? वो अभी सबकी टाइमलाइन के चक्कर लगाकर इस स्थिति में होंगे की थर्ड पर्सन का प्रयोग करते हुए लंबी-लंबी पोस्ट लिख सकें ? उनके भीतर ललकारने की भाषा अपने चरम पर होगी ?

ठीक इसी तरह कल तक जो फल, अंडे, चाय-नाश्ता..बेचकर कमाते-खाते रहे, गाड़ी-शिकारा चलाकर अपने परिवार का पेट पालते रहे वो इस नृशंस घटना के बाद उसी मुहाने पर खड़े होकर एक-दूसरे को भाषाई स्तर पर छलनी करने की सोच रहे होंगे, जो यहां हम सोशल मीडिया पर कल से कर रहे हैं ?

किसी की मौत, किसी की हत्या से एक व्यक्ति भर नहीं इस दुनिया से जाता. उनके साथ, उनके पीछे रह गए बहुत सारे लोगों का बहुत कुछ चला जाता है. उनकी ज़िंदगी एकदम से छिन्न-भिन्न अधूरी हो जाती है. वो रोज़ जीते हुए, जानेवाले के मौत के हिस्से का मुआवज़ा चुका रहे होते हैं, कभी शक़ की शक़्ल में, कभी आक्रामकता झेलने की शर्त पर तो कभी ख़ामोशी के साथ जीवन निभा देने के एक घड़ी पक्का इरादा करने तो कभी भरभरा जाने के तौर पर..ख़बर की दुनिया से बहुत अलग उनका जीवन होता है, हम उस जीवन का हिस्सा नहीं बन पाते क्योंकि हमने अपना ही जीवन ऐसा बना लिया है कि उसमें सूचनाओं का अंबार तो है किन्तु संवेदना की ज़मीन और उसकी गुंजाईश बहुत कम बची है.

यकीं मानिए, यहां सोशल मीडिया पर लगातार लिखते-बोलते हुए हम बड़ी तेजी से एक ऐसी भाषा खोते जा रहे हैं जो हमारे भीतर बची रहनी चाहिए. भाषा के बची रहने पर ही हम मनुष्य बने रह सकेंगे. हमने राजनीतिक और वैचारिकी के स्तर पर खुद को सही साबित करने की ज़िद में अपनी भाषा को हथियार में तब्दील कर लिया है जो किसी न किसी को ज़रूर लहूलुहान करेगी. एक से एक समझदार, पढ़े-लिखे और हम तार्किक लोग इस गिरफ़्त में आ जा रहे हैं. हमारे भीतर इस मोर्चे पर लगातार एक सांकेतिक मौत जारी है. हमारे भीतर मानवीय संवेदना को महसूस करने की भाषा बड़ी तेजी से मर रही है. यह बेहद गंभीर बात है।

यहाँ पर सही-ग़लत का मामला बहुत पेंचीदा होता है, उन पर सपाट ढंग से सोचने और लिखने से एक सुविधाजनक पाठ तो तैयार हो जाता है किन्तु इससे जीवन मुश्किल हो जाता है. हमारा काम उस सुविधाजनक पाठ तैयार करने के बजाय उस पेंचीदगी को समझने और उन पर बात करने का है. ज़रूरी नहीं कि हर बार बात करने की स्थिति में हों. ऐसे में वाचाल हो जाने के बजाय चुप हो जाना कहीं ज़्यादा बेहतर विकल्प है. हर बात पर रायशुमारी ज़रूरी नहीं. ज़रूरी ये है कि हम जो कुछ भी लिखें-बोलें, उनसे गुज़रते हुए लगे कि आपदा में पड़े मनुष्य के लिए, उनके बीच ज़िंदा मनुष्य मौजूद है. हम कुछ और नहीं तो सबकुछ छीजते जाने के बीच जीवन के प्रति भरोसा बनाए रखने का काम तो कर ही सकते हैं।

- विनीत कुमार,
प्रोफेसर दिल्ली विश्वविद्यालय

बंदनवार सजाओ रे

जर्मनी में वह दौर था, जब हिटलर की लोकप्रियता ठाठें मारती थी। हर घर, हिटलर का मंदिर था।

राष्ट्रवाद के उत्सव के इस दौर में आम घरेलू जीवन पूरी तरह नाजी विचारधारा से रंग गया।

राजनीति घरों की दीवारों तक उतर आई थी।

हर घर में स्वस्तिक झंडे लगाए जाते थे। सुबह उठते ही बच्चे हिटलर यूथ या बालिका लीग में शामिल होकर हेल हिटलर का नारा लगाते। माताएँ घर सजातीं, तो दीवारों पर हिटलर का बड़ा पोस्टर होता। मेज पर नाजी प्रतीक वाली मेजपोश होती।

रेडियो के मधुर संगीत के बीच, गोएबल्स के प्रचार प्रसारण चलाता। परिवार एकत्र होकर हिटलर की प्रशंसा में गीत गाते। बच्चे स्कूल से हिटलर की तारीफ वाली किताबें लेकर आते। रसोई में माँ मोहल्ले के नाजी दल की मीटिंग की तैयारी करती। जन्मदिन या त्योहारों पर हिटलर को समर्पित कार्ड बाँटे जाते। हिटलर जयंती को राष्ट्रीय अवकाश होता।

प्रचार फिल्में जैसे ट्रायम्फ ऑफ द विल ने उसे हीरो बनाया।

1936 के बर्लिन ओलंपिक के दौरान यह भाव चरम पर थे। हिटलर को जर्मनी का उद्धारक माना जाता। बच्चे खिलौनों की जगह नाजी यूनिफॉर्म पहनते। नाजीवाद दैनिक जीवन का हिस्सा बन गया था। सरकार हर माध्यम से इस प्रक्रिया को हवा दे रही थी।

नाजी दल का उदय हुआ, तो वह आम राजनीतिक दल थी। उसे कभी बहुमत नहीं मिला। हिटलर अल्पमत की गठबंधन सरकार में चांसलर बना। और फिर पूरा जर्मनी, उसके पर्सनालिटी कल्ट में बदल गया।

फिल्में, पोस्टर और अखबार उसे देवतास्वरूप दिखाते। घरों में मीन काम्फ की प्रतियाँ रखी जातीं।

पार्टी सदस्यता अनिवार्य-सी हो गई थी। 1939 तक वह विश्व की सबसे बड़ी पार्टी होने का दावा कर सकती थी। उसके 50 लाख से अधिक सदस्य थे।

घरेलू उत्सवों में नाजी थीम होती। क्रिसमस पर स्वस्तिक सजे पेड़, ईस्टर पर हिटलर की तस्वीरें लगती। बच्चे हिटलर यूथ कैंप या कहें, शाखा में जाते, जहाँ राष्ट्रवाद सिखाया जाता। माताएँ मदर क्रॉस पातीं यदि वे अधिक बच्चे पैदा करतीं।

पिता एसएस में शामिल होकर घर लौटते तो परिवार गर्व करता। यह समर्थन स्वैच्छिक भी था, लेकिन दबाव और प्रचार का मिश्रण भी था। नफरत ने इसमें प्रमुख भूमिका निभाई। लोगों ने बढ़-चढ़कर यहूदियों के बहिष्कार में भाग लिया, पड़ोसियों को रिपोर्ट किया।

कुछ उसके कामों का असर भी था।

1933 में उसके सत्ता में आने के बाद बेरोजगारी 60 लाख से घटकर 1938 तक लगभग शून्य हो गई थी। ऑटोमोबाइल, हथियार कारखाने और सार्वजनिक निर्माण में जमकर रोजगार मिला। आम जीव समृद्ध हुआ।

महिलाएँ उसे पिता जैसा मानतीं। राइनलैंड पर कब्जा, ऑस्ट्रिया विलय ने जर्मन गर्व को हवा दी। राष्ट्र गौरव बढ़ाया। सर्वेक्षणों में, हालाँकि वे नियंत्रित थे, उसे 99 प्रतिशत समर्थन दिखता। लोकप्रियता इतनी कि विरोधी गायब हो गए, या करवा दिए गए।

हिटलर ही जर्मनी था, और जर्मनी ही हिटलर।

नाजी रैलियाँ विशाल उत्सव थीं। न्यूरेम्बर्ग की रैली में 5 लाख से अधिक लोग इकट्ठे होते। सुबह से लाइनें लगतीं, ट्रेनें, बसें भरकर लोग आते। टिकट नहीं लगता था। हिटलर का भाषण सुनने को वे घंटों इंतजार करते।

बच्चे हिटलर यूथ परेड में, महिलाएँ फूल बिखेरतीं। 1936 रैली में तो 100 किमी लंबी लाइन लगी। लोग रात भर जागते, नारे लगाते कृ यह सामूहिक उन्माद था। युद्ध की शुरुआत में पोलैंड आक्रमण के दौरान, उत्साह चरम पर पहुँच गया। लोग रेडियो पर सुनकर नाचते।

फ्रांस विजय के बाद घरों में विजय उत्सव होता। बच्चे सैनिक बनने को उत्सुक थे। हर घर से एक दो व्यक्ति हिटलर के लिए वर्दी पहन, सीमा पर जाने को उतारू था।

1941 में सोवियत आक्रमण के बाद से मोड़ आया। 1943 स्टालिनग्राद हार से दरारें पड़ीं।

बमबारी से शहर तबाह होने लगे। हैम्बर्ग, ड्रेसडेन में लाखों मरे। घरों में भूख का आलम था। अब लोग फुसफुसाते- यह पागलपन है।

लेकिन वक्त की चक्की महीन पीसती है। जर्मनों के नशे का पूरा इलाज होना था। 1944 तक थर्ड राइख तबाह हो चुका था। पूरा देश खंडहर में बदल चुका था। औरतें रोटी के बदले अस्मत का सौदा कर रही थीं।

सड़कों पर विदेशी बूट बज रहे थे। रूस में नाजियों ने इतने अत्याचार किए थे, कि वे प्रार्थना कर रहे थे, कि उन्हें अमेरिकी पहले कब्जा कर लें, रूसी नहीं।

ईश्वर ने न सुनी। इसके बाद बर्लिन में हत्या, बलात्कार और लूट के जो गंदे खेल चले, इतिहास उन पर मौन रखता है। जर्मन भी बात नहीं करना चाहते।

30 अप्रैल 1945 को हिटलर उन्हें बर्बाद, अधर में छोड़कर मर गया।

बर्बाद जर्मनी ने 7 मई निशर्त समर्पण किया। न्यूरेम्बर्ग ट्रायल्स में तमाम बड़े नाजी नेता फाँसी चढ़े।

जो घर हिटलर का उत्सव मनाते थे, अब खंडहर थे। 60 लाख यहूदी मारे गए, 50 लाख जर्मन। राष्ट्रवाद का सपना होलोकॉस्ट और विनाश में बदल गया।

लोग पछता रहे थे, लेकिन देर हो चुकी थी। इस नाजीज्म के उत्सव का अंत युद्ध, मृत्यु और पतन और फिर देश के दो हिस्सों में विभाजन से हुआ।

बारह साल पहले बंदनवार सजाती इस महिला ने नहीं सोचा होगा, कि वह मौत और बदकिस्मती का जश्न मना रही है।

मौत का बंदनवार सजा रही है।

- मनीष सिंह

इंदौर बाजार भाव

इंदौर ।एजेंसी। लेवाली कमजोर रहने से किराना बाजार में बड़ी इलायची में सुस्ती रही। शक्कर में नरमी की स्थिति रही। खाद्य तेलों में बाजार मजबूती पर रहे। तिलहनों में टिकाव रहा। दलहनों में चना बना रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार बड़ी इलायची में लेवाली ठंडी रहने से बाजार सुस्ती के रहे। शक्कर में नरमी रही। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। सोया तेलों में मजबूती रही। तिलहनों में बाजार बने रहे। दलहनों में चना पूर्वस्तर पर मजबूत बना रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4180-4200, खोपरा गोला 320-385, खोपरा बूरा 4000-6100 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 751-781, गरबल 715-725, मटरदाना 790-801, खसखस अनक्लीन 750-950, क्लीन 1050-1250, दालचीनी 220-245, जायफल 715-785, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1650-1975, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 725-750, बेस्ट 780-791, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची 2850-2925, मीडियम 2975-3175, बेस्ट 3225-3375, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3551, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 525-575, काजू (240) 885-925, काजू (320) 850-861, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 840-851, कैलिफोर्निया 771-785, अखरोट 575-725, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3600-3650, (160) 3600-3650, (200) 4000-4100, (250) 4900-5000

तेल- सींगदाना 1400-1410, मुम्बई 1420, राजकोट तेलिया 2220, सोया साल्वेंट 1165-1170, सोया रिफाइंड 1230-1235, कपास्या 1240, धूलिया 1245, कड़ी 1250,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1380-1385, मुम्बई पाम 1250, मुम्बई सोया 1255,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2400, देवास-उज्जैन 2400, खंडवा-बुरहानपुर 2375, अकोला 3800 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7900-8200, रायडा 6200-6250, सोयाबीन 4300-4400, नया सोयाबीन 3800-4100, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5850-5900, एवरेज 5750-5800, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशियन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6800-6900, एवरेज 6600-6700, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6800-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3600-3800, परमल 3500-3800, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 380, उज्जैन 280, रतलाम 34.0 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर ।एजेंसी। शुक्रवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा सामान्य ही रही। चॉंदी व सोना दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 151000, चॉंदी (99) 150500, टंच 149500, सिक्का 1800, सोना 10 ग्राम 121800,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले आज भारतीय रुपया तीन पैसे की गिरावट के साथ ही 88.69 पर बंद हुआ। आज सुबह पूंजी की निरंतर निकासी के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में तीन पैसे टूटकर 88.66 प्रति डॉलर पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 88.61 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद डॉलर के मुकाबले 88.66 पर आ गया जो पिछले बंद भाव से तीन पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया गुरुवार को डॉलर के मुकाबले 88.66 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 फीसदी की बढ़त के साथ 99.66 पर आ गया।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोंर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 94.73 अंक करीब 0.11 फीसदी नीचे आकर 83,216.28 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 17.40 अंक टूटकर 25,492.30 पर बंद हुआ। लार्जकैप की जगह पर मिडकैप स्टॉक्स में तेजी देखी गयी। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 374.55 अंक बढ़कर 59,843.15 पर था। हालांकि, स्मॉलकैप शेयरों में हल्की गिरावट हुई और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 29.05 अंक नीचे आकर 18,075.95 पर बंद हुआ था। सेक्टोरल आधार पर, निफ्टी मेटल , निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज , निफ्टी पीएसयू बैंक , निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी कमोडिटीज तेजी के साथ बंद हुए। दूसरी तरफ, निफ्टी आईटी , निफ्टी फार्मा , निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी इन्फ्रा में गिरावट रही। सेंसेक्स पैक में टाटा स्टील, एमएंडएम, बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक, बीईएल, अदाणी पोर्ट्स, इन्फोसिस, पावर ग्रिड, एशियन पेंट्स, सन फार्मा, कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर लाभ में रहे जबकि थे। टेक महिंद्रा, ट्रेंट, एचसीएल टेक, एचयूएल, आईटीसी, टीसीएस, अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर नीचे आये। इससे पहले आज सुबह भारतीय बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई थी। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 83,150.15 पर खुला, जबकि इसका पिछला बंद स्तर 83,311.01 था। वहीं निफ्टी 25,433.80 पर खुला जो इसके पिछले बंद स्तर 25,509.70 से नीचे था। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स करीब 500 अंकों तक गिर गया और निफ्टी 25,400 के नीचे फिसल गया। बाजार की गिरावट का मुख्य कारण कमजोर वैश्विक संकेत बताए जा रहे हैं। एशियाई एशिया-प्रशांत के बाजारों में शुक्रवार सुबह गिरावट देखने को मिली। जापान का निक्कई 225 इंडेक्स 1.38 फीसदी गिरा, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.46 फीसदी नीचे आया और ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 0.27 फीसदी टूट गया। यह गिरावट इसलिए आई क्योंकि अमेरिकी शेयर बाजार

वैश्विक तेल बाजार में उथल पुथल की संभावना, तेल भंडार बढ़ाएगा भारत

नई दिल्ली ।एजेंसी। भारत तेल के भंडार (ऑयल रिजर्व) को मजबूत करने जा रहा है क्योंकि जल्दी ही तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं। जून में कच्चा तेल 76 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था। अब ग्लोबल तेल मार्केट में नई उथल-पुथल की आशंका है। बड़े तेल प्रड्यूसर ग्रुप से आपूर्ति कम हो रही है और अमेरिका रूस की बड़ी कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगा रहा है।

ऐसे में भारत अपनी एनर्जी सेविंग को और मजबूत करने की तैयारी कर रहा है। मई में तेल की कीमत चार साल के निचले स्तर 60 डॉलर प्रति बैरल पर थी। जून में यह ऊपर चढ़ गई। ब्रेंट क्रूड अभी 65 डॉलर प्रति बैरल से नीचे कारोबार कर रहा है। कीमतें कम हैं तो भारत मौके का फायदा उठाकर अपने रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार को भरना और बढ़ाना चाहता है। संसद की एक समिति की रिपोर्ट में यह बात कही गई है कि अक्टूबर 2024 तक भारत के भंडार की क्षमता 5.3 मिलियन टन है लेकिन अंडरग्राउंड कैवरन में सिर्फ 3.6 मिलियन टन तेल भरा हुआ है। भारत में अभी तीन जगहों पर तेल रखा जाता है। दो और नई जगहें बनाने की योजना है जिससे भंडार दोगुने से ज्यादा हो जाएंगे। पेट्रोलियम मंत्रालय और आईएसपीआरएल ने फिलहाल इस पर कोई जानकारी नहीं दी है।

साइबर सुरक्षा एजेंसी की चेतावनी, एंड्रॉयड 13, 14, 15 और 16 यूजर्स हो जाएं सावधान

नई दिल्ली ।एजेंसी। भारत सरकार से जुड़ी साइबर सुरक्षा एजेंसी सीईआरटी-इन की ओर से एंड्रॉयड यूजर्स के लिए बड़ी चेतावनी जारी की है और गूगल के मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम में खामियां सामने आई हैं। नई एडवाइजरी को सीआईवीएन-2025-0293 नंबर के साथ जारी किया है और यह हाई-सीविएरिटी वॉर्निंग है। इसका सीधा असर एंड्रॉयड 13, 14, 15 और 16 यूजर्स पर पड़ेगा। रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि खामी का सीधा फायदा अटैकर्स को मिलेगा और वे रिमोटली खतरनाक कोड रन कर सकते हैं। इसका मतलब है कुछ मामलों में अटैकर्स को यूजर्स के प्राइवेट डाटा का ऐक्सेस मिल सकता है और आपका फोन तक क्रैश हो सकता है। यूजर्स को बताया कि यह चेतावनी हाई-रिस्क इसलिए है क्योंकि इससे डाटा चोरी और सिस्टम क्रैश का सीधा खतरा है। एजेंसी ने बताया है कि इन खामियों की वजह एंड्रॉयड के इंटरनल सिस्टम और कुछ कंपनियों की ओर से बनाए गए हार्डवेयर थे। इन कंपनियों की लिस्ट में कई चिपमेकर्स शामिल हैं। ये कंपनियां ज्यादातर एंड्रॉयड डिवाइसेज में प्रोसेसर लगाती हैं, इसलिए लाखों यूजर्स का प्रभावित होना तय है। सीईआरटी-इन की चेतावनी सभी एंड्रॉयड यूजर्स और स्मार्टफोन निर्माताओं के लिए है। एजेंसी ने बताया कि जो डिवाइस पुराने या प्रभावित वर्जन पर चल रहे हैं, वे तब तक खतरे में रहेंगे जब तक उनके लिए नए सुरक्षा पैच जारी और इंस्टॉल नहीं किए जाते। इन खामियों का फायदा उठाकर हैकर्स डाटा चोरी कर सकते हैं या कुछ मामलों में डिवाइस को पूरी तरह से डैमेज भी कर सकते हैं। यूजर्स को सलाह दी गई है कि जैसे ही उनके फोन निर्माता नया सॉफ्टवेयर या सिक्योरिटी अपडेट जारी करें, उसे तुरंत इंस्टॉल करें। साथ ही, अपडेट आने तक किसी अनजान या थर्ड-पार्टी वेबसाइट से ऐप डाउनलोड करने से बचें, और अगर फोन में बार-बार ऐप क्रैश होना या ओवरहीटिंग जैसी दिक्कतें आएं तो तुरंत कस्टमर सपोर्ट को रिपोर्ट करें।

मेष- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपको परिवार में बड़े सदस्यों की सेहत पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है। आपके गलत खान-पान के कारण आपकी समस्याएं बढ़ सकती हैं। किसी सदस्य के करियर को लेकर कोई फैसला जल्दबाजी में लेने से बचना होगा। आपके सुख साधनों में वृद्धि होगी। आपकी कला कौशल में सुधार आएगा। भगवान के भक्ति में आपका खूब मन लगेगा।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए व्यवहार में बदलाव लाने के लिए रहेगा। आपके मनमाने व्यवहार से लोग परेशान रहेंगे, लेकिन कार्यक्षेत्र में आप अपनी अच्छी सोच का लाभ उठाएंगे और आपके जूनियर भी आपका पूरा साथ देंगे और किसी काम को लेकर थोड़ा समझदारी दिखानी होगी। नौकरी में आपके बॉस कामों की सराहना करेंगे।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। माता जी आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी दे सकती हैं, जिससे आपको घबराने की आवश्यकता नहीं है। आप अपने भाई व बहनों से कुछ पारिवारिक मामलों को लेकर बातचीत कर सकते हैं। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई लिखाई में कोई बदलाव न करें। प्रेम व सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी। आपको टीम वर्क जरिए काम करके किसी काम को समय से पहले पूरा करके देंगे।

कर्क- आज का दिन आपके लिए भौतिक सुख साधनों में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपके मन में काम को लेकर नए-नए आइडिया आएंगे, जिन्हें आप बिजनेस में तुरंत आगे बढ़ाए, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। आपको किसी को धन उधार देने से बचना होगा। बिजनेस में भी आपका कोई नुकसान हो सकता है। परिवार में किसी सदस्य के स्वास्थ्य में गिरावट आने से आपका मन परेशान रहेगा।

सिंह- आज का दिन सरकारी नौकरी में कार्यरत लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है। आध्यात्म के प्रति आपकी काफी रुचि रहेगी, लेकिन आपको किसी पर आंख बंद करके भरोसा करने से बचना होगा, नहीं तो समस्या हो सकती है। आपने यदि किसी से धन उधार लिया था, तो वह भी आपको वापस मिल सकता है। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। यदि आप किसी पैतृक संपत्ति को लेकर लड़ाई झगड़ा चल रहा है, तो उसे आपको वरिष्ठ सदस्यों की मदद से निपटाने की आवश्यकता है। सरकारी योजनाओं का आपको पूरा लाभ मिलेगा।

कन्या- आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। जीवनसाथी से यदि कुछ मतभेद चल रहे थे, तो वह भी दूर होंगे। यदि विद्यार्थी अपनी पढ़ाई लिखाई में कुछ समस्याओं को लेकर परेशान चल रहे हैं, तो आप बदलाव करने की सोच सकते हैं, जिसके लिए आपको गुरुजनों से सलाह मशवरे की आवश्यकता होगी। विदेशों से व्यापार कर रहे लोगों की कोई डील फाइनल हो सकती है। आपको वाहनों का प्रयोग भी थोड़ा सावधान रहकर करना होगा।

तुला- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। कार्य क्षेत्र में आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। प्रेम जीवन जी रहे लोगों के रिश्ते में एक नया मोड़ आएगा, जिसमें उन्हें थोड़ा समझदारी दिखाने की आवश्यकता है। जीवन साथी को किसी नई नौकरी की प्राप्ति हो सकती है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपको छुटपुट लाभ की योजनाओं पर पूरा ध्यान देना होगा। आप किसी दूसरे के मामले में बेवजह न बोले। नौकरी में यदि आप बदलाव करने की सोच रहे हैं, तो वह इच्छा पूरी हो सकती है। आपको परिवार के वरिष्ठ सदस्यों के मार्गदर्शन से काम करने का मौका मिलेगा। आपका कोई रुका हुआ काम समय से पूरा होगा, जो आपको खुशी देगा।

धनु- आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आपका धन यदि कहीं अटका हुआ था, तो वह भी आपको वापस मिल सकता है। प्रेम जीवन जी रहे लोग साथी के साथ रोमांटिक मूड में रहेंगे और उन्हें कहीं घुमाने फिराने लेकर जा सकते हैं। आप अपने बिजनेस में कुछ योजनाओं को लेकर बातचीत करेंगे। किसी दूर रह रहे परिजन से आपको कोई निराशाजनक सूचना सुनने को मिल सकती है।

मकर- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आप अपने घर पर बाहर दोनों के कामों में तालमेल बनाकर चले, नहीं तो परिवार में सदस्य आपसे नाराज हो सकते हैं। आप अपने बिजनेस के कामों में कोई बदलाव बहुत ही सोच समझकर करें। कार्य क्षेत्र में आप कुछ नई योजनाओं को लेकर बातचीत कर सकते हैं।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए इनकम को बढ़ाने वाला रहेगा। परिवार में वरिष्ठ सदस्यों से बातचीत बहुत ही देखभाल कर करने की आवश्यकता है। आप किसी पर आंख बंद करके भरोसा ना करें, नहीं तो वह आपको धोखा दे सकता है। आप मनपसंद भोजन का आनंद लेंगे। आपकी सेहत में यदि गड़बड़ चल रही थी, तो वह भी दूर होगी।

मीन- आज का दिन आपके लिए समस्याएं लेकर आने वाला है। आपको किसी काम को लेकर मानसिक तनाव बना रहेगा। यदि आपका कोई संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था, तो वह भी दूर हो सकता है। माता पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आप काम को लेकर किसी से सलाह ना लें। आपको किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलने का मौका मिलेगा।

शब्दजाल - 8073

शब्द जाल में धर्मेंद्र की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीच एवं तिरछे भी हैं.

अनपढ़, नीला आकाश, मेरा गांव मेरा देश, खामोशी, यकीन, दो चोर, ललकार, राजा जानी, रजिया सुल्तान, कयामत.

म	क	मु	ग	ल	दो	चो	र	म	ल	ध
ल	वि	ल	नी	ला	आ	का	श	ह	श	ड़
ल	अ	ल	म	दी	छ	स	आ	दे	ख	क
का	स	न	न	दि	वा	स	रा	ल	श	क
र	आ	दो	प	ल	ज	मे	तू	ग	झ	न
या	क	द	र	ढ़	व	उ	शी	ण	ल्ता	क
ती	या	ल	मी	गां	प	मो	व	सु	जू	बै
क	म	ऊ	रा	द	खा	क	या	ए	श	क
क	त	मे	प	र्द	गी	जि	री	औ	प	य
क	गॉ	ल	प	लि	र	त	ऐ	ओ	प	की
क	ड	रा	जा	जा	नी	स	व्य	ब	प	न

शब्दजाल - 8072 का हल

भा	क	श	त	रं	ज	के	खि	ला	ड़ी	र
र	च	ल	प	व	जी	ग	द	इ	मा	ली
त	र	र्म	ल	र	छ	पु	रा	ट	हे	क
क	स	ज	कु	ह	व	न	लू	ल	म	क
क	क	दो	र्बा	म	लं	रि	तू	ग	कि	क
जी	क	ल	नी	कि	झ	पू	श	ण	सी	को
ती	ज	मा	न	त	प	दे	श	र	से	ल
क	ता	दा	ई	से	र	क	फ	लो	क	न
ने	बा	चे	न्न	प	जी	ल	री	ग	म	स्ता
द	पा	ल	श	व	दा	दा	ऐ	बें	न	शो
क	क	दे	प	ची	न	रा	बा	द	हीं	ले

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7017

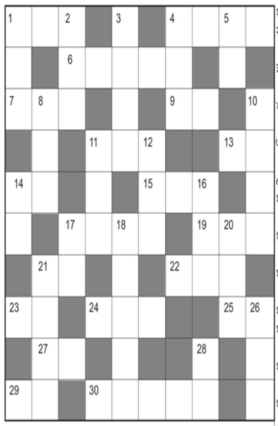

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, नर्गिस एक की फिल्म-३
२. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'तेरी ऑंखों का दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'पी कर शंकर जी की बूटी' गीत वाली ऋषिकपूर, नीलम की फिल्म-४
४. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीना की 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन अब्राहम, उदिता की फिल्म-२
८. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१०. 'मैं तेरे मन की मैना' गीत वाली अजय देवगन, काजोल की फिल्म-४
११. अमोल पालेकर, रंजीता की 'नाचो गाओ मौज' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मेरे यार ये दिन हो' गीत वाली शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की फिल्म-३
१४. 'रोज रोज आँखों तले' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'हर गोरी रानी' गीत वाली वहीदा, अमिताभ, जीनत, परवीन की फिल्म-३
१७. अमिताभ, रति, वहीदा की 'दोनों जवानी की मस्ती में' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'कई बार यूं भी देखा है' गीत वाली अमोल पालेकर, विद्या की फिल्म-५
२०. नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल, नताशा की १९८२ की एक फिल्म-३
२१. 'ओ रात के' गीत वाली किशोर कुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-२,२
२६. अमिताभ, संजीव, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
२८. 'नैनों में मेहबूब के' गीत वाली अक्षयकुमार, टिवंकल खन्ना की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'राजी राजी मैं हूँ राजी' गीत वाली फिल्म-३
४. 'उनके खयाल आये तो' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
६. मिथुन, मधु की 'हुस्न वालों से ये दिल बचाये' गीत वाली फिल्म-५
७. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी देओल, सोहेल, सुनील शेट्टी, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
९. अमिताभ, ऋतिक रोशन, प्रीति जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
१३. अनिलकपूर, माधुरी दीक्षित की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'साँसों का चलना' गीत वाली सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की फिल्म-२
१५. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'तूने ओ रंगीले ऐसा' गीत वाली राजकुमार, विनोद, प्रिया की फिल्म-४
१९. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की 'आँखें भी होती' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आये तुम याद मुझे' गीत वाली अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२२. फिल्म 'इश्क इश्क इश्क' में देव आनंद के साथ नायिका कौन थी-३
२३. 'फूलों से जो खुशबू आये' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२४. फिल्म 'हुतूतू' में नायक कौन था-३
२५. 'मेरा मन क्यों तुझे चाहे' गीत वाली आमिर खान, मनीषा की फिल्म-२
२७. आमिर, टिवंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फारूख शेख, पूनम ढिल्लों कीफिल्म-२
३०. आमिताभ, रजनीकांत, माधवी की 'रोते रोते हँसना' गीतवाली फिल्म-२,३

फिल्म वर्ग पहेली- 7016

ब्लै	क	मे	ल		जं		बे	व	फा
क		ला	ल	बं	ग	ला		जू	
	ही		का		ली		ग	द	र
मे	रा	ध	र	म		रा	ज		फ्ता
हं		र्मा		ह	वा		ब	हा	र
दी	दी		दि	ल	दा	र		सि	
	दा	मु	ल			मा	ई	ल	व
सु	र		से	ह	रा				फा
हा		य		व		ज	या	प्र	दा
ग	दि	श		स	त्या		दें		र

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

8 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	06.51 ब.से
चंद्र	वृष में	धनु	09.07 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मकर	11.12 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	12.59 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	14.31 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	16.02 बजे से
शनि	मीन में	वृष	17.42 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	19.40 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	21.54 बजे से
		सिंह	00.10 बजे से
		कन्या	02.22 बजे से
		तुला	04.32 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2025 वर्ष का 312 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** मृगशीर्ष (दक्षिण भारत में कार्तिक) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** तृतीया 07.33 बजे तदनन्तर चतुर्थी 04.26 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** मृगशीर्ष 22.03 बजे को समाप्त। **योग** शिव 18.32 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 07.33 बजे, बव 17.56 बजे तदनन्तर बालव 04.26 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 17.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 16° 35’ **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872522 **जूलियन दिन** 2460987.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जमादि उल्लावल **तारीख** 16 **विशेष** संकष्टी चतुर्थी।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55 से	07.23	बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10	बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51	बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42	बजे तक
रोग	08.51 से	10.19	बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14	बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46	बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47	बजे तक
चर	11.46 से	01.14	बजे तक	चर	11.47 से	01.19	बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42	बजे तक	रोग	01.19 से	02.51	बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10	बजे तक	काल	02.51 से	04.23	बजे तक
काल	04.10 से	05.37	बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: निजी बदलाव

बात बहुत पुरानी है, यह एक कहानी है, कहीं से सुनी आज आपको सुनाती हूं। एक राजा था। वह अपनी बेटी से बेइंतहा प्यार करता था, उसकी हर इच्छा पूरी करता था। लेकिन बेटी को कभी महल के बाहर नहीं जाने देता था। बेटी महल के बाहर की दुनिया से अपरिचित थी। एक दिन बेटी ने शहर देखने की इच्छा जताई। राजा के मना करने पर बेटी रूठ गई। राजा चिंता में पड़ गए। फूल-सी बेटी, कभी पैदल ज्यादा चली नहीं। महल की नर्म चटाइयों पर रहने वाले कोमल पैर पथरीली सड़कों पर कैसे चलेंगे? उस समय न तो आज जैसी कोई पक्की सड़क थी, न ही जूतों का जनम हुआ था। क्या किया जाए? सोच-विचार के बाद राजा ने मंत्रियों को आदेश दिया कि पूरी शहर की गलियों पर चमड़े की चादर बिछा दी जाए, ताकि राजकुमारी के चलने में तकलीफ न हो। तभी एक दरबारी ने सुझाव दिया कि सारे शहर में चमड़ा बिछाने के बजाय क्यों न राजकुमारी के पैरों में चमड़ा पहना दिया जाए। इससे राजकुमारी के पैर भी सुरक्षित रहेंगे और काम भी आसान हो जाएगा। बात बड़ी सरल और तर्कपूर्ण है। दुनिया भर को अपने अनुकूल करने से बेहतर व आसान है निजी बदलाव। सुनते हैं तभी से जूते पहनने का चलन शुरु हुआ।

सूडोकु नवताल- 7326

★☆☆☆☆ सरल

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7325 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

शब्द पहेली - 8541

बाएँ से दाएँ

1. ईसा मसीह-3
3. जवान, तरुण-3
5. आकाश, व्योम-2
6. परत, अस्तर-2
8. गर्जना, दहाड़ना-4
11. मदद, आराम-3
13. सुगंध, खुशबू-3
14. धूल, मिट्टी-2
15. छत्तीसगढ़ की राजधानी-2
16. पिता, आविष्कारक-3
18. नस्ल, जाति, प्रजाति-3
20. ओस, रजनीजल-4
23. भीगा हुआ-2
25. बल, ताकत, दम-2
26. तेल या घी में पकाना -3
27. मसाज-3

ऊपर से नीचे

1. रसना, जिव्हा-2
2. सचेत, सावधान-3
3. जरुरत, आवश्यकता-3
4. ऋतु, मौसम-2
5. दृश्य, तमाशा-3
7. कंठ, गला-3
9. रीती, रिवाज-2
10. प्रसिद्ध, नामवर-4
12. तीर रखने का पात्र-4
16. भूमि, धरा-3
17. खदान, माईन-2
19. तरंग, हिलोर-3
21. प्रवाहित करना-3
22. भीड़, समूह-3
24. राय, वोट-2
25. उत्साह, ललक-2

शब्द पहेली -8540 का हल

	म	ह	क		ता	म	झा	म
ज	न		म	न	न			स
हा		प	र		ना	स		ख
न	ज	र	बं	द		दा	य	रा
	न		द		ह		म	
दा	म	न		न	क	ब	ज	न
वा		ल	क		ब	स		ती
न			मा	य	का		ता	जा
ल	ति	या	ना		ना	सू	र	

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

कृषि उपज उपमंडी ने अवैध धान परिवहन पर की पांच गुना जुर्माना की कार्यवाही

9548 रुपये दांडिक शुल्क वसूला

पद्मेश न्यूज। लांजी।

कृषि उपज मंडी समिति बालाघाट के सचिव मनीष मरावी के निर्देशन और अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) लांजी कमलचंद सिंहसार के मार्गदर्शन में उपमंडी लांजी में अवैध परिवहन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। सहायक उप निरीक्षक वासुदेव बढ़ई, नेलचंद बारबुदे और विनोद बंसोड़ की टीम ने आमगांव रोड स्थित कारंजा में एचपी गैस ऑफिस के पास औचक निरीक्षण किया। इस दौरान पिकअप वाहन क्रमांक एमएच 35 एजे 4505 में बिना अनुज्ञा पत्र के 32.00 क्विंटल धान का अवैध परिवहन पकड़ा गया।

वाहन चालक अमरचंद लिल्हारे (टेकेपार) से आमगांव (महाराष्ट) की ओर धान ले जाया जा रहा था। मौके पर मंडी अनुज्ञा पत्र नहीं मिलने पर नियमानुसार पांच गुना दांडिक मंडी शुल्क लगाया गया। कुल शुल्क का विवरण इस प्रकार है- आधार शुल्क- 3790 रुपये, जुर्माना- 758 रुपये, अतिरिक्त दंड- 5000 रुपये, कुल वसूली- 9548 रुपये। यह राशि मौके पर ही वसूल कर सरकारी खजाने में जमा कर दी गई। मंडी अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि बिना अनुज्ञा पत्र या बिल के अधिसूचित कृषि उपजों का परिवहन करने वाले किसी भी व्यापारी के खिलाफ ऐसी ही सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। मंडी समिति ने सभी व्यापारियों से अनुरोध किया है कि किसी भी स्थिति में बिना अनुज्ञा पत्र/बिल के कृषि उपजों का परिवहन न करें, अन्यथा कानूनी कार्रवाई से बचना मुश्किल होगा।

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर साकेत पब्लिक स्कूल में भव्य आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। साकेत पब्लिक स्कूल लांजी में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में शुक्रवार, 07 नवंबर 2025 को एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 06 मध्य प्रदेश

बटालियन एनसीसी बालाघाट के लेफ्टिनेंट कर्नल विनित कमल गुप्ता के निर्देशन एवं संस्था के प्राचार्य महेंद्र कुमार दुरूगकर के मार्गदर्शन में एनसीसी कैडेट्स एवं स्कूल के छात्र-छात्राओं ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम राष्ट्रगीत का गान किया।

कार्यक्रम में एनसीसी अधिकारी संदीप कुमार रामटेक्कर ने कैडेट्स को गीत के इतिहास से अवगत कराते हुए बताया कि 1875 में बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित यह गीत भारत की स्वतंत्रता संग्राम में अमर भूमिका निभा चुका है। यह मातृभूमि के प्रति समर्पण, एकता और स्वाभिमान का प्रतीक है। पहली बार 07 नवंबर 1875 को साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन में प्रकाशित यह गीत कोई साधारण रचना नहीं, बल्कि ऐसा संकल्प था जिसने अंग्रेजों की नींद उड़ा दी थी। आज इसकी 150वीं वर्षगांठ उत्साहपूर्वक मनाई जा रही है।

आयोजन के दौरान वंदे मातरम थीम पर चित्रकला प्रतियोगिता भी संपन्न हुई, जिसमें 28 एनसीसी कैडेट्स ने प्रतिभागी के रूप में हिस्सा लिया। वहीं, सामूहिक राष्ट्रगीत गान में 74 एनसीसी कैडेट्स उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने छात्रों में देशभक्ति की भावना को और प्रज्वलित किया।

युवाओं ने ठाना - नशा मुक्त होगा हमारा ग्राम बोलेगांव

ग्राम में लगाया शराब बंदी का पोस्टर

पद्मेश न्यूज। लांजी।

लांजी क्षेत्र के युवा अब नशा मुक्त अभियान को लेकर जागरूक होते दिखाई देने लगे है। क्षेत्र में अवैध रूप से शराब की तस्करी बढ चुकी है गांव गांव शराब परोसी जा रही है जिसकी चपेट में आज की युवा पीढी नष्ट होते दिखाई देने लगी है। सर्वाधिक असर क्षेत्र की युवा वर्ग पर पड़ रहा है जिसको लेकर अब युवा वर्ग जागरूक होता नजर आने लगा है तथा अब यह संकल्प लिया जा रहा है कि ना तो शराब सहित अन्य नशीले पदार्थ का सेवन करेंगे और ना ही ग्राम में शराब विक्री करने देंगे। इसी क्रम में लांजी क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पंचायत बोलेगांव के युवाओं के द्वारा नशा मुक्त बोलेगांव का संकल्प लेते हुये ग्राम में नशा मुक्त बोलेगांव के पोस्टर चस्पा कर ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है। शराब के नशे के दुष्प्रभाव को देखते हुए युवा अब जागरूक होने लगे है, शराब की अवैध बिक्री से परेशान होकर आखिरकार युवाओं ने अपने ग्राम को शराब मुक्त करने का संकल्प ले लिये है और इसके लिये वे पोस्टर चस्पा कर और अवैध शराब पर निगरानी करते हुए इसकी सूचना पुलिस और आबकारी विभाग को देकर अपने कर्तव्य का बखूबी पालन कर रहे है, बता दें कि अब तक पुरूषो के शराब पीने से पीड़ित महिलाओं के द्वारा शराब के खिलाफ अभियान चलाने की बात सामने आती रही है लेकिन आज ऐसा वक्त आया है जब युवा खुद शराब के बुरे प्रभाव को देखते हुये बोलेगांव को दारूबंदी ग्राम बनाने का बीड़ा उठाया है।

बोलेगांव को बनाया जायेगा आदर्श ग्राम

इस संबध में बोलेगांव निवासी सुनील कालबेले ने बताया कि हमारे ग्राम में बेखौफ शराब की बिक्री हो रही है जिसके कारण प्रतिदिन आम जन परेशान है। ऐसे में ग्राम की इस समस्या से निजात दिलाने के लिये बोलेगांव के ही लगभग 50 युवा सामने आये है और लगभग 250 महिलाएं भी उनके समर्थन में सामने आयी है, जिनके कारण हम ग्राम को एक आदर्श दारूबंदी ग्राम बनाने की ओर प्रयासरत है। सुनील कालबेले ने यह भी बताया कि सिहारी रोड़ के पास स्थित बस स्टैंड प्रतिक्षालय के पीछे शराब की बोतल का अंबार लगा हुआ है। देखा जा सकता है कि किस कदर ग्राम में अवैध शराब बिक्री हो रही है। वहीं शराब नशा मुक्त अभियान की प्रेरणा सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं मे आई है उनके द्वारा अनेको ऐसे विडीयो देखे गये है जो कि शराब के दृष्प्रभाव को दर्शाता है। इस लिये सोशल मीडिया भी जागरूकता का माध्यम बना है। बोलेगांव के ही युवा पंकज का कहना है कि अभी मण्डई मेलों का दौर है और हम जब कुछ ग्रामों में जाते है तो देखते है कि उन ग्रामों में शराब प्रतिबंध की चेतावनी चस्पा है और वहां का माहौल बिल्कुल साफ सुथरा और एक आदर्श ग्राम की तरह प्रतीत होता है तो ऐसे में उन्हे भी ख्याल आया कि जब दूसरें ग्रामों में यह नियम बनाया जा सकता है तो क्यों ना आने वाली पीढ़ी के भविष्य के लिये हमारे ग्राम में भी इस बात को लागू किया जाना चाहिये और इसलिये ही बोलेगांव को दारूबंदी ग्राम बनाने के लिये युवा और महिलाएं सामने आयी है।

दलखा पौसेरा में बाल विवाह पर आयोजित किया विशेष जागरूकता शिविर

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्य प्रदेश शासन के महिला एवं बाल विकास विभाग के दिशा-निर्देशों जिला कलेक्टर मृणाल मीणा एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग बालाघाट श्रीमती दीपमाला सोलंकी व मिशन शक्ति के डिस्ट्रिक्ट हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन के मिशन समन्वयक रचना चौधरी, के मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देशन में बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ व बाल विवाह के विरुद्ध विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में 6 नवंबर को लांजी विकासखंड के अति संवेदनशील एवं वनांचल ग्राम दलखा पौसेरा के आंगनवाड़ी भवन में कृष्ण कुमार पांचे सरपंच पौसेरा के मुख्यातिथ्य में एवं अरूणेन्द्र दुरूगकर प्रधान पाठक माध्यमिक शाला चिलोरा की अध्यक्षता में मिशन शक्ति योजना के अंतर्गत बाल विवाह निषेध पर विशेष जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का सफल आयोजन किया गया।

शिविर में वन स्टॉप सेंटर बालाघाट की केस वर्कर श्रीमती यनिता राहंगडाले ने बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ योजना व बाल विवाह के विरुद्ध विशेष जागरूकता अभियान व बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006, पास्को एक्ट, महिला हेल्पलाइन 181 तथा चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बाल विवाह के दुष्परिणामों, कानूनी दंड, महिला एवं बच्चों के अपराधों तथा घरेलू हिंसा जैसे गंभीर मुद्दों पर प्रकाश डाला। श्रीमती राहंगडाले ने ग्रामीणों को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध मामले में तत्काल हेल्पलाइन पर संपर्क करने की सलाह दी।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सिविल न्यायालय लांजी से पैनल लॉयर धीरज वाहने ने बालकों के लैंगिक अपराधों से संरक्षण, गुड टच-बेड टच, महिला एवं बच्चों की तस्करी, बच्चों की शिक्षा, पीडित प्रतिकर योजना 2015 तथा एसिड अटैक पीडितों के लिए प्रतिकार राशि पर गहन चर्चा की। उन्होंने मोटर व्हीकल एक्ट, हिट एंड रन, राहबीर योजना, टोल फ्री नंबर 15100, निःशुल्क अधिवक्ता सुविधा तथा भरण-पोषण धारा 125 जैसे कानूनी प्रावधानों की विस्तार से व्याख्या की, जिससे उपस्थित ग्रामीणों को अपने अधिकारों की गहरी समझ प्राप्त हुई।

खुशबू महिला मंडल की अध्यक्ष सुश्री हाफिजा मिर्जा ने महिला एवं बच्चों के अपराधों तथा बाल विवाह के दुष्परिणामों पर जोर देते हुए कहा कि बाल विवाह न केवल कानूनी अपराध है, बल्कि यह समाज की प्रगति में बाधक भी है। स्वास्थ्य विभाग से आरिफ हुसैन ने चेतावनी दी कि बाल विवाह से बच्चों का शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास रुक जाता है, जिसके दूरगामी परिणाम समाज पर पड़ते हैं। उन्होंने ग्रामीणों से बाल विवाह रोकने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में सरपंच कृष्ण कुमार पांचे, प्रधान पाठक अरूणेन्द्र दुरूगकर, वन स्टॉप सेंटर से श्रीमती यनिता राहंगडाले, खुशबू महिला मंडल अध्यक्ष सुश्री हाफिजा मिर्जा, धीरज वाहने (पी.एल.वी.), शिक्षक मूलचंद मरठे, शिक्षिका दिपिका पटले, सरिता कुथेकर छात्रावास अधीक्षिका, स्वास्थ्य विभाग से आरिफ हुसैन, सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती रेखा सोनवाने एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं, किशोरी बालिकाएं, महिलाएं तथा बच्चे बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। शिविर के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता का संदेश घर-घर तक पहुंचाया गया।

सेनि शिक्षक खेमराज उरकुड़े का निधन

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम मोहझरी निवासी शिक्षक सुभाष उरकुड़े व प्रभाष उरकुड़े के पिताजी सेवा निवृत्त शिक्षक खेमराज उरकुड़े का 86 वर्ष की आयु में 7 नवंबर को सुबह 10 बजे हृदय गति रुक जाने से निधन हो गया है। आप अपने पीछे दो पुत्रों एवं 3 पुत्रियों का भरा पूरा परिवार छोड़ स्वर्ग सिधार गए। इनका अंतिम संस्कार आज 8 नवंबर को दोपहर 12 बजे स्थानीय मोक्षधाम मोहझरी में किया जाएगा। इनके निधन पर परिजनों, नाते रिश्तेदारों इष्ट मित्रों ने दुःख प्रकट कर शोक श्रद्धांजलि अर्पित की है।

लक्ष्मीकांत कॉलेज में धूमधाम से मनाई वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ

पद्मेश न्यूज। लांजी। उच्च शिक्षा मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार श्री लक्ष्मीकांता कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, लाँजी में शुक्रवार को वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय जागरण के अमर गान कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रप्रेम और सांस्कृतिक विरासत को समर्पित था, जिसमें कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्ण भागीदारी की।

कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती एवं माँ भारती के छाया चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर दीप प्रज्ज्वलन से हुई। इसके बाद कॉलेज के संचालक गुलाबचंद बड़घैया ने वंदे मातरम गीत के इतिहास, महत्व और राष्ट्रभक्ति में इसकी भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों को गीत की रचना और स्वतंत्रता संग्राम में इसके योगदान की जानकारी दी। कार्यक्रम प्रभारी ने भी 150वीं वर्षगांठ मनाने के संदर्भ में प्रेरक उद्बोधन दिया।

कार्यक्रम में छात्रों द्वारा गीत गायन और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें रिंकू कलपुरे, सफर मस्करे, साक्षी मुरकुटे, निकिता ठाकरे और शीतल बसोने ने सक्रिय सहभागिता निभाई। उनकी प्रस्तुतियों ने उपस्थित सभी को राष्ट्र प्रेम की भावना से ओत-प्रोत कर दिया।

समापन राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के सामूहिक गायन से हुआ। कार्यक्रम की सफलता में कॉलेज के प्राचार्य, शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ तथा सभी छात्र-छात्राओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस आयोजन ने युवा पीढ़ी में देशभक्ति की अलख जगाने का कार्य किया।

लांजी क्षेत्र में मण्डई मेले का दौर शबाब पर

कारंजा आवारीटोला में 10 को रात दिन की मण्डई - रात्रि में दुय्यम शायरी मुकाबला

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र में दीपावली पर्व से ही पारंपरिक मण्डई मेलो का दौर प्रारंभ हो जाता है। क्षेत्र के लगभग सभी ग्रामो में मण्डई मेले समिति या पंचायत के द्वारा मण्डई भराई जाती है जहां दुर दराज से व्यापारी विभिन्न प्रकारो की दुकाने लेकर पंहुचते है। वही मण्डई मेला एक प्रकार से मिलन का पर्व भी होता है जहां जिस ग्राम में मण्डई उस ग्राम के लोग अपने नाते रिश्तेदारो, ईष्ट मित्रों को आमत्रिंत करते है। वहीं पुरानी परंपराओ से भी देखा जाये तो देव उठनी के पश्चात मांगलिक कार्यक्रम प्रारंभ हो जाते है ऐसे में मण्डई मेला भी एक प्रकार का परिवारो का मिलन पर्व है जहां शादी विवाह की बाते करने, सगाई आदि करने को लेकर भी मण्डई मे दो परिवार आपस में मिलते है। ऐसे अनेको कारण है इस पारंपरिक मण्डई मेला का जो भी आज पर्यन्त तक जारी है तथा आगे भी सतत यह परंपरा चलती रहेगी। इसी क्रम में क्षेत्र के ग्राम कारंजा आवारीटोला में 10 नवंबर को रात दिन की मण्डई मेले का आयोजन मण्डई मेला आयोजन समिति आवारीटोला कारंजा के द्वारा किया गया है। मण्डई मेले मे जहां सुबह दिन में धार्मिक आयोजन संचालित होंगे वही रात्रि में समिति

के द्वारा लोगो के मनोरंजन के लिये दुय्यम शायरी का आयोजन किया गया है। जिसमें एक ओर गायिका रायवंती उपवंशी गोंगलई बालाघाट तथा दुसरी ओर से शायर राजकुमार दिल कटरे धरपीवाड़ा लालबर्रा बालाघाट के बीच शायरी मुकाबला जनता को देखने मिलेगा। उक्त कार्यक्रम रात्रि 9 बजे से कार्येक्रम स्थल दुर्गा चौक आवारीटोला कारंजा में प्रस्तुतीकरण किया जायेगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक राजकुमार कर्राहे, जनपद अध्यक्ष अर्चना खोंगल, देवेन्द्र खोंगल, अजय अवसरे, भारती चुटे, ऋषि पटेल दशरिया, स्नेहा जितेन्द्र बागडे सरपंच कारंजा, निलेश शिवणकर, खेमराज मच्छिरके, धर्मेन्द्र चुटे, राजू मेंढे के आतिथ्य में संपन्न होगा। मण्डई मेला आयोजन समिति के अध्यक्ष धर्मराज बागड़े, उपाध्यक्ष राकेश बागडे, कोषाध्यक्ष लोकेश बागड़े, सचिव दिलीप ब्राम्हणकर, चैतराम सोनवाने, भरत बागड़े, महेश मेंढ़े, चन्द्रशेखर चुटे, तरूण तरोने, भरत राम महारवाड़े, पुरोहित बागड़े, सुखदेव चुटे, गणेश बागड़े, धन्नंजय फुण्डे, महेश मेंढे, प्रेमलाल रतोने, गोपाल फुण्डे, रविन्द्र फुण्डे, सुभाष दोनोड़े, सावडराम मटाले, मुकेश अगासे, शिरीष उपलव, ज्ञानेश्वर निमजे, लक्की फुण्डे, सुभाष तुरकर, नितेश लोधी, अंकित घरड़े, कृष्णा आंबेडारे, सोनू, राजकुमार चिचुलकर, महेन्द्र बोहरे, प्रदीप कोरे, शंकर मेश्राम एवं समस्त सदस्य गण आवारीटोला कारंजा के द्वारा क्षेत्र की जनता से उक्त मण्डई मेला एवं कार्यक्रम में उपस्थिती की अपील की है।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

बिहार में चुनाव...राजनीति का केंद्र बना मप्र

आज पचमढ़ी में कांग्रेसियों को चुनावी मंत्र देंगे राहुल, रात प्रशिक्षण शिविर में ही बिताएंगे नेता प्रतिपक्ष

भोपाल/नई दिल्ली । बिहार विधानसभा चुनाव में पहले चरण का मतदान खत्म होने के बाद दूसरे चरण के चुनाव के लिए प्रचार चरम पर है। इस बीच कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मप्र के दौरे पर आ रहे हैं। राहुल गांधी शनिवार को कांग्रेस के पचमढ़ी में चल रहे नव सृजन अभियान प्रशिक्षण में भाग लेने आ रहे हैं। राहुल कांग्रेस के जिलाध्यक्षों को चुनाव जीतने का मंत्र देंगे। गांधी रात पचमढ़ी में ही रुकेंगे। बताया जा रहा है कि पचमढ़ी में कांग्रेस भाजपा के पन्ना प्रमुखों से बनने की रणनीति बनाएगी। ऐसे में राहुल गांधी के इस दौर के कारण मप्र राजनीति के केंद्र में आ गया है।

गौरतलब है कि राहुल गांधी इनदिनों कांग्रेस को मजबूत करने के साथ ही भाजपा को घेरने के अभियान में जुटे हुए हैं। उन्होंने वोट चोरी को हथियार बनाया है। उन्होंने कर्नाटक, हरियाणा, महाराष्ट्र और बिहार में वोट चोरी के आरोप लगाकर भाजपा और चुनाव आयोग को कटघरे में ला दिया है। ऐसे में अब उनका मप्र दौरा चर्चा का केंद्र बन गया है। राहुल गांधी पचमढ़ी दौरे पर होटल हाइलैंड में चल रहे कांग्रेस जिलाध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर में शामिल होंगे और उन्हें संबोधित करेंगे। राहुल पचमढ़ी में पहाड़ी पर स्थित रविशंकर भवन (मुख्यमंत्री निवास) में नाइट स्टे करेंगे।

जिलाध्यक्षों से वन-टू-वन भी

कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि इस शिविर में राहुल गांधी भाजपा के पन्ना प्रमुखों का मुकाबला करने की रणनीति पर भी चर्चा करेंगे। यही नहीं इसको लेकर रणनीति भी बनाई जाएगी। ताकि देशभर में उसे लागू कर कांग्रेस को सशक्त बनाया जा सके। इसके लिए शिविर में राहुल गांधी नव सृजन अभियान के तहत चलाए गए स्पेशल ड्राइव के बाद बनाए गए जिलाध्यक्षों से अलग-अलग विषयों पर वन-टू-वन भी करेंगे। कांग्रेस का प्रशिक्षण शिविर 2 नवंबर से शुरू हुआ है जो 12 नवंबर तक चलेगा। प्रशिक्षण में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी शामिल होंगे, लेकिन उनका कार्यक्रम अभी तय नहीं हुआ है। प्रशिक्षण के आयोजन से लेकर संचालन की जिम्मेदारी सर्वोदय संस्था महाराष्ट्र से जुड़े कांग्रेस प्रशिक्षण के प्रभारी सचिन राव और सांसद निशिकांत सैथिल संभाल रहे हैं। वहीं मप्र से प्रशिक्षण प्रभारी महेंद्र जोशी हैं। कांग्रेस के प्रदेश में संगठनात्मक 71 जिले हैं। जिनमें कांग्रेस ने ऑब्जर्वर की रिपोर्ट के आधार पर जिलाध्यक्ष बनाए हैं।

ग्लोबल पॉलिटिक्स पर करेंगे संवाद

राहुल गांधी संगठन सृजन अभियान के तहत सतपुड़ा की वादियों के बीच पचमढ़ी में जारी इस शिविर को संबोधित करेंगे। जानकारी के मुताबिक, राहुल यहां कार्यकर्ताओं से ग्लोबल पॉलिटिक्स ऑफ इंडिया विषय पर संवाद करेंगे। संविधान चर्चा के साथ वोट चोरी पर भी चर्चा हो सकती है। वे जिलाध्यक्षों को न केवल संबोधित करेंगे, बल्कि उनसे वन-टू-वन भी करेंगे। इसमें वे जिले की सामाजिक, राजनीतिक परिस्थितियों, चुनौतियों और भविष्य की रणनीति पर बात कर सकते हैं।

जिलाध्यक्षों को मिलेगा बूस्टर डोज

राहुल गांधी पांच माह में दूसरी बार मध्यप्रदेश आ रहे हैं। इसके पहले वे संगठन सृजन अभियान के चलते 3 जून को भोपाल आए थे और कार्यकर्ताओं से संवाद किया था। उन्होंने स्पष्ट तौर से यह भी बताया था कि पार्टी में जिलाध्यक्ष ही पॉवरफुल होंगे। अब जबकि जिलाध्यक्ष के चुनाव हो चुके हैं तो राहुल फिर इन्हें संबोधित करने आ रहे हैं। माना जा रहा है कि राहुल के आने पर कार्यकर्ताओं को बूस्टर डोज मिलेगा और उनमें उत्साह बढ़ेगा। पार्टी अगले विधानसभा और लोकसभा चुनाव को फोकस रखकर काम कर रही है।

मिशन 2028 पर केंद्रित प्रशिक्षण

कांग्रेस के प्रशिक्षण में मिशन 2028 मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस जनों को वे सभी बातें बताई जा रही हैं जिसमें उन्हें ग्राउंड जीरो पर जाकर प्रदेश से लेकर जिला, तहसील और ब्लॉक स्तर तक संगठन में नई जान फूंकना है। इससे सीधे आम जनता से कैसे आत्मीय संबंध बनाएं। उन्हें कांग्रेस की आजादी की लड़ाई में भूमिका और देश के आजाद होने के बाद देश में हुए विकास कार्यों की जानकारी दी जाएगी। जिले से लेकर ब्लॉक स्तर तक संगठन को सशक्त बनाना है। जिला अध्यक्षों को बताया जा रहा है कि वे जमीनी स्तर पर संगठन में नई ऊर्जा कैसे लाएं, कैसे जनता से आत्मीय संबंध बनाएं और पार्टी की ऐतिहासिक भूमिका व स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान को जनसंपर्क के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करें।

मल्लिकार्जुन खरगे का अभी तक कार्यक्रम तय नहीं

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की उपस्थिति भी प्रस्तावित है, हालांकि उनका कार्यक्रम अभी तय नहीं हुआ है। शिविर का संचालन सर्वोदय संस्था, महाराष्ट्र के सचिन राव और सांसद निशिकांत सैंथिल कर रहे हैं, जबकि मध्यप्रदेश में समन्वय की जिम्मेदारी महेंद्र जोशी संभाल रहे हैं। प्रदेश के 71 संगठनात्मक जिलों में ऑब्जर्वर रिपोर्ट के आधार पर नए जिलाध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं।

भाजपा ने दौरे पर उठाए सवाल

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद राहुल गांधी के पचमढ़ी दौरे को लेकर मप्र के स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने तंज कसा। उन्होंने कहा आजाद भारत में किसी भी नागरिक को देश में आने जाने के साथ-साथ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता भी रहती है। हमारा प्रजातांत्रिक देश है। राहुल जी कहीं भी जा सकते, कहीं भी घूम सकते है। वैसे भी राहुल जी हर महत्वपूर्ण अवसर पर घूमते ही है। देश में जब चुनाव चलते है तब वे विदेश जाते है, बिहार में जब चुनाव चल रहे, तब मप्र आ रहे है, मुझे लगता है सही वक्त पर उनके सही निर्णय रहते है न, उसको प्रमाणित करता है।

सुरक्षा में 200 जवान तैनात

राहुल गांधी के दौरे को देखते हुए जिला प्रशासन तैयारियों में जुट गया है। राहुल की सुरक्षा के लिए, सीआरपीएफ पचमढ़ी पहुंच गई। इसके अलावा पुलिस लाइन से 200 पुलिस अधिकारी और जवानों का फोर्स तैनात रहेगी। राहुल गांधी पचमढ़ी में कुल 19 घंटे रुकेंगे। 9 नवंबर को सुबह 10.20 बजे उनका हेलीकॉप्टर भोपाल के लिए उड़ेगा। उनके दौरे को लेकर जिला प्रशासन तैयारियों में जुटा है। कलेक्टर सोनिया मीना, एसपी डॉक्टर गुरकरन, सीईओ आईएएस हिमांशु जैन, एसडीएम समेत तमाम अधिकारियों ने पचमढ़ी संजय गांधी भवन में पहुंचकर मीटिंग भी

प्रतिनियुक्ति पर नगर निगम में पदस्थ अधिकारी जाएंगे मूल विभाग में

- डेप्युटेशन पर आए अधिकारियों की तैयार की जा रही है लिस्ट

भोपाल। भोपाल नगर निगम में डेप्युटेशन यानी, प्रतिनियुक्ति पर आए अधिकारियों की लिस्ट तैयार की जा रही है। हाल ही में निगम परिषद की मीटिंग में यह मुद्दा उठा था। इसके बाद अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह चौहान को रिलीव भी कर दिया गया। अब दूसरे अधिकारी रडार पर हैं। उन्हें भी उनके मूल विभाग में भेजने की तैयारी है। बता दें कि 30 अक्टूबर को नगर निगम परिषद की बैठक में हुई थी। इसमें डेप्युटेशन अधिकारियों के मुद्दे पर कांग्रेस और बीजेपी के पार्षद एकजुट नजर आए थे। कांग्रेस पार्षद अजीज उद्दीन ने अपर आयुक्त चौहान और एकता अग्रवाल के रिलीव न होने पर आपत्ति जताई थी। उन्होंने कहा था कि इनका ट्रांसफर तीन महीने पहले हो चुका है, फिर भी उन्हें रिलीव नहीं किया गया, जो गलत है।

एमआईसी मेंबर जितेंद्र शुक्ला ने भी अजीज उद्दीन की बात का समर्थन किया। इसके बाद सभी कांग्रेस और बीजेपी पार्षद सहमत हो गए और कहा कि भोपाल नगर निगम क्या धर्मशाला है? हर कोई यहां आना चाहता है। जरूरत से ज्यादा अपर आयुक्त हो गए हैं। पार्षदों ने सुझाव दिया कि निगम में प्रतिनियुक्ति प्रथा को खत्म किया जाए। इसके बाद अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने कमिश्नर संस्कृति जैन को व्यवस्था बनाने का निर्देश दिया। अध्यक्ष ने कहा था कि सदन की इच्छा है कि तत्काल रिलीव किया जाए। इसके बाद अपर आयुक्त चौहान को रिलीव कर दिया गया। वहीं, अग्रवाल को लेकर प्रक्रिया की जा रही है।

पशुपालन विभाग के अधिकारी की भी शिकायत

इसी बीच निगम में प्रतिनियुक्ति पर आए पशुपालन विभाग के अधिकारी डॉ. पीपी सिंह को लेकर भी शिकायत हुई है। शिकायत के मुताबिक, डॉ. सिंह की मूल पदस्थापना पशु रोग प्रयोगशाला (पशुपालन विभाग) में है। उन्हें कुछ समय के लिए नसबंदी सत्यापन कार्यक्रम हेतु अस्थायी रूप से नगर निगम में ड्यूटी दी गई थी। निगम ने दो महीने पहले ही ड्यूटी निरस्त कर दी, लेकिन सिंह अब भी काम पर है। जानकारों का कहना है कि इस प्रकार की तैनाती न केवल विभागीय नियमों का उल्लंघन है, बल्कि वित्तीय अनियमितताओं और भ्रष्टाचार को भी बढ़ावा देती है। इसकी शिकायत निगम अध्यक्ष सूर्यवंशी के पास भी पहुंची है। निगम अध्यक्ष सूर्यवंशी ने बताया, परिषद की मीटिंग के बाद डेप्युटेशन पर आए अधिकारियों को हटाया जा रहा है। जिनकी आवश्यकता नहीं है, उन्हें हटाने की कार्रवाई होगी। पशुपालन विभाग के यदि कोई अधिकारी नियम विरुद्ध पदस्थ है तो हटाने की कार्रवाई करेंगे।

पंजाब की प्रिंटिंग कंपनी ने भोपाल सहित कई शहरों में की करोड़ों की ठगी

भोपाल। मोहाली (पंजाब) की प्रिंटिंग कंपनी द्वारा राजधानी में ठगी किये जाने की घटना सामने आई है। बताया गया है की इस कंपनी ने कई शहरो के लगभग दो दर्जन से अधिक लोगो को अपने जाल में फंसाकर करोड़ो रुपये ऐठं लिये। जानकारी के अनुसार इस जालसाजी को एक पब्लिकेशन प्राइवेट कंपनी द्वारा अंजाम दिया गया है। जिसका दफ्तर ग्वालियर के सी-21 माल में था, और हेडक्वार्टर मोहाली में होना बताया गया था। कंपनी ने ऑनलाइन और ऑफलाइन के जरिये विज्ञापन कर बताया की वह देशभर में महंगी पुस्तकों की प्रिंटिंग का काम देती है। कंपनी के एंजेटो ने प्रिंटिंग कारोबारियो को भरोसा दिलाया था, कि सरकार के शैक्षणिक प्रोजेक्ट्स के लिए बुक्स की प्रिंटिंग का ठेका मिला है, इससे संबिधित दस्तावेज भी दिखाए गए थे, हालांकि बाद में यह फर्जी निकले। कंपनी एजेंटस प्रिंटिंग कारोबारियो को शानदारऑफर और मोटा कमीशन देने का झांसा देकर अपने जाल में फंसाते रहे। प्रिंटिंग का ठेका पाने के लिये भोपाल के कई प्रिंटिंग व्यवसायी और फ्रीलांस एजेंट्स ने शर्तो के अनुसार कंपनी में 2 से लेकर 20 लाख रुपये तक की रकम निवेश की। शुरुआत में तो कंपनी ने कुछ लोगों को छोटे आर्डर देकर विश्वास में लिया, इसके बाद बड़ी रकम जमा होने पर कंपनी की वेबसाइट, फोन नंबर और ईमेल सभी बंद हो गए।

स्कूल बंद होने की नौबत, बच्चों का भविष्य खतरे में

-एसआईआर में शिक्षकों की ड्यूटी लगाने पर उठे सवाल, नेता प्रतिपक्ष ने सरकार को घेरा, कहा

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के काम में शिक्षकों को लगाने पर सवाल उठाए है। उन्होंने सरकार को घेरते हुए कहा कि बोर्ड परीक्षा के तीन माह पहले चुनाव ड्यूटी पर लगाना हजारों बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करना है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि चुनाव आयोग के निर्देश पर मध्य प्रदेश में भी वोटर लिस्ट का स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन शुरू हो गया है। 4 नवंबर से 65 हजार बूथ लेवल ऑफिसर(बीएलओ) घर-घर जाकर वोटर्स की जानकारी कलेक्ट कर रहे हैं। यह पूरी प्रक्रिया 4 दिसंबर तक चलेगी और 7 फरवरी 2026 को इसका अंतिम प्रकाशन होगा। जिन 65 हजार बीएलओ को इस काम में तैनात किया है, उनमें 15 हजार से ज्यादा शिक्षक भी हैं। सिंघार ने आगे कहा कि इनमें से हजारों तो ऐसे हैं, जो सिंगल टीचर का दायित्व निभा रहे हैं। प्रदेश में 6 हजार से ज्यादा स्कूल हैं, जो केवल एक या दो शिक्षकों के भरोसे चल रहे हैं। इनमें से यदि 50त्न स्कूलों के टीचर्स की ड्यूटी भी स्कूरु में लगा दी गई तो वहां पढ़ाई ठप हो जाएगी। ऐसे स्कूलों में ताला लग जाएगा। इतना ही नहीं, कई जगह पर प्राचार्य या प्रभारी प्राचार्य को ही ड्यूटी पर लगा दिया गया है, ऐसे में स्कूल का क्या होगा। दूसरी तरफ एसआईआर के काम में 12वीं क्लास को गणित और साइंस पढ़ाने वाले टीचर्स की भी ड्यूटी लगा दी गई है, जो नियम के मुताबिक नहीं है। खास बात यह है कि ये सभी लोग 7 फरवरी 2026 को फ्री होंगे, उसी दिन एमपी बोर्ड की परीक्षाएं शुरू हो रही हैं।

आउटसोर्स कर्मचारी पर आरक्षण क्यों नहीं

संसदीय समिति ने कहा अधिकारियों को दिल्ली बुलाओ, विशेषाधिकार हनन का केस बनाओ

भोपाल । अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के लिए गठित केंद्रीय संसदीय समिति की बैठक गुरुवार को भोपाल में संपन्न हुई। इस बैठक की अध्यक्षता भाजपा सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते कर रहे थे। समिति की बैठक में सांसद चंद्रशेखर बुरी तरह भड़क गए।

बैठक में मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक शामिल नहीं हुए थे। मुख्य सचिव अवकाश पर थे। पुलिस महानिदेशक बैठक में नहीं पहुंचे थे इस पर संसदीय समिति के सदस्य नाराज हो गए। सूचना मिलने पर डीजीपी बिना वर्दी के समिति के सामने पहुंचे। इस पर सांसद विष्णु दयाल नाराज हो गए।

इस नाराजी के बीच कमेटी ने मध्य प्रदेश सरकार के अधिकारियों में आरक्षण के अनुसार नियुक्ति नहीं किए जाने पर आपत्ति जताई। कमेटी का कहना था, मध्य प्रदेश सरकार द्वारा अनुसूचित जाति और जनजाति के प्रति भेदभाव किया जा रहा है। अतिरिक्त मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल द्वारा जिस तरह से प्रश्न के जवाब दिए जा रहे थे। उससे भी संसदीय समिति के सदस्य भड़क गए।

कमेटी ने मध्य प्रदेश में थूक चटवाने और पेशाब कांड, ग्वालियर में अंबेडकर प्रतिमा तथा उनके बारे में आपत्तिजनक टिप्पणियों को लेकर समिति के सदस्यों ने नाराजी व्यक्त की।

आउटसोर्स भर्ती में आरक्षण क्यों नहीं

समिति ने इस बात पर भी आपत्ति जताई है,एक लाख से अधिक आउटसोर्स कर्मचारी भर्ती किए गए हैं।उनकी भर्ती में आरक्षण लागू नहीं किया गया है। मध्य प्रदेश में पिछले 10 साल से प्रमोशन नहीं दिया जा रहा है। एससी और एसटी एक्ट का पालन नहीं किया जा रहा है। एससी-एसटी वर्ग का पैसा अन्य योजनाओं में खर्च किया जा रहा है।

संसदीय समिति के सदस्य काफी भड़के हुए थे। कमेटी के सदस्यों का कहना था, इन्हें दिल्ली बुलाकर जवाब तलब किया जाए।विशेष अधिकार हनन का केस बनाया जाए।

ग्वालियर निगम के अधिकारियो-कर्मचारियों ने किया 54 लाख का फर्जीवाड़ा

भोपाल। ईओडब्ल्यू ने फर्म दीपक एडवर्टाइजर्स के साथ मिलकर नगर निगम ग्वालियर को 54 लाख की चपत लगाने के मामले में शिकायत की जाँच के बाद निगम के अफसरो-कर्मचारियो और विज्ञापन एंजेसी के संचालक सहित 8 से अधिक नामजद आरोपियो के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता द्वारा ईओडब्ल्यू इकाई ग्वालियर में नगर पालिका निगम ग्वालियर के अधिकारियों-कर्मचारियों और मैसर्स दीपक एडवर्टाइजर्स की मिलीभगत कर लाखो रुपये का फर्जीवाड़ा करने के आरोप लगाये थे। शिकायत में कहा गया की नियम विरुद्ध फर्म को अनुचित लाभ देते हुए बकाया पैनेल्टी राशि एवं विज्ञापन की रकम कम कर निगम को लाखो रुपये की आर्थिक क्षति पहुँचाने के आरोपल लगाये गये थे। शिकायत की जांच में सामने आया की नगर निगम ग्वालियर के 48 सार्वजनिक शौचालयों पर विज्ञापन के लिये 10 नवंबर 2017 को निविदा आमंत्रित की गई थी। इसके लिये फर्म दीपक एडवर्टाइजर्स को सार्वजनिक शौचालयों पर विज्ञापन करने की निविदा स्वीकृत की गई थी। आयुक्त नगर निगम ग्वालियर की ओर से तत्कालीन सीसीओ प्रदीप चतुर्वेदी और फर्म दीपक एडवर्टाइजर्स की ओर से दीपक जेठवानी द्वारा अनुबंध किया गया था। इस एग्रीमेंट की शर्त नंबर 1 में नगर निगम ग्वालियर के 48 प्रमुख सार्वजनिक सुलभ शौचालयों व शर्त क्रमांक 10 में टेंडर अवधि समाप्त होने पर निविदाकार को 5 प्रतिशत राशि बढ़ाकर आगामी सालो के लिये टेंडर नवीनीकरण किये जाने का उल्लेख कूटरचित है। जाँच में सामने आया की मेयर-इन-काउंसिल के संकल्प क्रमांक 582 में इन शर्तों का कोई उल्लेख नहीं है। सबंधित एजेंसी द्वारा किये गये विज्ञापन की देय राशि का निर्धारण करने के लिये ग्वालियर नगर पालिक निगम द्वारा समय-समय पर समितियां गठित की गई, जिन्होंने संचालक मैसर्स दीपक जेठवानी को आर्थिक लाभ देने के लिये नियम विरुद्ध तरीके से सिर्फ 38 सार्वजनिक शौचालयों एंव मूत्रालयों पर होर्डिंग्स पर विज्ञापन पर देय राशि का निर्धारण 48 लाख 85 हजार 272 रूपये 5 दिसंबर 2020 और अन्य समिति द्वारा 11 दिसंबर 2021 को विज्ञापन की देय राशि की गणना 18 लाख 56 हजार 942 रूपये की गई जबकि वास्तव में 36 माह की अवधि के अनुसार 48 सार्वजनिक शौचालयों के विज्ञापन देय राशि 72 लाख 57 हजार 600 रूपये होने से शासन को 54 लाख 658 रूपये की आर्थिक क्षति पहुंचाई गई। जाँच के आधार पर ईओडब्ल्यू द्वारा आरोपी सीसीओ प्रदीप चतुर्वेदी की मृत्यु हो जाने से अन्य आरोपिया सहायक नोडल अधिकारी शशिकांत शुक्ला, सहायक लिपिक मदन पालिया आउटसोर्स कर्मचारी धर्मेन्द्र शर्मा, अपर आयुक्त राजेश श्रीवास्तव, अपर आयुक्त वित्त देवेन्द्र पालिया, अधीक्षण यंत्री जेपी पारा, उपायुक्त विज्ञापन सुनील सिंह चौहान और फर्म दीपक एडवर्टाइजर्स के संचालक दीपक जेठवानी सहित अन्य के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, चार सौ बीसी सहित अन्य

रेडक्रॉस मप्र का निर्वाचन निर्विरोध, सिवनी के पूर्व आईएएस डॉ. श्याम सिंह कुमरे बने चेयरमैन

भोपाल। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, मध्यप्रदेश राज्य शाखा का निर्वाचन गुरुवार 6 नवंबर 2025 को निर्विरोध सम्पन्न हुआ। यह निर्वाचन कलेक्टर जिला भोपाल एवं निर्वाचन अधिकारी के तत्वाधान में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी शाखा समिति नियम 2017 के प्रावधानों तथा माननीय राज्यपाल महोदय के निर्देशों एवं अनुमोदन के अनुसार कराया गया। रेडक्रॉस के जनरल सेक्रेटरी श्री रामेन्द्र सिंह ने बताया कि प्रदेश की 47 जिला शाखाओं से निर्वाचित जिला प्रतिनिधियों के नाम प्राप्त होने के बाद राज्य स्तरीय पदों के लिए निर्धारित समय-सारणी के अनुसार नामांकन प्रक्रिया सम्पन्न हुई। नामांकन प्रक्रिया के दौरान चेयरमैन पद के लिए सिवनी के डॉ. श्याम सिंह कुमरे (पूर्व आईएएस), वाइस चेयरमैन पद के लिए रतलाम के श्री मनीष रावल तथा मानसेवी कोषाध्यक्ष पद के लिए बेतुल के श्री दीपेश मेहता ने नामांकन दाखिल किया। निर्धारित अवधि में अन्य कोई प्रत्याशी नामांकन नहीं दाखिल करने से तीनों पदों पर निर्वाचन निर्विरोध घोषित किया गया। निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर भोपाल द्वारा निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा की गई तथा उसका प्रतिवेदन माननीय राज्यपाल महोदय को भेजा गया है। राज्यपाल महोदय द्वारा शीघ्र ही नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं 47 जिला शाखाओं के निर्वाचित प्रतिनिधियों को शपथ दिलाई जाएगी और

न्यायमूर्ति विवेक रूसिया का ट्रांसफर इंदौर से मुख्य खंडपीठ में

भोपाल। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर बेंच के वरिष्ठ प्रशासनिक न्यायाधीश विवेक रुसिया अब मप्र हाईकोर्ट की मुख्य खंडपीठ में युगल पीठ क्रमांक 2 की अध्यक्षता करेंगे।

विवेक रूसिया ने जबलपुर से वकालत शुरू की। उसके बाद न्यायाधीश के पद पर नियुक्त हुए। उन्होंने स्वर्गीय पी सदाशिवन नायर और न्यायमूर्ति राजेंद्र मेनन के सहयोगी के रूप में भी काम किया है। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ से अब वह मुख्य खंडपीठ के वरिष्ठ सदस्य के

एसआईआर : बीएलओ एप की उजागर हुईं अनेक खामियां, नाम भी नहीं हो रहे मैच

-सर्विस ऐरर ऑनलाइन एंट्री में बनी बाधा

भोपाल। मतदाता सूची पुनरीक्षण का काम यूं तो मध्य प्रदेश में 04 नवंबर से ही शुरु हो चुका है, लेकिन इसमें कई तरह की परेशानियां हैं। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) में लगे बीएलओ को सर्वप्रथम एप संबंधी तकनीकी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। पहली समस्या बीएलओ एप में किसी मतदाता का नाम 2003 की सूची में नहीं होने की स्थिति में ब्लड रिलेशन जोड़ना आवश्यक है, पर इस एप में महज 'पिता' और 'दादा' का नाम ही शो हो रहा है। अन्य रिश्ते जैसे चाचा या ताऊ को जोड़ने पर ऐप इसे अमान्य कर देता है। इसके चलते बड़ी संख्या में ऑफलाइन फॉर्म भरने का कार्य किया जा रहा है।

इस स्थिति में ऑनलाइन एंट्री नहीं हो पा रही है। इसी तरह 2003 की सूची से नामों के मिलान में भी परेशानी आ रही है। सूची में दर्ज नाम और वर्तमान प्रमाण पत्रों में उल्लेखित नामों में समानता नहीं होने के कारण परेशानी खड़ी होती है। ऐसे में एप डेटा मिस मैच दिखा देता है। इस तरह के अन्य समस्याओं को देखते हुए भारत निर्वाचन आयोग के अधिकारी कहते हैं कि जल्द ही एप की खामियों को दूर कर व्यवस्था सुधार ली जाएगी।

यही नहीं बीएलओ एप 40 से अधिक उम्र वालों के दर्ज डेटा पर भी एरर शो कर रहा है। दरअसल इसमें भी पिता और दादा का नाम स्वीकार नहीं कर पा रहा। इस संबंध में बीएलओ कहते हैं, कि इस मामले में हम कुछ कर रही नहीं सकते, क्योंकि सिस्टम ही डेटा मिसमैच शो कर देता है, यह अलग बात है कि दस्तावेज सही होते हैं। इस कारण मौजूदा समय में वेरिफिकेशन प्रक्रिया जो मिनटों में हो सकती है, घंटों तक अटकी रह जाती है।

गौरतलब है कि एसआईआर शुरु होने के साथ ही बीएलओ घर-घर जाकर गणना पत्रक (एन्युमेरेशन फॉर्म) भरवाने का कार्य मुस्तैदी से कर रहे हैं, लेकिन आयोग का एप में गड़बड़ी और खामियां होने के कारण डेटा अपलोड नहीं हो पा रहा है। ज्यादातर मामलों में डेटा अपलोड करते समय रिलेशन लिंकिंग एरर शो हो रहा है। सामान्य लोगों का कहना है कि एप से वर्ष 2003 की वोटर लिस्ट का लिंक खोलने पर बार-बार सरविस एरर शो हो रहा है। कई दफा तो ऐसा भी होता है, कि साइट खुल जाती है, लेकिन आगे की प्रक्रिया पूर्ण नहीं हो पाती और एरर शो होने लग जाता है।

महिला मतदाताओं के लिए भी परेशानी

इस एप में महिला मतदाताओं के लिए भी एक बड़ी परेशानी उभर कर सामने आ रही है। बताया जा रहा है, कि पत्नी का नाम 2003 की मतदाता सूची में नहीं होने पर सिस्टम उसे पति से नहीं बल्कि उसके पिता के नाम से लिंक करने का विकल्प दे रहा है। इससे अनेक महिलाएं परेशान हो रही हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह इन महिलाओं को यह नहीं मालूम है कि पुरानी सूची में उनके पिता का नाम किस फार्मेट में दर्ज किया गया है, यदि मिस मैच होता है तब भी प्रक्रिया पूर्ण नहीं हो पाएगी और एक नई परेशानी खड़ी हो जाएगी। इस तरह के अनेक समस्या संबंधी शिकायतें सामने आ रही हैं।

भावुक हुए न्यायमूर्ति श्रीधरन 7 महीने में 3 ट्रांसफर वाले जज

भोपाल (ईएमएस)। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट से इलाहाबाद हाईकोर्ट में स्थानांतरित हुए न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन को गुरुवार के दिन हाईकोर्ट में भावभीनी विदाई दी गई। 7 महीने में उनका तीन बार ट्रांसफर हुआ। हाई कोर्ट के कोर्ट रूम नंबर एक में मुख्य न्यायाधीश की मौजूदगी में विदाई समारोह आयोजित हुआ था। इसमें वह भावुक हो गए।

न्यायमूर्ति श्रीधर ने कहा ट्रांसफर एक प्रक्रिया है। ब्रह्मांड में केवल एक चीज स्थाई है। वह अस्थिरता(बदलाव) है। उन्होंने राहत इंदौरी का शेर पढ़ा। कहा जो आज साहब ए मनसद हैं। कल नहीं होंगे, किराएदार हैं,जाति मकान थोड़ी है। यह कहकर उन्होंने अपनी वेदना भी प्रकट की, और वास्तविक स्थिति बताते हुए भावुक क्षणों में सभी की आंखों को नम करने का काम किया।

उल्लेखनीय है न्यायमूर्ति श्री धरन ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सेना के अधिकारी कर्नल सोफिया के बारे में जो आपत्तिजनक बयान, कैबिनेट मंत्री विजय शाह द्वारा दिया गया था। उसका स्वयं संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया था। उनके आदेश के खिलाफ इस मामले की अपील सुप्रीम कोर्ट में हुई। उसके बाद से यह मामला ठंडे बस्ते में चला गया है। मंत्री जी पर अभी तक आपत्तिजनक अभियान पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। हां जज साहब का जरूर ट्रांसफर कर दिया गया। वरिष्ठता क्रम में वह तीसरे नंबर पर थे। पहले उनका ट्रांसफर छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट में किया गया था। बाद मे दबाव डालकर उनका ट्रांसफर इलाहाबाद हाईकोर्ट में कर दिया गया। वहां पर उनकी वरिष्ठता 7वें नंबर के जज की हो जाएगी। वरिष्ठता क्रम में पीछे चले जाने के कारण वह सुप्रीम कोर्ट नहीं जा पाएंगे। जो सजा भाग्य में लिखाकर आए थे, वह उन्हें मिल गई। एक जज के रूप में उनके द्वारा दिए गए फैसले की मध्य प्रदेश हाईकोर्ट सहित सुप्रीम कोर्ट में भी सराहना होती थी। उनके सभी फैसले मानवीय संवेदनाओं और कानूनी पहलुओं से परिपूर्ण होते थे।

जनवरी 2026 से शुरू होगी प्रो रेसलिंग लीग की वापसी

पिच से लेकर मैट तक - भारत की महिलाएं खेल सशक्तिकरण के एक नए युग की पटकथा लिख रही है

नई दिल्ली। जब पूरा देश भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऐतिहासिक वर्ल्ड कप जीत का जश्न मना रहा है, उसी समय एक और खेल महिला कुश्ती चर्चा में आने को तैयार है। क्रिकेट की इस बड़ी जीत से कुछ दिन पहले ही, प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) की वापसी की आधिकारिक घोषणा नई दिल्ली में की गई। यह लीग जनवरी 2026 से शुरू होगी। इन दोनों उपलब्धियों ने मिलकर भारतीय खेलों में एक नया दौर शुरू किया है, जहाँ महिला खिलाड़ी अब हर मैदान पर देश की शान बढ़ा रही हैं और सफलता की नई कहानियाँ लिख रही हैं।

प्रो रेसलिंग लीग 2026 : एक नई शुरुआत

फिर से शुरू हो रही प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) एक बार फिर कुश्ती को चर्चा के केंद्र में लाने जा रही है। यह लीग अब और भी आधुनिक, पेशेवर और महिला-पुरुष दोनों खिलाड़ियों के लिए समान अवसरों वाली होगी। भारतीय कुश्ती महासंघ के सहयोग से यह लीग आईपीएल जैसी फ्रेंचाइज़ी प्रणाली पर आधारित होगी, जिसमें भारत के साथ-साथ विदेशी पहलवान भी मुकाबला करेंगे। लॉन्च के दौरान डब्ल्यूएफआई के प्रवक्ता ने कहा, ¶पीडब्ल्यूएल की वापसी सिर्फ मनोरंजन के लिए नहीं है, बल्कि यह भारत की महिला पहलवानों को दुनिया के मंच पर अपनी पहचान बनाने का मौका देगी। हमारी महिला क्रिकेट टीम की शानदार सफलता के बाद, अब कुश्ती भारत की खेल क्रांति का अगला अध्याय लिखने के लिए तैयार है।

क्रिकेट की प्रेरणा, कुश्ती का अवसर

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की विश्व कप जीत ने प्रशंसकों और प्रायोजकों की नज़र में महिला खिलाड़ियों की छवि को एक नई पहचान दी है। खेल विशेषज्ञों का मानना है कि यह जोश अब महिला कुश्ती तक भी पहुँचेगा, जिससे प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) में कॉरपोरेट निवेश, विज्ञापन और दर्शकों की बढ़ती दिलचस्पी के नए अवसर खुलेंगे। पहले से ही भारत के पास साक्षी मलिक, अंतिम पंघाल और विनेश फोगाट जैसी विश्वस्तरीय पहलवान हैं। ऐसे में पीडब्ल्यूएल देश में कुश्ती के लिए एक बड़ा मोड़ साबित हो सकती है – जो इस पारंपरिक ग्रामीण खेल को बदलकर राष्ट्रीय स्तर का प्राइम-टाइम खेल बना देगी।

महिलाओं की भागीदारी पर विशेष ध्यान

पीडब्ल्यूएल 2026 की सबसे खास बात यह है कि यह लीग महिला खिलाड़ियों की भागीदारी और नेतृत्व को बढ़ावा देने पर खास ध्यान देगी। यह पहल महिलाओं को न सिर्फ पहलवानी के अखाड़े में, बल्कि खेल के हर स्तर पर आगे बढ़ने का अवसर देगी।

लीग आयोजकों ने यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्धता जताई है

- हर टीम में महिला खिलाड़ियों को बराबर प्रतिनिधित्व मिलेगा।
- महिला मुकाबलों का प्रसारण प्राइम टाइम में किया जाएगा, ताकि उनकी लोकप्रियता और दर्शक संख्या बढ़े।
- उभरती हुई पहलवानों को अनुभवी चैंपियनों से जोड़ा जाएगा, ताकि वे उनसे सीख सकें और आगे बढ़ें।
- महिला खिलाड़ियों को बराबर इनामी राशि और स्पॉन्सरशिप के अवसर दिए जाएंगे।

यह पहल भारत में खेलों में लैंगिक समानता की बढ़ती भावना को मजबूती देती है और देशभर की युवा लड़कियों के लिए कुश्ती को एक प्रेरणादायक करियर विकल्प के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य रखती है।

पीडब्ल्यूएल के सीईओ अखिल गुप्ता ने कहा, 'प्रो रेसलिंग लीग की वापसी सिर्फ एक खेल को फिर से शुरू करने की बात नहीं है, यह एक सपने को दोबारा जगाने की कोशिश है। हमारी महिला पहलवानों में वो काबिलियत, हौसला और जुनून है कि वे दुनिया के किसी भी मंच पर डटकर खड़ी हो सकती हैं। बराबर के अवसर और बेहतर पहचान के साथ, हम ऐसा भविष्य बना रहे हैं जहाँ कुश्ती हर लड़की को यह विश्वास दिलाए कि वह भी कर सकती है। यह सिर्फ एक लीग नहीं, बल्कि भारत में ताकत और बहनचारे का आंदोलन है।'

महिला विश्वकप सेमीफाइनल की हार से अब भी उबर नहीं पायी हैं एलिसा हीली

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की कप्तान एलिसा हीली आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2025 के सेमीफाइनल में भारतीय टीम के खिलाफ मिली हार से अब तक नहीं उबर पायी हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने इस मैच में भारतीय टीम को जीत के लिए 339 रनों का विशाल लक्ष्य दिया था जिसे जेमिमा रोड्रिग्स के शतक से भारतीय टीम ने हासिल कर सभी को हैरान कर दिया था। इससे 7 बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलियाई टीम मुकाबले से बाहर हो गयी। वहीं भारतीय टीम फाइनल में पहुंचकर विजेता बनी। हीली ने हालांकि कहा कि उन्हें अपनी टीम के प्रदर्शन पर गर्व है पर भारतीय टीम के खिलाफ हार को वह भूल नहीं पा रही हैं। उन्होंने कहा, मैं झूठ नहीं बोलूंगी, मैं बेहतर हो जाऊंगी। हमने पिछल सात सप्ताह में काफी अच्छा क्रिकेट खेला पर भारतीय टीम से जीत नहीं पाये जिससे निराशा हुई पर मैं इस बात को लेकर उत्साहित हूं कि यह टीम अगले चक्र में क्या कर सकती है। हीली ने माना कि ऑस्ट्रेलिया और रन बना सकती थी। उन्होंने कहा, मुझे सच में लगा था कि हमने थोड़े कम रन बनाए। जब एलिस पेरी और फोएबे बल्लेबाजी कर रही थीं, तो हम 350 से ज्यादा रन बनाने की उम्मीद कर रहे थे। अगर हम वहां और प्रयास करते तो ये संभव हो जाता।

उन्होंने आगे कहा, हर कोई योगदान दे रहा था, हर कोई अपना सर्वश्रेष्ठ खेल रहा था, पर नॉकआउट मैच में परिणाम हमारे अनुसार नहीं रहा। यह दुखद है कि हमारे पास दिखाने के लिए कोई ट्रॉफी नहीं है। हीली ने यह भी कहा कि डीवाई पाटिल स्टेडियम की कि लाल मिट्टी वाली पिच दूधिया रोशनी में अलग तरह से व्यवहार करती रही है जिसे हम समझ नहीं पाये।

उन्होंने कहा, शुरुआत में विकेट धीमा था, और दूधिया रोशनी में यह आसानी से फिसलने लगा। हम शायद गेंद के साथ तालमेल बिठाने में उतने तेज नहीं थे और अंत में अपनी लेंथ से भटक गये। साइटस्क्रीन और लाइट्स के आसपास बहुत कुछ हो रहा था। यह निराशाजनक था। अगर मैं एक मिनट और रुकती, तो हम मैदान छोड़कर वापस आ जाते। हीली ने हालांक भारत के धैर्य की प्रशंसा की और इस जीत को खेल के लिए एक शानदार पल बताया।

प्रतिका को जय शाह के हस्तक्षेप के बाद आईसीसी ने दिया विश्वकप पदक

दुबई । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज प्रतीका रावल को भी अब विश्वकप पदक मिलेगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी)) ने चेयरमैन जय शाह के हस्तक्षेप के बाद प्रतीका को पदक देने का फैसला किया है। आईसीसी का नियम है कि विश्व कप विजेता पदक केवल उन्हीं 15 खिलाड़ियों को मिलता है जो दल का हिस्सा होते हैं। प्रतीका चोटिल हो जाने के कारण सेमीफाइनल से पहले बाहर हो गयीं थी। प्रतिका ने छह मैचों में 300 से अधिक रन बनाये थे और वह सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल थी। आईसीसी ने अब अपने नियम को बदलते हुए प्रतीका को पदक देना स्वीकार कर लिया है। प्रतीका को बांग्लादेश के खिलाफ लीग स्टेज के आखिरी मुकाबले के दौरान चोट लग गई थी।ऐसे में उनकी जगह दल में शेफाली वर्मा को शामिल किया गया था।

दल का हिस्सा होने की वजह से शेफाली को केवल 2 मैच खेलने के बाद भी विजेता का पदक मिला था पर लीग स्तर में शानदार प्रदर्शन करने वाली प्रतीका को नहीं मिला। जब प्रतीका रावल को मेडल नहीं मिला तो सोशल मीडिया पर प्रशंसकों ने आवाज उठाई और भारत की जीत में उनके योगदान के लिए आईसीसी पर दबाव बनाया।

अक्षर ने बताया सफलता का राज

गोल्ड कोस्ट । ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टीम मैच में शानदार प्रदर्शन कर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले स्पिर ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने कहा कि उन्होंने अपनी पिछली गलतियों सबक लेते हुए शॉट खेले जिसका लाभ उन्हें मिला। अक्षर ने इस मैच में 11 गेंदों में एक चौका और एक छक्का लगाकर नाबाद 21 रन बनाये। उन्होंने इस दौरान अंतिम ओवर में मार्कस स्टोइनिस के खिलाफ लगातार गेंदों पर चौका और छक्का भी लगाया। अक्षर ने गेंदबाजी में भी जबरदस्तम प्रदर्शन करते हुए दो विकेट लिए। भारत ने इस मैच को 48 रन से जीतकर सीरीज में 2-1 की बढ़त बना

अक्षर को गेंद और बल्ले से अहम भूमिका निभाने के कारण प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड भी मिला।

अक्षर ने ' कहा, " मुझे पता था कि रन बनाना कठिन होगगा क्योंकि लगातार विकेट गिर रहे थे। ड्रेसिंग रूम से मुझे यही मैसेज मिला कि मुझे आखिरी ओवर क्रीज पर जमे रहो।"

साथ ही कहा, "मैंने सोचा कि आखिरी ओवर में बड़े शॉट लगाउंगा। साइड की बाउंड्री की दूरी अधिक थी लेकिन मैंने सोचा कि अगर मैं अपनी लय बनाए रखूं और गेंद पर नजर रखूं तो मैं गेंद को बाउंड्री के पार भेज सकता हूं।" उन्होंने कहा, "मैंने पहले भी महसूस किया है कि अगर मैं बाउंड्री के आकार के बारे में सोचता था तो उस तरफ शॉट नहीं खेलता था। ऐसे में यह पहले से तय शॉट बन जाता था और मैं गलतियां कर बैठता था। मैंने पिछली गलतियों से सबक लेकर यहां अपने शॉट में सुधार किये।"

डब्लयूपीएल 2026 सत्र की नीलामी से पहले टीमों ने जारी की रिटेन और रिलीज किये खिलाड़ियों की सूची

मुम्बई। महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) के 2026 सत्र के लिए हुई नीलामी से पहले फ्रैंचाइजियों ने रिटेन और रिलीज किये जाने वाले खिलाड़ियों की पूरी सूची जारी कर दी है। इसमें कई बड़ी खिलाड़ियों को रिटेज जबकि कुछ को रिलीज कर दिया है। रिटेन की गयी खिलाड़ियों में सबसे अधिक रकम आरसीबी की स्मृति मंधाना, मुम्बई इंडियंस की नैट साइवर-ब्रंट और गुजरात टाइटंस की एशले गार्डनर को मिली है। इन तीनों को ही 3.5 - 3.5 करोड़ में बरकरार रखा गया है। यूपी वॉरियर्ज़ ने दीप्ति शर्मा और सोफी एक्लेस्टोन रिलीज कर सभी को को हैरान किया है। वहीं मौजूदा चैंपियंस मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स ने अपने पूरे कोटा का उपयोग करते हुए पांच खिलाड़ियों को रिटेन किया है। इसमें एक अनकैप्ड खिलाड़ी भी शामिल था। वहीं दूसरे सत्र की विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने स्मृति मंधाना, ऋचा घोष, एलिसे पेरी और श्रेयंका पाटिल को रिटेन किया है। वहीं हैरानी की बात है कि गुजरात ने दक्षिण अफ्रीकी टीम की कप्तान लॉरा वोलवार्ट को रिलीज कर दिया है।

मुम्बई इंडियंस ने भारतीय टीम को विश्वकप जिताने वाली कप्तान हरमनप्रीत कौर को रिटेन किया है। वह फ्रेंचाइजी के लिए दूसरी रिटेंशन थीं, जबकि इंग्लैंड की कप्तान नैट सिवर-ब्रंट को नंबर एक खिलाड़ी के तौर पर रिटेन किया गया है। उन्हें 3.50 करोड़ रुपये की सबसे अधिक रकम मिली है।

गुजरात जायंट्स ने दो विदेशी खिलाड़ियों एशले गार्डनर और बेथ मूनी को रिटेन किया है जबकि यूपी वॉरियर्ज़ ने केवल अनकैप्ड श्वेता सहरावत को ही रिटेन किया है। वहीं विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करने वाली ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा और सोफी एक्लेस्टोन जैसे खिलाड़ियों को रिलीज कर सभी को हरान कर दिया।

रिटेन की गयी खिलाड़ी इस प्रकार हैं-

मुम्बई इंडियंस

नैट-सिवर ब्रंट (ऋह्य. 3.5 करोड़), हरमनप्रीत कौर (.5 करोड रुपये), हेली मैथ्यूज (ऋह्य. 1.75 करोड़ रुपये), अमनजोत कौर (1 करोड रुपये), जी कमलिनी (. 50 लाख)

रिलीज की गयी खिलाड़ी- एमेलिया केर, क्लो ट्रायन, नादिन डी क्लर्क, अक्षिता महेश्वरी, अमनदीप कौर, जिंतिमनी कलिता, कीर्तना बालकृष्णन, सजीवन संजना, संस्कृती गुप्ता, यास्तिका भाटिया, परुनिका सिसोदिया, साईका इशाक, शबनिम इस्माइल।

दिल्ली कैपिटल्स

रिटेन की गयी खिलाड़ी- जेमिमा रोड्रिग्स (ऋह्य. 2.2 करोड रुपये), शैफाली वर्मा (ऋह्य. 2.2 करोड रुपये), एनाबेल सुथरलैंड (ऋह्य. 2.2 करोड रुपये), मरिजाने कैप (ऋह्य. 2.2 करोड रुपये), निकी प्रसाद (ऋह्य. 50 लाख)

रिलीज किए गए खिलाड़ी- मेग लैनिंग, स्नेहा दीप्ति, एलिस कैप्सी, अरुंधति रेड्डी, जेस जोनासेन, मिनु मणि, एन चरानी, शिखा पांडे, नंदिनी कश्यप, सारा ब्राइस, तानिया भाटिया, राधा यादव, तितास साधु

गुजरात जायंट्स

रिटेन किए गए खिलाड़ी- एशले गार्डनर (ऋह्य. 3.5 करोड रुपये), बेथ मूनी (ऋह्य. 2.5 करोड रुपये)

रिलीज किए गए खिलाड़ी- भारती फुलमाली, लॉरा वोलवार्ट, फोएबे लिचफील्ड, सिमरन शेख, डेनिएल गिब्सन, दयालन हेमलता, डिएंड्रा डॉटिन, हरलीन देओल, सायली सतघरे, तनुजा कंवर, काश्वी गौतम, मननत कश्यप, मेघना सिंह, प्रकाशिका नाइक, प्रिया मिश्रा, शबनम शकील

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

रिटेन किए गए खिलाड़ी- स्मृति मंधाना (ऋह्य. 3.5 करोड रुपये), ऋचा घोष (ऋह्य. 2.75करोड रुपये), एलिसे पेरी (ऋह्य. 2 करोड रुपये), श्रेयंका पाटिल (ऋह्य. 60 लाख)

रिलीज किए गए खिलाड़ी- डैनी वायट, सब्बिनेनी मेघना, चार्ली डीन, जॉर्जिया वेयरहैम, हीथर ग्राहम, जोशिता वी जे, कनिका आहूजा, किम गार्थ, प्रेमा रावत, राघवी बिस्ट, स्नेह राणा, नुज़हत परवीन, एकता बिष्ट, जग्रवी पवार, रेनुका सिंह

यूपी वॉरियर्ज़

रिटेन की गयी खिलाड़ी- श्वेता सहरावत (ऋह्य. 50 लाख)

रिलीज की गयी खिलाड़ी- अरुषि गोयल, जॉर्जिया वोल, किरण नवगिरे, वृंदा दिनेश, चिनेल हेनरी, दीप्ति शर्मा, ग्रेस हैरिस, क्रांति गौड़, पूनम खेमनार, सोफी एक्लेस्टोन, ताहलिया मैक्ग्रा, उमा छेत्री, अलाना किंग, अंजलि सरवानी, गौहर सुल्ताना, राजेश्वरी गायकवाड़, सायमा ठाकोर

किस फ्रेंचाइजी टीम के पास कितनी रकम बची

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु - 6.15 करोड़ (1 आरटीएम)

मुंबई इंडियंस - 5.75 रुपये (0 आरटीएम)

दिल्ली कैपिटल्स - 5.7 रुपये (0 आरटीएम)

गुजरात जायंट्स - 9 रुपये (3 आरटीएम)

पैरा तीरंदाज शीतल अब एशिया कप में सामान्य तीरंदाजों के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगी

नई दिल्ली। पैरा तीरंदाज शीतल देवी को जेद्दा में होने वाले आगामी एशिया कप चरण तीन के लिए भारत की सामान्य जूनियर टीम में शामिल किया गया है। विश्व कंपाउंड चैंपियन शीतल ने पिछले साल इच्छा जतायी थी कि एक दिन वह सक्षम एथलीटों के साथ प्रतिस्पर्धा करना चाहती हैं। इससे ठीक एक साल बाद उनका यह सपना पूरा हुआ है। सामान्य टीम में जगह मिलना शीतल के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। शीतल ने टीम की घोषणा के बाद सोशल मीडिया पर लिखा, 'जब मैंने प्रतिस्पर्धा शुरू की थी तो मेरा एक छोटा सा सपना एक दिन सक्षम तीरंदाजों के साथ प्रतिस्पर्धा करने को मिलेगी जो अब पूरा हुआ है। शुरुआत में मैं इसमें

सफल नहीं हो पाई, लेकिन मैं हर असफलता से सीखते हुए आगे बढ़ती रही। आज वह सपना पूरा होने के करीब है।'

गौरतलब है कि पेरिस पैरालंपिक 2024 में मिश्रित टीम कंपाउंड स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने वाली शीतल को तुर्की की पेरिस पैरालंपिक चैंपियन ओजनूर क्यूर गिर्डी से प्रेरणा मिली जो पैरा एथलीट होने के बाद भी विश्व स्तर पर सक्षम तीरंदाजों की स्पर्धाओं में भी शामिल होती रही है। शीतल सोनीपत में हुए चार दिवसीय राष्ट्रीय चयन ट्रायल में तीसरे स्थान पर रहीं। शीतल ने क्वालीफिकेशन दौर में 703 अंक हासिल किए (पहले दौर में 352 और दूसरे दौर में 351) जो शीर्ष क्वालीफायर तेजल साल्वे के कुल अंक के बराबर स्कोर था।

फाइनल रैंकिंग में तेजल (15.75 अंक) और वैदेही जाधव (15 अंक) ने शीर्ष दो स्थान हासिल किए जबकि शीतल ने 11.75 अंक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। शीतल ने महाराष्ट्र की ज्ञानेश्वरी गडाधे को 0.25 अंक के मामूली अंतर से पीछे छोड़ा।

टीमें इस प्रकार हैं-

रिकर्व-

पुरुष- रामपाल चौधरी, रोहित कुमार, मयंक कुमार

महिला- कोंडापावुलुरी युक्ता श्री, वैष्णवी कुलकर्णी, कृतिका बिचपुरिया

कंपाउंड-

पुरुष- प्रद्युमन यादव, वासु यादव, देवांश सिंह

महिला- तेजल साल्वे, वैदेही जाधव, शीतल देवी।

न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए हेनरी को शामिल किया

विलियमसन को नहीं मिली जगह

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 16 नवंबर से हेगले ओवल में शुरु हो रही तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम घोषित कर दी है। इस टीम में अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन को शामिल नहीं किया गया है। विलियमसन को 2 दिसंबर से हैगले ओवल में शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज की तैयारी के कारण बाहर रखा गया है। वहीं तेज गेंदबाज मैट हेनरी की वापसी हुई है। हेनरी चोटिल होने के कारण इंग्लैंड के खिलाफ अंतिम दो एकदिवसीय मैचों से बाहर थे। हेनरी इस सीरीज में ब्लेयर टिकनर के साथ तेज गेंदबाजी आक्रमण

की कमान संभालेंगे। वहीं हेनरी के अलावा जैकब डफी, ज़ैक फोल्क्स, काइल जैमीसन और नाथन स्मिथ भी छह सदस्यीय तेज गेंदबाजी ग्रुप में शामिल हैं। कप्तान मिचेल सैंटनर, माइकल ब्रेसवेल और रचिन रवींद्र को स्पिनर के तौर पर रखा गया है।

इस सीरीज में फिन एलन , लॉकी फर्ग्यूसन सहित कई खिलाड़ियों को फिट नहीं होने के कारण जगह नहीं मिली है।

न्यूजीलैंड टीम

मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल , मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे , जैकब डफी, ज़ैक फोल्क्स , मैट हेनरी , काइल जैमीसन , टॉम लैथम (विकेटकीपर), डेरिल मिचेल , रचिन रवींद्र , नाथन स्मिथ , ब्लेयर टिकनर , विल यंग।

जब शिवम पर भड़क गये सूर्यकुमार

क्वींसलैंड। भारतीय टी0 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव यहां मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ चौथे टी20 मैच में ऑलराउंडर शिवम दुबे पर भड़क गये। भारतीय टीम ने ये मैच 48 रनों से जीतकर सीरीज में 2-1 की बढ़त हासिल की है। सूर्यकुमार मैच के 12वें ओवर की आखिरी गेंद पर शिवम पर तब भड़के गये जब उन्होंने मार्कस स्टोइनिस को ऑफ-स्टंप के बाहर एक शॉर्ट गेंद फेंकी, जिसपर स्टोइनिस ने बैकवर्ड पॉइंट के ऊपर से चौका लगा दिया। इससे ऑस्ट्रेलिया को आसानी से चार रन मिल गये। सूर्यकुमार ने खराब गेंद फेंकने के लिए शिवम को फटकारा। इस मैच में स्पिन ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर ने पांच गेंदों में तीन विकेट लिए जिससे भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 48 रनों से हरा दिया। ऑस्ट्रेलियाई टीम 168 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 11.3 ओवर में 18.2 ओवर में 119 रन ही बना पायी। मेजबान ने अपने अंतिम सात विकेट 41 गेंदों में 28 रनों पर खो दिये और घरेलू मैदान पर अपने दूसरे सबसे कम टी20 स्कोर पर आउट हो गयी। इससे पहले वह साल 2022 में सिडनी में न्यूजीलैंड के खिलाफ 111 रन ही बना पायी थी।

मुम्बई इंडियंस ने हरमनप्रीत को दूसरे, नैट साइवर-ब्रंट को पहले नंबर पर रिटेन किया

मुम्बई । महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) नीलामी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर को मुम्बई इंडियंस ने दूसरे नंबर पर रिटेन किया । विश्वकप जीतने के बाद दूसरी सबसे ज्यादा मांग हरमनप्रीत कौर की है। इसके बाद भी उन्हें दूसरे नंबर पर रखा गया है। वहीं पहले नंबर पर इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर-ब्रंट को रखा गया है। नीलामी के लिए सभी छह फ्रैंचाइजी ने अपनी रिटेंशन सूची जारी कर दी है। इसमें बड़े नाम अपनी टीम के साथ बरकरार हैं तो कई खिलाड़ियों को रिलीज कर दिया गया है। हरमनप्रीत को दूसरे

नंबर पर रिटेन होने के कारण एक करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है पर उन्होंने रिटेंशन के लिए सहमति दे दी है।

अब उनकी जगह इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर-ब्रंट को सबसे ज्यादा पैसे मिलेंगे। नेट को जहां मुंबई इंडियंस से 3.5 करोड़ रुपये मिलेंगे, जबकि हरमनप्रीत को 2.5 करोड़ रुपये मिलेंगे। हरमन को साल 2023 में पहली नीलामी के बाद पिछले तीन सत्र में 1.8 करोड़ रुपये मिले थे।

नैट साइवर-ब्रंट हरमनप्रीत की कप्तानी वाली मुम्बई इंडियंस टीम की सबसे अहम खिलाड़ी रही हैं। नैट 1072 रनों के साथ ही टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं। वह 32 विकेट लेकर पांचवीं सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज भी हैं। नताली लेस्बियन हैं और उनकी शादी कैथरीन ब्रंट से हुई है। कैथरीन भी दिग्गज क्रिकेटर रहीं हैं। इस जोड़ी ने मिलकर इंग्लैंड को 2017 का महिला विश्व कप जिताया था।

टी20 में भारतीय टीम को हराने इन दो खिलाड़ियों पर लगाना होगा अंकुश-अश्विन

चेन्नई । पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि टी20 में भारतीय टीम को हराने के लिए विरोधी टीम को आक्रामक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और रहस्यमीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती पर अंकुश लगाना होगा जो बेहद कठिन है। अश्विन ने कहा, अभी तक मैं कह रहा था कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर नियंत्रण रखना होगा पर अब मुझे लगता है कि जिस प्रकार से टिम डेविड ने वरुण पर नियंत्रण किया वैसा ही करना होगा। मुझे लगता है कि अगर टीमों को भारत से जीतना है तो वे अभिषेक और वरुण को निशाना बनाएंगी। अभिषेक के खिलाफ, हम इस सीरीज में उनकी बनाई रणनीति जरूर देखेंगे और वे उसे जरूर लागू करेंगे। जो भी टीमें आ रही हैं, वे विश्वकप की तैयारी के साथ आ रही हैं। वरुण के खिलाफ भी ऐसा ही होगा, क्योंकि इससे विरोधी टीमों को टी20 विश्व कप में बढ़त मिलेगी। अश्विन ने यह भी कहा कि ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज़ों ने अभिषेक को ऑफ स्टंप के बाहर वाइड एंगल से गेंदें डालकर उनकी आक्रामकता रोकने का प्रयास किया है।

शमी को टीम में शामिल नहीं किये जाने पर अश्विन ने उठाये सवाल

चेन्नई ।एजेंसी। पिछले काफी समय से भारतीय टीम बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत ए टीम में भी जगह नहीं मिलने से उनके करियर के समाप्त होने की आशंकाएं जाहिर की जा रही है। इसका कारण है कि हाल में उन्होंने रणजी ट्रॉफी में काफी अच्छा प्रदर्शन कर अपना फार्म और फिटनेस दिखा दी थी। इसके बाद भी उन्हें टीम में शामिल नहीं किये जाने पर पूर्व ऑफ स्पिनर आर अश्विन ने नाराजगी जतायी है। अश्विन का कहना है कि शमी की हालिया फॉर्म और प्रदर्शन के आधार पर उन्हें टीम में जगह मिलनी चाहिए थी, लेकिन चयनकर्ताओं के फैसले से लगता है कि या तो वे उनसे कुछ और उम्मीद कर रहे हैं, या फिर वह उनकी योजनाओं में शामिल नहीं रहे।

अश्विन ने कहा, सिर्फ विकेट्स और प्रदर्शन को देखें तो शमी को टीम में होना चाहिए था। लेकिन चयनकर्ताओं का रुख बताता है कि या तो वे उनसे ज्यादा उम्मीद कर रहे हैं या उन्होंने उन्हें योजना से बाहर कर दिया है। अगर ऐसा है तो खिलाड़ियों से साफ बातचीत होनी चाहिए। जिससे उन्हें पता चले कि सुधार कहां करना है।

अश्विन के इस बयान ने चयन नीति पर फिर से बहस छेड़ दी है, क्योंकि शमी की जगह पर बंगाल के युवा तेज गेंदबाज आकाशदीप को मौका मिला है, जिन्होंने हाल के मैचों में बहुत अधिक अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। रणजी के मौजूदा सीजन में शमी का औसत सिर्फ 15.53 रहा है, और उन्होंने एक फाइव-विकेट हॉल भी झटका है। वहीं, आकाशदीप ने अब तक केवल चार विकेट हासिल किए हैं।

संगठन सृजन वह नींव है, जिस पर इमारत बहुत सुदृढ़ बनेगी- तिवारी

कांग्रेस के दीपावली मिलन समारोह में पर्यवेक्षक ने पढ़ाया संगठनात्मक एकता का पाठ, आगामी रूपरेखा पर हुई चर्चा

पद्मेश न्यूज।कटंगी। संगठन सृजन हमारे नेता राहुल गांधी द्वारा गढ़ी गई एक पुण्य विचारधारा है। यह वह नींव है जिस पर इमारत बहुत सुदृढ़ बनेगी। यह अभियान आने वाले समय फलीभूत होता हुआ दिखाई देगा। उक्ताशय के उद्गार कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के बालाघाट पर्यवेक्षक अयोध्या तिवारी ने व्यक्त किए। वे शुक्रवार को स्थानीय श्रीराम भवन में आयोजित कांग्रेस के विधानसभा स्तरीय दीपावली मिलन समारोह कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर पूर्व सांसद बोधसिंग भगत, वरिष्ठ नेता बद्रीप्रसाद दुबे, रूपलाल पारधी, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष सुनील जैन, महावीर मोर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। विधानसभा क्षेत्र से बड़ी संख्या में संगठन पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता यहां एकत्र हुए। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा नियुक्त संगठन सृजन अभियान के पर्यवेक्षक दीपावली मिलन समारोह के माध्यम से संगठन की नब्ज टटोलने बालाघाट प्रवास पर है।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पर्यवेक्षक अयोध्या तिवारी ने कहा कि विपक्ष जनता की आन बान शान है। हमें आगामी समय में बड़ी तल्लिनता एवं संजीदगी के साथ संगठन का एक अच्छा स्वरूप बिठाकर इबारत लिखेंगे। हमारा लक्ष्य संगठन को मजबूत करने के साथ ही आने वाला कटंगी विधानसभा चुनाव जीतना है। नगरीय निकाय एवं लोकसभा चुनाव के लिए संगठनात्मक मजबूती की आवश्यकता है। तिवारी ने कहा हमें व्यक्ति व्यवस्था का त्याग कर संगठन की व्यवस्था को सुदृढ़ करना है। संगठन नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता के आपसी समन्वय के साथ मजबूत होगा। संगठन सृजन अभियान की आगामी रूपरेखा का डपऑपफ्ट तैयार किया जा रहा है। 8 नवम्बर को दोपहर बाद सभी के पास पीडीएफ भेज दी जाएगी। कार्यकर्ता सौंपे गए दायित्व के निर्वहन के लिए अपनी कम कस लें। इस अवसर पर कांग्रेस के जिला महामंत्री नीरज हीरावत, गोविंद बिसेन, दिनेश पटले, ताराचंद बिसेन, ब्लॉक अध्यक्षों में नोखेन्द्र सिंगनदुपे कटंगी, ज्ञानीराम राहंगडाले तिरोड़ी, गंगाराम डहरवाल भौरगढ़, पूर्व सेवादल अध्यक्ष नरेश कटारिया,पार्षद कपिल मेश्राम, देवेन्द्र बारेवार, दीपक पुष्पतोड़े, गुनीराम बघेले आदि उपस्थित रहे।

जवाबदारी को जमीनी स्तर पर सिद्ध करेंगे- कटारिया

सेवादल के पूर्व अध्यक्ष नरेश कटारिया ने कहा कि सभी साथियों मान-सम्मान के साथ लेकर जवाबदारी दी जाएगी तो पार्टी मजबूत होगी। कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर सौंपी गई जवाबदारी को सिद्ध करके दिखाएंगे। परिवार की माता बहनों को भी पार्टी से जोड़कर मातृशक्तियों का संगठन मजबूत कर अपनी ताकत दिखानी है।

कांग्रेस को परिवार बढ़ा करने की जरूरत- बोधसिंग

पूर्व सांसद बोधसिंग ने कहा कि हमें अपना परिवार बढ़ाना है। किसी के आने से किसी की अहमियत कम हो जाएगी इस छोटी सोच का त्याग कर कार्यकर्ताओं को पार्टी के लिए मेहनत एवं परिश्रम करना है। प्रत्येक कार्यकर्ता दिन का एक घंटा भी संगठन के लिए दें तो अच्छे परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। प्रतिभाओं की उपेक्षा नहीं करनी है। मौजूदा सरकार पर निशाना साधते हुए पूर्व सांसद ने कहा कि बीजेपी चुनाव जीतने के लिए नियम कायदों को ठेंगा दिखा रही है। बिहार में आचार संहिता लागू होने के बावजूद दस हजार रू. मतदाताओं को प्रदान कर प्रलोभन दिया जा रहा है। जो कार्य यूपीए सरकार कर चुकी है उन्हीं को मोडिफाइड कर वाहवाही बटोर रही है। स्व.प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान के दो टुकड़े कर बांग्लादेश बना दिया। स्व.राजीव गांधी ने अयोध्या में भगवान राम की पूजा शुरू करवायी तो इतना ढिंढोरा नहीं पीटा लेकिन मौजूदा मोदी सरकार इन्हीं चीजों पर जनता को बरगला रही है।

हम कांग्रेस के हैं, इस भाव से काम करें- हीरावत

जिला महामंत्री नीरज हीरावत ने कहा कि कांग्रेस में संगठन सर्वोपरि है इसके आगे कुछ भी नहीं है। अब तक सिर्फ नेता बनने के लिए कांग्रेस का उपयोग होता हुआ आया है। इस धारणा का त्याग कर दिमाग में एक बात बिठा लें कि हम कांग्रेस के हैं, इस मंशा से काम नहीं करेंगे तब तक कांग्रेस की स्थिति नहीं सुधरने वाली। अंतिम विधानसभा चुनाव में पार्टी ने जो गलतियाँ की उसका बड़ा खामियाजा भी भुगतना पड़ा। पार्टी के तीन फाड़ हो जाने के बावजूद हमारे प्रत्याशी को 65000 वोट मिलें। यदि एकजुटता रहती तो कटंगी विधानसभा सीट हाथ से नहीं जाती। सबकुछ भूलकर आगे अनुशासनात्मक कार्यप्रणाली अपनाकर कार्य करना है। पार्टी जिसे भी टिकिट दें हमें कांग्रेस को केन्द्र में रखकर काम करना है।

सरकार की अनियमितताएं जनता को समझाएं- बघेले

खैरलांजी पदाधिकारी गुनीराम बघेले ने कहा कि देश में एसएससी सीजीएल सहित अन्य परीक्षाओं के माध्यम से भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। प्रदेश में अनपढ़ पटवारी बन गए। इस तरह कुछ भी ठीक नहीं है फिर भी ये बातें हम जनता को समझा नहीं पा रहे हैं। युवाओं को यह बात गांव-गांव तक पहुंचानी है। सरकार की अनियमिताएं बतानी है।

युवक कांग्रेस के नवनियुक्त पदाधिकारियों को किया सम्मानित

विधानसभा युवक कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष आकाश कड़वे का पर्यवेक्षक अयोध्या तिवारी द्वारा पुष्पहार बनने पर स्वागत किया गया। इनके अलावा विधानसभा के तीनों ब्लॉक के नवनियुक्त अध्यक्ष खिलेन्द्र मेश्राम, प्रलय डेकाटे एवं नीतेश उपवंशी का भी स्वागत किया गया।

डिस्ट्रिक्ट हब फॉर एंपावरमेंट के तहत जागरूकता कार्यशाला संपन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीणा एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती दीपमाला सोलंकी के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित वन स्टॉप सेंटर द्वारा निरंतर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। 07 नवम्बर को वन स्टॉप सेंटर बालाघाट-1 व वन स्टॉप सेंटर-2 बैहर द्वारा लांजी विकासखंड के ग्राम पौसेरा, चिलोरा एवं बिरसा विकासखंड के ग्राम कोदापार आंगनवाड़ी केंद्र सोनगुड्डा में जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यशाला में उपस्थित महिलाओं व ग्रामीणजनों को स्वास्थ्य संबंधी एवं बालिकाओं को उनके उज्जवल भविष्य के लिए उनसे सम्बंधित शिक्षा के अधिकार जैसे कानूनी अधिकारों, साईबर अपराध आदि विषयों पर चर्चा कर आपातकालीन नंबर महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा गुड टच-बैड टच जैसे विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई ।

शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय बालाघाट में मनायी गई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय बालाघाट में 07 नवम्बर को राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य आरएम सोनवे एवं विभागाध्यक्ष आलोक चौहान के निर्देशन में विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों द्वारा वंदे मातरम गीत का सामूहिक गायन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य देशभक्ति की भावना को प्रबल करना तथा विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम और सांस्कृतिक गौरव की भावना को जागृत करना था। प्राचार्य श्री सोनवे ने अपने संबोधन में कहा कि वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत की आत्मा और स्वाधीनता आंदोलन की प्रेरणा है। कार्यक्रम में सभी विभागों के शिक्षकगण एवं विद्यार्थी शामिल रहें।

प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस में राष्ट्रगीत वंदे मातरम की 150 वीं वर्षगांठ मनाई गई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राष्ट्रगीत वंदे मातरम की 150 वीं वर्षगांठ पर शुक्रवार 07 नवंबर को प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के मार्गदर्शन में किया गया, जिसमें महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्र छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य वंदे मातरम गीत के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय महत्व को स्मरण कर देशभक्ति की भावना को जागृत करना था। कार्यक्रम के दौरान वंदे मातरम का सामूहिक गायन किया गया तथा इसके रचयिता बंकिमचंद्र चटर्जी के योगदान पर विचार विमर्श किया गया। विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति गीत, भाषण एवं निबंध प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर वक्ताओं ने वंदे मातरम को भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का प्रेरणास्त्रोत बताया।

राष्ट्रगीत वंदे मातरम की 150 वीं वर्षगांठ पर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राष्ट्रगीत वंदे मातरम की 150 वीं वर्षगांठ पर 07 नवंबर को प्रात- 09:30 बजे से नूतन कला निकेतन बालाघाट में राष्ट्रीय विचार मंच बालाघाट के तत्वावधान में ''वंदे मातरम 150 वाँ स्मरणोत्सव'' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलन कर किया गया।

कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर कलेक्टर मृणाल मीना, मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग की सदस्य श्रीमती मौसम बिसेन, पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन, पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर, रमेश रंगलानी, श्रीमती रेखा बिसेन, श्रीमती लता एलकर, नगर पालिका के पार्षद, डॉ बीएम शरणागत, अन्य गणमान्य नागरिक, विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्रायें, पत्रकार, एसडीएम गोपाल सोनी, जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय, सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्य डॉ.युवराज रहांगडाले एवं आमजन उपस्थित थे। इस अवसर पर पुलिस बैण्ड द्वारा राष्ट्रभक्ति के गीतों की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में नई दिल्ली से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया और कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के संबोधन को सुना।

बिजली दुर्घटना रोकने वारासिवनी संभाग के 71 पाईंट पर हो चुका है सुधार कार्य

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर श्री मृणाल मीना द्वारा बालाघाट जिले में विद्युत दुर्घटनाओं में जन-धन हानि को रोकने के लिए सभी एक्सीडेंट पॉइंट को चिन्हित कर उनमें सुधार करने के निर्देश दिये गये हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के वारासिवनी संभाग के अंतर्गत 197 एक्सीडेंट पॉइंट चिन्हित किए गए हैं और उनमें से 71 एक्सीडेंट पॉइंट पर सुधार का कार्य किया जा चुका है एवं लगातार कार्यवाही की जा रही है।

वारासिवनी संभाग के कार्यपालन यंत्री बीएल भैना ने बताया कि दिनांक 7 नवंबर 2025 को संभाग के अंतर्गत वितरण केंद्र सावंगी के रेंगाटोला पंचायत के पास एक्सीडेंट पॉइंट का भौतिक निरीक्षण किया गया एवं एक्सीडेंट पॉइंट को सही कराया गया। यह एक्सीडेंट पॉइंट ग्राम के सरपंच द्वारा बताया गया था कि यहां पर स्कूल, आंगनबाड़ी एवं पंचायत के

परिसर है और यहां छोटे-छोटे बच्चे एवं आम जनों का लगातार आना-जाना रहता है। जिसके कारण एक्सीडेंट का खतरा बना रहता है। इसे ध्यान में रखते हुए आज 07 नवंबर को इस पाईंट पर सुधार कार्य कराया गया है। जिसमें सरपंच एवं वहां के ग्रामीणजनों द्वारा यह कार्य होने पर प्रसन्नता व्यक्त की गई है। श्री भैना ने बताया कि वारासिवनी संभाग के अंतर्गत अन्य दुर्घटना संभावित पॉइंट पर कार्य करवाया जा रहा है । इसके साथ ही साथ पीएम सूर्य घर योजना एवं विद्युत बिल के 'समाधान योजना' के संबंध में शिविर आयोजित करके बिजली उपभोक्ताओं को बताया जा रहा है।

एडीआर की रिपोर्ट में खुली बिहार की 163 पार्टियों की पोल

नई दिल्ली। चुनावी पारदर्शिता पर बड़ा सवाल उठाते हुए एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा है कि बिहार से जुड़ी 59.27 प्रतिशत अपंजीकृत राजनीतिक पार्टियों ने वित्तीय वर्ष 2023-24 की अनिवार्य वित्तीय रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की है। एडीआर ने कुल 275 अपंजीकृत पार्टियों की जांच की, जिनमें 184 बिहार में पंजीकृत और 91 अन्य राज्यों की हैं। इनमें से 163 पार्टियों ने न तो ऑडिट रिपोर्ट दी है और न ही 20 हजार रुपये से अधिक के दान का ब्योरा राज्य निर्वाचन अधिकारी या चुनाव आयोग की वेबसाइट पर साझा किया है।

दिलचस्प बात यह है कि इनमें से 113 पार्टियों ने 2020 बिहार विधानसभा चुनाव में हिस्सा लिया था। रिपोर्ट में बताया गया कि केवल 67 पार्टियों (24.36 प्रतिशत) ने अपनी ऑडिट और योगदान रिपोर्टें सार्वजनिक कीं। इन पार्टियों ने कुल मिलाकर 85.56 करोड़ रुपये की आय, 71.49 करोड़ का व्यय और 71.73 करोड़ रुपये के दान का खुलासा किया। इनमें दिल्ली में पंजीकृत समता पार्टी ने सबसे अधिक 53.13 करोड़ रुपये की आय दर्ज की, जबकि सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया (कम्युनिस्ट) ने 9.59 करोड़ रुपये की आय दिखाई।

कई दलों ने आय घोषित की लेकिन चुनाव नहीं लड़ा

रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि चुनाव आयोग ने अगस्त और सितंबर 2025 में 32 निष्क्रिय और गैर-अनुपालक पार्टियों को डीलिस्ट किया। इनमें से बिहार की राष्ट्रीय सर्वोदय पार्टी ने पांच साल में सबसे अधिक 10.66 करोड़ रुपये की आय घोषित की थी, बावजूद इसके कि उसने चुनाव नहीं लड़ा था। एडीआर की रिपोर्ट बताती है कि बिहार की 28 अपंजीकृत पार्टियों ने कोई चुनाव नहीं लड़ा, लेकिन इनका कुल पांच साल का घोषित आय स्त्रोत 1.52 करोड़ रुपये रहा। इनमें मिथिलावादी पार्टी ने सबसे अधिक 82.39 लाख रुपये की आय दिखाई।

31 पार्टियों का दान विवरण नहीं

31 ऐसी पार्टियों के मामले में, जिनकी ऑडिट रिपोर्ट तो उपलब्ध थी लेकिन दान विवरण नहीं, एडीआर ने पाया कि उनकी कुल आय और दान लगभग समान हैं, जो बताता है कि उनका मुख्य आय स्त्रोत सिर्फ योगदान (डोनेशन) है। सबसे ज्यादा आय वाली पार्टी राष्ट्रीय जनसंभावना पार्टी रही, जिसने 16.47 करोड़ रुपये की आय घोषित की। यह इस श्रेणी की कुल आय का 90 प्रतिशत से अधिक है। 14 ऐसी पार्टियां भी थीं जिन्होंने सिर्फ योगदान रिपोर्ट सौंपी। इनमें से आप जनमत पार्टी और प्रबल भारत पार्टी (दोनों बिहार में पंजीकृत) को कुल 680.65 करोड़ रुपये का दान मिला। यानी इस श्रेणी की कुल दान राशि का 99 प्रतिशत।

पीजी कॉलेज में स्वयं पोर्टल पर पंजीयन की प्रक्रिया पर हुआ वर्चुअल प्रसारण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रधानमंत्री कालेज आफ एक्सीलेंस जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत स्वयं पोर्टल पर उपलब्ध एमओओसीएस (स्व्हह्लष्टह्य) में पंजीयन की प्रक्रिया एवं आनलाईन अध्ययन विषय पर महाविद्यालय के वर्चुअल कक्ष में ऑनलाईन प्रसारण किया गया। इस दौरान एनईपी के संबंध में सहा.प्रा. डॉ. प्रवीण कौशले द्वारा स्वयं पोर्टल के विषय मे विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही प्रो. विजय यादव द्वारा अपार आई.डी. के संबंध मे एवं डॉ. तेजेन्द्र सिंह शिव सहा.प्रा. द्वारा क्रेडिट स्थानांतरण एवं पाठ्यक्रम संबंधी अन्य जानकारी उपस्थित प्राध्यापकों एवं प्रथम वर्ष के छात्र/छात्राओ को दी गई। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, अतिथि विद्वा, जनभागीदारी शिक्षक उपस्थित रहें।

हिंदू एकता को बढ़ावा देने 10 दिवसीय पदयात्रा पर निकले आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री

नई दिल्ली। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने 7 नवंबर को दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश की 10 दिवसीय पदयात्रा शुरू की। 145 किलोमीटर की पदयात्रा का उद्देश्य हिंदू एकता को बढ़ावा देना, जाति-आधारित भेदभाव को खत्म कर और शांति, राष्ट्रवाद और सनातन मूल्यों का संदेश

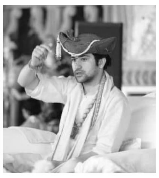

फैलाना है। यह पदयात्रा 16 नवंबर तक जारी रहेगी। पदयात्रा के शुभारंभ के मौके पर शास्त्री ने कहा कि यह हमारे जीवनकाल की दूसरी पदयात्रा है। हम पदयात्रा के द्वारा हिंदुओं में जागृति चाहते हैं। जातिवाद और भेदभाव का अंत होना चाहिए। हम इस देश में जातिवाद नहीं, बल्कि राष्ट्रवाद चाहते हैं। हमारे और आपके हिंदू बच्चे सुरक्षित रहें और देश का इस्लामीकरण न हो। दंगे न हों, गंगा का प्रवाह हो। इसीलिए हम यह पदयात्रा कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि देश सबका है। यह हर उस पार्टी की पदयात्रा है जिसमें हिंदू हैं। अगर जाति-आधारित झगड़े खत्म हो जाएँ, तब हिंदू एकजुट हो जाएँगे। पूरे भारत से करीब 40,000 प्रतिभागियों ने इस पदयात्रा के लिए पंजीकरण कराया है। प्रत्येक दिन की शुरुआत राष्ट्रगान और हनुमान चालीसा से होगी, जिसके बाद हिंदू एकता को बढ़ावा देने और जातिगत भेदभाव को समाप्त करने के उद्देश्य से सात दैनिक प्रतिज्ञाएँ ली जाएँगी। शास्त्री ने स्पष्ट किया कि हम मुसलमानों के विरुद्ध नहीं, बल्कि हिंदुओं के समर्थन में मार्च कर रहे हैं। हम हर गाँव और गली तक पहुँचकर सभी हिंदुओं के लिए लड़ रहे हैं। हमारा एकमात्र उद्देश्य हिंदू और सनातन एकता है।

अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता महीने के अंत तक सफल हो सकती है - नीति आयोग

नई दिल्ली। नीति आयोग के सीईओ बी.वी.आर. सुब्रमण्यम ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता महीने के अंत तक सफल हो सकती है। साथ ही कहा कि देश को अपनी निवेश दर को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 35-36 प्रतिशत तक बढ़ाना होगा। उन्होंने देश की आर्थिक राजधानी में एक मीडिया इवेंट में कहा कि बातचीत सही दिशा में आगे बढ़ रही है और उम्मीद है कि महीने के अंत तक हमें इस मोर्चे पर कुछ खबर मिलेगी। इसके अतिरिक्त नीति आयोग के सीईओ ने कहा कि नेशनल मैन्युफैक्चरिंग मिशन नवंबर तक चालू हो जाएगा, जिसमें 15 सेक्टर्स पर केंद्रित वैश्विक स्तर के प्रतिस्पर्धी मैन्युफैक्चरिंग हब स्थापित करने के लिए 75 स्थानों पर सेक्टोरल क्लस्टर बनाने का प्रस्ताव है। उन्होंने कहा कि भारत को 8-9 प्रतिशत की विकास दर बनाए रखने के लिए अपनी निवेश दर को हर साल जीडीपी के 35-36 प्रतिशत तक बढ़ाने की आवश्यकता है, जो वर्तमान में लगभग 30-31 प्रतिशत है।

उन्होंने कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि इसे वैश्विक अर्थव्यवस्था में सबसे उज्ज्वल स्थान बनाती है। आकार, बाजार की गहराई, इनोवेशन क्षमता और टैलेंट पूल जैसी अनूठी खूबियों के कारण अन्य देश भारत के साथ जुड़ने के लिए बाध्य होंगे। नीति आयोग के सीईओ ने विकसित राष्ट्र का दर्जा हासिल करने के लिए निरंतर खुलेपन, नीतियों में निरंतरता और कौशल विकास पर फोकस को जरूरी बताया। उन्होंने कहा, भले ही अन्य देश टैरिफ लगाएं, लेकिन भारत को एक विश्वस्तरीय, खुली अर्थव्यवस्था बने रहना चाहिए।

09 से 14 नवम्बर तक मनाया जायेगा न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण के मार्गदर्शन में 09 से 14 तक जनसामान्य तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित किये जाने के उद्देश्य से ''न्यायोत्सव'' विधिक सेवा सप्ताह मनाया जा रहा है। जिसमें विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से जन सामान्य को कानूनी जानकारी प्रदान की जायेगी।

जिला एवं सत्र न्यायालय बालाघाट से प्राप्त जानकारी अनुसार न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह अंतर्गत 09 नवम्बर को जिले में मैराथन दौड़ का आयोजन किया जा रहा है, जो रानी दुर्गावती चौक पुलिस लाईन से प्रारंभ होकर कलेक्ट्रेट रोड से अम्बेडकर चौक, काली पुतली चौक होते हुए न्यायालय परिसर में समाप्त होगी।

मैराथन रैली के पश्चात जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जाएगा। इसी तरह 10 नवम्बर को जेलों, 11 नवम्बर को विद्यालयों एवं महाविद्यालयों, 12 नवम्बर को ग्रामीण बस्तियों, 13 नवम्बर को बाल देखरेख संस्थाओं में एवं 14 नवम्बर को जिला न्यायालय परिसर से बाईक रैली का आयोजन किया जायेगा।

न्यूज गैलरी

बजरंग घाट में योग का नियमित अभ्यास कर रहे नागरिक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। योग सदियों पुरानी विद्या है। इसका प्रयोग प्राचीन काल से ही ऋषि-मुनियों द्वारा किया जाता रहा है। योग के जरिए साधु-संत वर्षो तक तप करते रहे है। वहीं वर्तमान में योग एक क्रांति बन चुका है। हर आयु के लोग ना केवल नियमित रूप से योगाभ्यास कर रहे है। बल्कि नियमित योग करके रोग

भी भगा रहे है। इसी उद्देश्य को लेकर नगर के बजरंग घाट में पतंजलि योग पीठ,आनंद मार्ग संस्था द्वारा सुबह योगाभ्यास करवाया जा रहा है। जहां प्रतिदिन लोगो द्वारा योग किया जा रहा है। इस सम्बन्ध में वार्ड 4 निवासी सुखचंद बिरनवार ने पद्मेश न्यूज से चर्चा करते हुए बताया कि मैं आठ सालों से योग कर रहा हु। इसका फायदा भी मिला। मेरा वजन बहुत अधिक था।जिससे मुझे कैरस्टॉल भी बड़ा हुआ था। जिस वजह से चलने फिरने में भी तकलीफ होती थी।साथ ही दम भी भर जाता । किसी ने सलाह दी कि आप नियमित रूप से योग करे। योग से ही मेरी बीमारी ठीक हु। सेवानिवृत्त प्राचार्य लक्ष्मी चंद मानवटकर ने बताया कि बचपन से योग कर रहा हु । आज भी फिट हु। योग करने से शरीर स्वस्थ रहता है। अर्जुन सिंह सनोडीया ने बताया कि लोगों को मोटापा, डायबिटीज, आर्थराइटिस, सवारइकल, माइग्रेन व डिप्रेशन आदि बीमारियों से निजात पाने के लिए योग आसनों का अभ्यास करना चाहिए। उन्होंने ये भी बताया कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर बजरंग घाट में कलेक्टर साहब के निर्देश पर घूमने आने वाले व्यक्ति योग सीखे। तब से प्रारंभ किया गया। प्रतिदिन सुबह यहां पर योग करते है। योग से मानसिक तनाव दूर होता है।

अब तक बीएलओ को गणना पत्रक नहीं मिला

पदमेश न्यूज। बालाघाट । भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बालाघाट जिले में 04 नवम्बर से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। इस

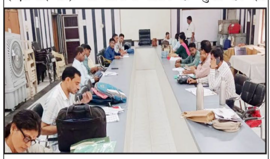

प्रक्रिया के दौरान जिले के 1675 बीएलओ 13 लाख 70 हजार 312 मतदाताओं के घर-घर जाकर सम्प र्क करने लगे हैं। वहीं नगर के 79 बूथ के बी एल ओ को गणना पत्रक नहीं प्राप्त होने की वजह से घर घर दस्तक नहीं दे पा रहे । वहीं दूसरी ओर 2003 मतदाता सूची से वर्तमान मतदाता सूची का पुनः शुद्धिकरण किया जा रहा है। जिसमें ऐसे भी लोग आ रहे है। जिनका नाम 2003 की मतदाता सूची में दर्ज।और वर्तमान में नए पते में है। जिनके सत्यापन में दिक्कत होने की संभावना जता रहे हैं। इसी समस्या को लेकर भटेरा रोड निवासी आदिल खान ने बताया कि 2008 में मेरी शादी हुई है। मेरी पत्नी का मायका वार्ड13 का है । लेकिन 2003 की वोटर लिस्ट में मेरे पूरे परिवार का नाम है। किंतु मेरी पत्नी का नहीं। जिसके द्वारा 2008 के बाद हुए चुनाव में मतदान किया है।2025 तक की सूची में उनका नाम है। इस से बहुत ज्यादा भ्रम की स्थिति बनी हुई है। न ही चुनाव आयोग द्वारा इस पर कोई गाइड लाईन भी जारी नहीं किया है। जिससे लोगों में कोई डर नहीं हो । वहीं इस सम्बन्ध में बालाघाट एस डी एम गोपाल सोनी ने बताया कि 2003 में आखिरी एसआईआर हुआ था। ऐसे मतदाताओं को जिनका नाम नई जगह की सूची में नहीं है ।उनकी भी जानकारी दे रहे है। 2003 की जानकारी एस आई एप के माध्यम से उपलब्ध करा रहे है । उन्होंने ये भी बताया कि एस आई आर 2025 का कार्यक्रम आया है ।नगर में 79 बूथ बनाए गए है। वहां पर सभी बी एल ओ को घर घर जाकर मैपिंग का कार्य कर रहे है। चुकी अभी शहर के गणना पत्रक प्रिंट होके नहीं मिले है। जैसे ही प्राप्त होंगे उपलब्ध करा दिया जाएगा।

कार की टक्कर से युवक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बस स्टैंड समीप काली पुतली चौक के पास कर की ठोकर से एक युवक घायल हो गया घायल युवक ऋषभ पिता अशोक मड़ावी 23 वर्ष ग्राम सोनपुरी थाना रूपझर निवासी है। जिसका इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषभ बालाघाट बूढ़ी में किराए से रहकर डीसीए की पढ़ाई कर रहा है। 6 नवंबर की रात 11:30 बजे करीब ऋषभ नगर के रियल फोटो कापी सेंटर से पैदल खाना खाने के लिए शंकर रेस्टोरेंट आ रहा था। तभी किसी कार ने ऋषभ को ठोस मार दी। कार की ठोकर से ऋषभ घायल हो गया था। घायल ऋषभ को उसी कार वाले ने जिला अस्पताल लाकर भर्ती किया।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

बैहर जिला बनने से अभी भी है कोसों दूर!!

70 साल बाद बदलेगा नक्शा, नए संभाग और जिले बनने की प्रक्रिया तेज! बालाघाट जिले का नाम नहीं

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

एक लम्बे अरसे से जारी बालाघाट जिले की मांग बैहर को जिला बनाने की अब तक केवल आश्वासनो तक ही सीमित है. आदिवासी बहुल बैहर इलाका वैसे भी बहुत विस्तारित है. किन्तु हर एक मुख्यमंत्री ने केवल मंचो पर चुनावी राजनीति के लिए जिला बनाने की बात की. किन्तु इस दिशा में कोई भी एक कदम आगे नहीं बढ़ा।

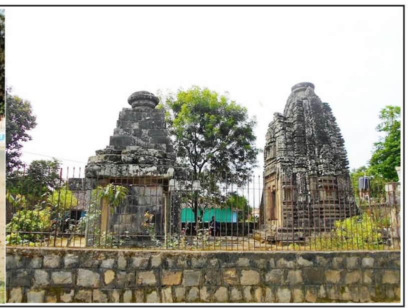

गौरतलब है कि मध्य प्रदेश के प्रशासनिक और भौगोलिक नक्शे में दिसंबर 2025 से पहले एक बड़ा ऐतिहासिक बदलाव होने जा रहा है। राज्य प्रशासनिक पुनर्गठन आयोग प्रदेश में तीन नए जिले (पिपरिया, बीना और सीहोरा बनने की प्रबल संभावना) और निमाड़ को 11वा संभाग बनाने की तैयारी में है ।किन्तु इसमें बालाघाट के बैहर का नाम नहीं है।

इस व्यापक पुनर्गठन का सीधा असर 25 से अधिक जिलों की सीमाओं पर पड़ेगा, जिसके लिए आयोग तेजी से मैदानी कार्य पूरा कर रहा है।किन्तु बालाघाट सहित कुछ जिलों को शामिल नहीं किया जा रहा है।

राज्य प्रशासनिक पुनर्गठन आयोग दिसंबर 2025 तक पिपरिया, बीना, और सीहोरा को नया जिला और निमाड़ को 11 वां संभाग बनाने की तैयारी में है। यह पुनर्गठन, जिसका उद्देश्य प्रशासनिक दक्षता बढ़ाना और वर्षों पुरानी स्थानीय मांगों को पूरा करना है। भोपाल में तहसीलों की संख्या बढ़ाएगा और मैहर होगी और रीवा में सीमा विवाद पैदा कर सकता है। इस बदलाव के साथ कई जिलों की सीमाएं नए सिरे से तय राजधानी भोपाल में पांच नई तहसीलें जोड़ी जाएंगी। सूत्रों के अनुसार, सरकार इंदौर संभाग से खंडवा, खरगोन और बुरहानपुर को अलग कर नया संभाग बनाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। इस निर्णय से न केवल प्रशासनिक ढांचा मजबूत होगा, बल्कि निमाड़ अंचल के विकास को भी नई गति मिलेगी ।जबकि बैहर क्षेत्रफल कि दृष्टिकोण से भी बेहद विस्तार में है किन्तु उसे आज तक नयी पहचान नहीं मिली।

भोपाल में बढ़ेगी तहसीलें

वर्तमान में जिले में तीन तहसीलें हुजूर, बैरसिया और कोलार हैं। अब इनके साथ टीटी नगर, एमपी नगर, गोविंदपुरा, संत हिरदाराम नगर, बैरागढ़ और पुराना भोपाल को तहसील का दर्जा देने की योजना है। नई तहसीलों के गठन से आम नागरिकों को राजस्व, नामांतरण और प्रमाणपत्र संबंधी कार्यों के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। भोपाल में हर विधानसभा क्षेत्र को एक-एक तहसील दिसंबर तक आयोग रिपोर्ट तैयार कर लेगा: आयोग दिसंबर 2025 तक यहकार्य पूरा करना चाहता है, जिसके बाद जनगणना कार्य शुरू होने तक किसी भी प्रशासनिक इकाई की सीमा को बदला नहीं जा सकेगा। आयोग का लक्ष्य जल्द से जल्द सीमांकन का काम पूरा करना है, क्योंकि जनगणना से पहले प्रशासनिक इकाइयों की सीमाएं तय करनी अनिवार्य हैं। आयोग अब तक दो दर्जन से अधिक जिलों में मैदानी कार्य पूरा का स्वरूप देने की योजना है, जिससे जिले में कुल आठ तहसीलें हो सकती है। यह पूरी प्रक्रिया पिछले वर्ष गठित राज्य प्रशासनिक पुनर्गठन आयोग की देखरेख में हो रही है। गौरतलब है कि प्रदेश के गठन से लेकर अब तक मध्यप्रदेश में 45 से बढ़कर 55 जिले बन चुके हैं। हालांकि छत्तीसगढ़ के अलग होने से पहले वर्ष 2000 में प्रदेश में जिलों की संख्या 61 थी।आयोग ने सीमाओं को साइंटिफिक तरीके से और सटीक, बनाने के लिए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफपब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, है। आई आईपीए से तकनीकी सहयोग लिया ड्रोन और सैटेलाइट सर्वे की मदद से सटीक सीमांकन तैयार किया जाएगा। बाद में नागरिकों और जनप्रतिनिधियों से प्राप्त सुझावों को मिलाकर सरकार को अंतिम रिपोर्ट सौंपी जाएगी।

निमाड़ बन सकता है नया संभाग

प्रदेश में निकट भविष्य में सबसे बड़ा बदलाव इंदौर संभाग में देखने को मिल सकता है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार इंदौर संभाग से चार जिलों जिनमें खरगोन, बड़वानी, बुरहानपुर और खंडवा को अलग कर निमाड़ को नया संभाग बनाने की तैयारी चल है। बता दें कि सीएम मोहन यादव की पहली समीक्षा बैठक में इस पर विचार किया गया था, जिसका उद्देश्य इन जिलों की राजस्व निगरानी बेहतर करना और संभागीय मुख्यालय से दूरी कम करना है। पिपरिया को जिला बनाने के लिए काफी लंबे समय से मांग की जा रही है। अभी नर्मदापुरम जिले में शामिल पिपरिया जिला मुख्यालय से करीब करीब 70 किलोमीटर पड़ती है। भौगोलिक दृष्टि से पहाड़ी इलाका होने के कारण यहां काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। बुंदेलखंड के संभागीय मुख्यालय सागर जिले की बीना तहसील को नया जिला बनाने की मांग बीते करीब 40 सालों से उठाई जा रही है। बीना में इसको लेकर जब-तब धरना-प्रदर्शन होते रहे हैं। इसमें सामान्य नागरिक, समाजसेवी, राजनीतिक दल शामिल रहे हैं। एमपी में नए जिलों के पुनर्गठन की सुगबुगाहट के बीच फिर यह मांग जोर पकडने लगी है। बीना की सागर मुख्यालय से दूरी करीब 80 किलोमीटर है। इस कारण प्रशासनिक कार्यों में विलंब होता है।

इस तरह जहां अन्य जिले और तहसीले इस नयी संरचना में प्रभावित हो रहीं हैं वहीं बालाघाट जिले की तहसील बैहर को विधिवत जिला ना बनाकर औपचारिकता निभाते हुए उप जिला बोला जाता है और बीच में वहाँ पर अतिरिक्त कलेक्टर और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक की पदस्थापना की गयी थी जो नए जिले की तरह से स्थापना नहीं है।

दहेज में 50 हजार रुपये और सोने की चेन की मांग

एक व्यक्ति ने दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर पत्नी और बेटे को घर से निकाला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र में आने वाले एक ग्राम में ब्याही एक महिला ने अपने पति के विरुद्ध दहेज में 50 हजार रुपये और सोने की चेन की मांग को लेकर शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित कर बेटे के साथ घर से निकालने का आरोप लगाई। महिला श्रीमती ज्योति उके 23वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर खैरलांजी पुलिस ने इस महिला के पति शिवप्रसाद पिता रूपचंद उके के विरुद्ध दहेज की मांग को लेकर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ज्योति का मायका कटंग थाना क्षेत्र का है। 8 मार्च 2022 को इस ज्योति की शादी खैरलांजी थाना क्षेत्र में रहने शिव प्रसाद उके साथ सामाजिक रीति रिवाज से हुई थी। इस महिला का पति शिवप्रसाद मजदूरी करता है। जिनका एक बेटा 3 वर्ष का है। शादी के कुछ दिन बाद तक शिव प्रसाद ने अपनी पत्नी ज्योति को ठीक से रखा उसके बाद कम दहेज लाई है कहकर शराब पीकर मारपीट एवं शारीरिक मानसिक रूप से परेशान करने लगा और मायके से 50 हजार रुपये और सोने की चेन लाने की मांग करने लगा।ज्योति को उसका पति शिव प्रसाद आए दिन मारपीट करने लगा था। इस संबंध में ज्योति ने अपने मायके वालों को बताई थी।20 जून 2024 को ज्योति के पिता उसके ससुराल पहुंचे और सामाजिक मीटिंग रखी थी। जिसमें ग्राम पंचायत के सरपंच के द्वारा समझाइए दी गई ।तब शिव प्रसाद ने ज्योति को अच्छे से रखकर जीवन व्यापन करने और मारपीट न करने का वचन दिया था। किंतु ज्योति के पति शिवप्रसाद के व्यवहार में कोई परिवर्तन नहीं आया और पहले की तरह ही वह ज्योति को मारपीट कर परेशान करने लगा था और दहेज में 50हजार रुपये नगद और सोने की चेन की मांग को लेकर आए दिन प्रताड़ित करने लगा। 3 अगस्त 2024 की रात 8:00 बजे शिवप्रसाद ने अपनी पत्नी ज्योति से बोला कि दहेज की मांग पूरी नहीं कर रही है। तथा 50हजार रुपये एक सोने की चेन मायके वालों से मांग कर नहीं ला रही है। उसने ज्योति को हाथ बुक्के से मारपीट किया ।4 अगस्त 2024 को सुबह 9:00 बजे शिव प्रसाद ने दहेज की मांग को लेकर ज्योति के साथ मारपीट की और बेटे आयुष के साथ उसे घर से निकाल दिया और बोला कि 50 हजार रुपये और एक सोने की चेन लेकर घर वापस आना और रुपए और चैन की बिना घर आई तो शिवप्रसाद ने उसे जान से मार डालने की धमकी दे दी। इसके बाद ज्योति अपने बेटे के साथ मायके चली गई। इसके बाद ज्योति ने अपने ससुराल जाकर पति के साथ रहने की बहुत कोशिश की किंतु शिव प्रसाद ने उसे रखने से इंकार कर दिया। जिसके बाद ज्योति रिपोर्ट करने खैरलांजी पुलिस थाना पहुंची। खैरलांजी पुलिस ने ज्योति द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति शिव प्रसाद उके के विरुद्ध दहेज की मांग को लेकर शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित कर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

जंगल गांव में विवाह तय होने से व्यथित युवती ने खाया कीटनाशक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जंगल गांव में शादी तय होने से व्यथित एक लड़की ने कीटनाशक दवाई का सेवन कर ली। यह घटना जिले के रूपझर थाना क्षेत्र की है ।कीटनाशक दवाई की सेवन से बेहोश इस लड़की को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस लड़की के परिवार में माता-पिता के अलावा उसके दो भाई है और यह लड़की दोनों भाई में सबसे बड़ी है। इस लड़की की शादी उसके माता-पिता ने ग्राम डाबरी तरफ जंगल गांव में तय कर दी थी। जिसके कारण यह लड़की मानसिक तनाव में चल रही थी। 6 नवंबर को सुबह परिवार के कृषि कार्य करने के लिए खेत चले गए थे ।यह लड़की अपनी भाभी के साथ घर में थी। 4:00 करीब जब परिवार के लोग खेत से घर पहुंचे तब यह लड़की अपने घर में उल्टी कर रही थी और कीटनाशक की दुर्गंध आ रही थी। पूछने पर इस लड़की ने बताई कि मम्मी पापा मेरी शादी ग्राम डाबरी तरफ जंगल गांव में तय कर रहे हैं और मुझे जंगल का तरफ शादी नहीं करना है। जिसके मानसिक तनाव में आकर उसने कीटनाशक दवाई का सेवन कर ली। लड़की के यह बताने के बाद इस लड़की को उसके दोनों भाई ने मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710, **स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य**, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. M P /HIN/2009/32311 , न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट